भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

करवाचौथ की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 29 अक्तूबर 2026 | 13 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 183, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

बृजभूषण को जवाब का आखिरी मौका, अगली सुनवाई 20 नवंबर को

एजेंसी, गोंडा। महिला पहलवानों के यौन शोषण से जुड़े मामले में भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और पूर्व सचिव विनोद तोमर को बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपील पर बुधवार सुबह 11 बजे दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है। उनके वकील ने ऑनलाइन पेश होकर जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। विशेष न्यायाधीश ने आखिरी मौका देते हुए मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर तय की है।

मुंबई-गुजरात में ईडी की 11 ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन के शोधन की जांच के तहत मुंबई और गुजरात में करीब 11 ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई। ईडी के अनुसार, नविन गुरुनाथ चिचकर और अन्य आरोपितों पर अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के जरिए कोकीन, हाइड्रोपोनिक गांजा और एलएसडी जैसे मादक पदार्थों की बिक्री से अवैध कमाई करने का आरोप है। जांच में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश और हवाला के माध्यम से रकम के लेन-देन की जानकारी सामने आई है। तलाशी के दौरान एजेंसी ने डिजिटल उपकरण, आपत्तिजनक सामग्री और धनशोधन से जुड़े साक्ष्य बरामद किए। मामले में आगे की जांच जारी है।

आजम खान के जौहर विवि की 426.46 करोड़ की संपत्ति कुर्क

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन मामले में रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 426.46 करोड़ रुपये की जमीन और इमारतें अस्थायी रूप से कुर्क की हैं। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 1,170 करोड़ रुपये आंका गया है। ईडी के अनुसार, विश्वविद्यालय आजम खान द्वारा स्थापित मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के अधीन है। जांच में किसानों की जमीन पर कथित कब्जे, सरकारी धन के इस्तेमाल और ठेकेदारों से ट्रस्ट को दान मिलने के आरोप सामने आए हैं। एजेंसी ने बताया कि विश्वविद्यालय के निर्माण पर खर्च हुई राशि में से 426.46 करोड़ रुपये के वैध स्रोतों की पुष्टि नहीं हो सकी। इसी आधार पर संपत्ति कुर्क की गई है। मामले में आगे की जांच जारी है।

मणिपुर में हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर के थौबल जिले में बुधवार को थौबल पुलिस कमांडो और 33 असम राइफल्स (एआर) की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाकर भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के इकोप पाट के सामान्य क्षेत्र में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान दो एसएमजी कार्बाइन, चार डबल और सिंगल बैरल बंदूकें तथा तीन पिस्तौल बरामद की गईं। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने चार हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, विभिन्न प्रकार के 39 जिंदा कारतूस और कई मैगजीन भी जब्त कीं। सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी को लेकर अभियान चलाया जा रहा है।

केंद्रीय कर्मियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता 3 प्रतिशत बढ़ा

मोदी कैबिनेट में मिली मंजूरी, केंद्रीय कर्मियों-पेंशनर्स को होगा लाभ

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर आई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में तीन फीसदी की बढ़ोतरी को औपचारिक मंजूरी दे दी है। बढ़ती महंगाई के बीच लिए गए इस फैसले से लाखों केंद्रीय कर्मचारियों व पेंशनधारकों को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस वित्तीय निर्णय को मंजूरी दी गई। केंद्रीय कर्मियों के महंगाई भत्ते और राहत के मद में कुल 10,016 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। यह वृद्धि 1 जुलाई 2026 से प्रभावी मानी जाएगी।

कैबिनेट की ओर से लिए गए फैसले के तहत महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जो कर्मचारियों की क्रय शक्ति को बनाए रखने में मदद करेगी। कर्मचारियों के जीवन यापन की बढ़ती लागत असर को संतुलित करने के मकसद से सरकार समय-समय पर इस भत्ते में बदलाव करती है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल का तीन फीसदी महंगाई भत्ता बढ़ाने का यह फैसला लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक राहत देने वाला कदम है। 10,016 करोड़ रुपए के इस वित्तीय प्रावधान के साथ-साथ कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग और ग्रामीण विकास योजनाओं के लिए मंजूर किया गया 29,267 करोड़ रुपए का कुल पैकेज से देश की आर्थिक प्राथमिकताओं के बारे में बताता है।



इन योजनाओं को भी मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई इस कैबिनेट बैठक में केवल महंगाई भत्ता ही नहीं, बल्कि देश के बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, खेल और ग्रामीण विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं को भी हरी झंडी दी गई है। मंत्रिमंडल ने कुल 29,267 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है।

कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग प्रमोशन स्कीम: देश में घरेलू कंटेनर निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। मैन्युफैक्चरर्स पर वित्तीय बोझ कम करने के मकसद से सरकार ने कैपेक्स पर विशेष ध्यान दिया है। इसके तहत पूंजीगत व्यय के लिए लिए गए टर्म लोन पर हर साल 3 फीसदी की ब्याज छूट दी जाएगी. इसके लिए सरकार ने 859 करोड़ का खास बजट तय किया है।

खेलो इंडिया स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम: खेल सामग्री के घरेलू उत्पादन को मजबूती देने के लिए 1,856 करोड़ मंजूर किए गए हैं।

प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना: ग्रामीण विकास और सुशासन को गति देने के उद्देश्य से 7,395 करोड़ का आवंटन किया गया है।

स्पेन में हाई स्पीड ट्रेनें टकराईं, 60 से ज्यादा मौतें

कई डिब्बे मलबे में बदले, ट्रेनों की एवरेज स्पीड 200 किमी/घंटे से ज्यादा

एजेंसी, मैड्रिड। स्पेन के टोलेडो प्रांत में बुधवार को दो हाई स्पीड ट्रेनें टकरा गईं। एक न्यूज चैनल के मुताबिक, हादसे में 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई हैं। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। मौके पर इमरजेंसी और मेडिकल टीमें पहुंची हैं। स्पेनिश रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे टोलेडो के सेविला में मोरा और ओरगाज कस्बों के बीच हुआ। एक ट्रेन ने दूसरी को पीछे से टक्कर मारी। कई डिब्बे मलबे में बदल गए हैं।

हादसे के बाद राजधानी मैड्रिड को स्पेन के दक्षिणी अंदालूसिया क्षेत्र से जोड़ने वाली रेल लाइन बंद कर दी गई। टक्कर स्पेन की सरकारी ट्रेन रेनफे और निजी कंपनी इर्यो के बीच हुई। इनकी औसत रफ्तार 200 किमी/घंटे से ज्यादा होती है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने कहा कि इस हादसे की खबर सुनकर वे सदमे में हैं। राहत और बचाव दल मौके पर मौजूद हैं और हादसे में प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं। टोलेडो के पास उर्दा शहर के मेयर मैनुअल गालान ने बताया कि बचाव दल ने उनसे घायलों के इलाज और देखभाल के लिए एक स्पोर्ट्स हॉल तैयार रखने को कहा है।



सनातन को बदनाम करने के षड्यंत्रों का प्रमाणों से होगा पर्दाफाश : रामदेव



एजेंसी ,हरिद्वार। योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय में 29 से 31 अक्टूबर तक आयोजित 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन में सनातन धर्म और भारतीय ज्ञान परंपरा को लेकर फैलाए जा रहे कथित भ्रमों का तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर जवाब दिया जाएगा। बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि वेदों में मानव कल्याण, समन्वय और सह-अस्तित्व का संदेश निहित है। भारतीय परंपराओं को समझे बिना उन पर सवाल उठाना उचित नहीं है। रामदेव ने धार्मिक ग्रंथों के संदर्भों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने का आरोप लगाते हुए मूल स्रोतों के अध्ययन पर जोर दिया। सम्मेलन में भारतीय दर्शन, योग, आयुर्वेद, संस्कृत साहित्य और वैदिक ज्ञान पर शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने देश में लोकतंत्र को मजबूत बताते हुए कहा कि सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ही होना चाहिए।

भारतीय पायलट स्मित को यूएई का जायद-2 सम्मान

एजेंसी, अबू धाबी। यूएई ने फ्लाईदुबई की फ्लाइट को क्रैश से बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को 'जायद-2 फर्स्ट क्लास' से सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मच्छर को गले लगाया। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने स्मित को अपने देश की पहचान बताया। जायद-2, यूएई के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। फ्लाईदुबई फ्लाइट के पायलट मच्छर ने 30 सितंबर को प्लेन क्रैश कराने की कोशिश नाकाम कर दी थी। यह प्लेन दुबई से तेल अवीव जा रही था। इस दौरान को-पायलट ने उन पर हमला कर दिया था। राष्ट्रपति बिन जायद ने फ्लाइट के क्रू के सदस्यों को भी सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और दुबई के



शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे। यूएई के नेताओं ने कैप्टन मच्छर और क्रू के सदस्यों की हिम्मत और जिम्मेदारी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुश्किल हालात में भी क्रू ने यात्रियों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा महत्व दिया।

दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कैप्टन स्मित मच्छर ने हिम्मत, जिम्मेदारी और इंसानी जान की परवाह करने की मिसाल पेश की।

वोटर लिस्ट से हटे लोगों को नए मतदाता न मानें

एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से किए कई सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयोग से कई अहम सवाल किए। अदालत ने पूछा कि जिन लोगों के नाम पहले से मतदाता सूची में शामिल थे, लेकिन अब उन्हें 'स्थानांतरित या अनुपस्थित' श्रेणी में रखकर ड्राफ्ट सूची से बाहर कर दिया गया है, उन्हें दोबारा नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने को क्यों कहा जा रहा है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि फॉर्म-6, 7 और 8 निर्धारित प्रारूप हैं और चुनाव आयोग इनमें अपनी ओर से बदलाव नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम पहले सूची में थे, उनकी स्थिति के अनुसार



◆ फॉर्म-6, 7 और 8 में बदलाव नहीं कर सकता चुनाव आयोग

समाधान निकाला जाना चाहिए, न कि उन्हें नए मतदाताओं की श्रेणी में डाल दिया जाए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने 30 अक्टूबर की समयसीमा पर भी सवाल उठाए। पीठ ने पूछा कि जब दिल्ली में निकट भविष्य में चुनाव नहीं होने हैं, तो इतनी जल्दबाजी क्यों की जा रही है। अदालत ने यह भी कहा कि नाम दोबारा दर्ज कराने के लिए कट-ऑफ तारीख तय करने से बचना चाहिए और चुनाव आयोग को खुद मतदाताओं तक पहुंचने का प्रयास करना चाहिए।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में एसआईआर से पहले लगभग 1.45 करोड़ मतदाता थे। 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में करीब 97.53 लाख नाम शामिल किए गए, जबकि लगभग 47.57 लाख नाम सूची से बाहर रहे। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की ओर से समयसीमा बढ़ाने की इच्छा भी जताई गई। मामले में आगे की सुनवाई के दौरान मतदाताओं के नाम दोबारा शामिल करने की प्रक्रिया पर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

पहले करवाचौथ पर सीएम रेखा ने 51 बेटियों को दी 1-1 लाख की सहायता

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री जन सेवा के तहत 51 बेटियों को उनके पहले करवाचौथ के अवसर पर एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नवविवाहित बेटियों के साथ उनकी खुशियां साझा कीं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि पहला करवाचौथ हर बेटी के जीवन में बेहद खास होता है। इसी अवसर पर उन्हें 51 बेटियों के पहले करवाचौथ की खुशियों में शामिल होने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने बताया कि लाडली फाउंडेशन की ओर से इसी वर्ष मार्च में इन बेटियों का सामूहिक विवाह कराया गया था। उनके पहले करवाचौथ को यादगार बनाने के लिए प्रत्येक बेटी को एक लाख रुपये की



आर्थिक सहायता दी गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने नवदंपतियों के सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनके जीवन में प्रेम और विश्वास का बंधन हर दिन मजबूत हो। साथ ही, उन्होंने सभी बेटियों के घर-आंगन में सुख, सौभाग्य और समृद्धि बनी रहने की कामना की और उन्हें पहले करवाचौथ की बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने इस आयोजन के लिए लाडली फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के संस्थापक देवेंद्र कुमार सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

चक्रवात अर्नब से आंध्र प्रदेश में भारी तबाही तीन की मौत, 39 एनडीआरएफ टीमें तैनात

एजेंसी, नई दिल्ली। चक्रवात अर्नब ने आंध्र प्रदेश में भारी नुकसान पहुंचाया है। तूफान के चलते अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 31 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। राज्य में करीब 57 हजार लोगों को सुरक्षित निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिए हैं।

एनडीआरएफ के महानिरीक्षक नरेंद्र सिंह बुंदेला ने बुधवार को बताया कि चक्रवात पुडुचेरी के यनम के पास तट पार कर चुका है। अगले छह घंटे में इसके कमजोर होकर चक्रवाती तूफान और शाम तक गहरे दबाव के क्षेत्र में बदलने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश के उत्तरी हिस्से और ओडिशा के दक्षिणी हिस्से में इसका प्रभाव देखा गया है। चक्रवात से निपटने के लिए



◆ 70 हजार हेक्टेयर फसल जलमग्न, सड़कें व बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त

आंध्र प्रदेश और ओडिशा सहित छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, पुडुचेरी तथा अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह में एनडीआरएफ की कुल 39 टीमें तैनात की गई हैं। आंध्र प्रदेश में एसडीआरएफ की 80 टीमें भी राहत कार्यों में जुटी हैं।

प्रारंभिक आकलन के अनुसार, आंध्र प्रदेश में 70 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में कृषि फसलें जलमग्न हो गई हैं, जबकि 10,500 हेक्टेयर बागवानी क्षेत्र प्रभावित हुआ है। मकानों, सड़कों और बिजली के खंभों को भी नुकसान पहुंचा है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने और जनजीवन सामान्य बनाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन प्रभावित लोगों, विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है।

गोल्ड मेडलिस्ट पैरा एथलीट नीरज यादव की मौत

एजेंसी, पूर्वी दिल्ली। तीन बार के एशियाई पैरा गेम्स स्वर्ण पदक विजेता पैरा एथलीट नीरज यादव की मंगलवार रात संदिग्ध हालत में मौत हो गई। 42 वर्षीय नीरज का शव एक फ्लैट में मिला। आशंका जताई जा रही है कि उन्होंने जहरीला पदार्थ खाया था। स्वजन ने जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया था। उनकी मौत के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

नीरज यादव पैरा एथलेटिक्स की एफ-55 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करते थे। उन्होंने एशियाई पैरा गेम्स में तीन बार स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया था। उनकी मौत की खबर से पैरा खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई। बता दें कि मृतक नीरज यादव के योग्यता की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वर्ष 2023 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तारीफ की थी।

सीएम नायब सैनी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से की मुलाकात

पीएम मोदी की जन्मभूमि पर आना गर्व की बात

एजेंसी, अहमदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने हरियाणा और गुजरात के बीच समन्वय एवं सहयोग बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। बैठक में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर भी मौजूद रहे।

'हैपनिंग हरियाणा 2.0' के तहत गुजरात पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अहमदाबाद और गांधीनगर में उद्यमियों से मुलाकात के दौरान गुजरात की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि और कर्मभूमि गुजरात में आना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है।

सैनी ने महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात



की पवित्र धरती से स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया, जो आज भी देश के विकास के लिए प्रेरणादायक है।

उन्होंने गुजरात के उद्यमियों के साथ संवाद को हरियाणा में निवेश की संभावनाएं बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री के गुजरात दौरे के पहले दिन हरियाणा को करीब 12,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इसे राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल मजबूत करने की दिशा में अहम उपलब्धि माना जा रहा है। इस दौरे का उद्देश्य गुजरात के औद्योगिक अनुभव और निवेश संभावनाओं से सीख लेकर हरियाणा में नए व्यावसायिक अवसर पैदा करना है। दोनों राज्यों के बीच सहयोग बढ़ने से औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सिंगापुर की तकनीक व यूपी का सामर्थ्य मिलकर लिखेंगे विकास की नई इबारत : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के 14 सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने लॉजिस्टिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, ग्रीन एनर्जी, शहरी नियोजन और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में निवेश की रुचि दिखाई।

मुख्यमंत्री ने जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास 'सिंगापुर सिटी' और हाईटेक इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने और उद्योगों में उत्पादन शुरू करवाने के लिए निवेशकों को हरसंभव सहयोग देगी। बैठक के दौरान यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक



विकास प्राधिकरण क्षेत्र में 50 एकड़ भूमि पर 775 करोड़ रुपये की लागत से यूनिवर्सल पैकेजिंग हब स्थापित करने के लिए ग्रेटर नासिक इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को पात्रता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इस परियोजना से 1,880 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

इसके अतिरिक्त, एग्रीकॉर्प इंटरनेशनल के साथ खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। कंपनी सोया प्रोटीन और चना प्रोटीन के उत्पादन पर काम करेगी। ब्लू प्लैनेट एनवायरनमेंटल सॉल्यूशंस के साथ भी समझौता हुआ। कंपनी नोएडा में पुराने कचरे के उपचार और सहारनपुर में कचरा प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की योजना पर काम करेगी। इन परियोजनाओं में 250 से 350 करोड़ रुपये के निवेश का अनुमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगापुर की तकनीक और उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता मिलकर राज्य को वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने में मदद कर सकती हैं।

सौगात रामगंगा नदी पर बनेगा बांध, गैरसैंण की पेयजल समस्या दूर करने की दिशा में बड़ा कदम

सीएम धामी ने गैरसैंण को दी 231.91 करोड़ की सौगात

अनिल थपलियाल, भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गैरसैंण (भराड़ीसैंण) में चमोली जिले की 231.91 करोड़ रुपये की 12 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 197.87 करोड़ रुपये की छह योजनाओं का शिलान्यास और 34.04 करोड़ रुपये की छह योजनाओं का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री ने गैरसैंण शहर और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बेहतर बनाने के लिए रामगंगा नदी पर 122.69 करोड़ रुपये की लागत से बांध निर्माण योजना का शिलान्यास किया। इसके अलावा कर्णप्रयाग विकासखंड के बहुगुणानगर में 50.18 करोड़ रुपये की लागत से भू-धंसाव से सुरक्षा संबंधी कार्यों की आधारशिला रखी।

शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक गैरसैंण के भवन निर्माण पर 12.16 करोड़ रुपये तथा राजकीय



आयुर्वेदिक चिकित्सालय बछुवाबाण के भवन अनुरक्षण पर 22.75 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके साथ ही विभिन्न मोटर मार्गों से संबंधित विकास कार्यों का भी शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री ने 34.04 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई छह योजनाओं को जनता को समर्पित किया। इनमें 14.82 करोड़ रुपये की लागत से खजुरखाल-भंडारीखोड़-कुनीगाड़ मोटर मार्ग का उच्चीकरण और राजकीय इंटर कॉलेज गैरसैंण में 4.37 करोड़ रुपये से निर्मित ऑडिटोरियम भवन शामिल हैं। इसके अलावा सारकोट-भराड़ीसैंण मोटर मार्ग और कारगिल शहीद रणजीत सिंह मोटर मार्ग के सुधार, डामरीकरण एवं नवीनीकरण कार्यों का लोकार्पण किया गया।

गैरसैंण में पुलिस और अग्निशमन सुविधाओं को मजबूत करने के लिए 4.37 करोड़ रुपये से निर्मित फायर यूनिट भवन तथा 4.24 करोड़ रुपये से बने थाना गैरसैंण भवन को भी जनता को समर्पित किया गया।

इन योजनाओं से क्षेत्र में पेयजल, सड़क संपर्क, शिक्षा, आपदा सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़ी सुविधाओं में सुधार होने की उम्मीद है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, डॉ. धन सिंह रावत, भरत चौधरी, विधायक अनिल नौटियाल सहित प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बिंदल का कांग्रेस पर अराजकता फैलाने का आरोप

हिमाचल में चार पदयात्राएं निकालेगी भाजपा, एक नवंबर को शिमला में जुटेंगे दिग्गज नेता

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस देश में अराजकता का माहौल बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनावों में जनता द्वारा नकारे जाने के बाद कांग्रेस लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बजाय बांग्लादेश जैसी परिस्थितियां पैदा कर सत्ता परिवर्तन का सपना देख रही है। बिंदल ने ये बातें प्रेस वार्ता के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि भारत में सरकारें संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत बनती और बदलती हैं। संविधान की दुहाई देने वाली कांग्रेस का इतिहास संवैधानिक मर्यादाओं के उल्लंघन से जुड़ा रहा है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की पूर्व संवैधानिक व्यवस्था, निर्वाचित सरकारों की बर्खास्तगी और वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए कांग्रेस की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध लगाए गए और संवैधानिक व्यवस्था प्रभावित हुई।

डॉ. बिंदल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर जनता में अविश्वास पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक, सामरिक और विकास के क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है, जबकि कांग्रेस राजनीतिक हताशा के कारण सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है।

घुसपैठ के मुद्दे पर उन्होंने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों के अधिकारों और मतदाता सूचियों की शुद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है।

डॉ. बिंदल ने घोषणा की कि भाजपा प्रदेश में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत चार प्रमुख पदयात्राएं आयोजित करेगी। पहली पदयात्रा 30 अक्टूबर को धर्मशाला में सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार के नेतृत्व में निकाली जाएगी।

एक नवंबर को शिमला में पुराने बस अड्डे से चौड़ा मैदान तक पदयात्रा होगी। इसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, सांसद अनुराग ठाकुर और सांसद सुरेश कश्यप सहित वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल होंगे। कार्यक्रम के संयोजक प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष बिट्टू वर्मा होंगे।

चार नवंबर को मंडी में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में पदयात्रा निकाली जाएगी। इसके संयोजक पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज होंगे। इसी दिन हमीरपुर में डॉ. राजीव बिंदल के नेतृत्व में पदयात्रा आयोजित होगी। इसमें सांसद अनुराग ठाकुर, सतपाल सिंह सत्ती सहित अन्य नेता भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक रणधीर शर्मा होंगे।

बिंदल ने कहा कि इन पदयात्राओं का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और कांग्रेस की राजनीतिक कार्यशैली पर सवाल उठाना है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कथित आपत्तिजनक शब्दों के प्रयोग की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान, लोकतंत्र और देश की एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ जनता के बीच जाएगी।



'लोकतंत्र बचाओ' अभियान से कांग्रेस को घेरने की तैयारी में जुटी भाजपा

खलिणी में आज सड़क की मेटलिंग का कार्य होगा शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी में शिमला जल प्रबंधन निगम लिमिटेड (एसजेपीएनएल) और सुएज की 24म7 निरंतर एवं दबावयुक्त पेयजल आपूर्ति परियोजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की बहाली का कार्य तेज हो गया है। परियोजना के तहत प्रभावित सड़कों की मरम्मत चरणबद्ध तरीके से की जा रही है, ताकि स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को राहत मिल सके। इसी कड़ी में आज खलिणी वार्ड में चिंतपूर्णी स्वीट्स के पास सड़क की मेटलिंग का कार्य शुरू किया जाएगा। कंपनी के प्रतिनिधियों ने स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की है। लोगों से आग्रह किया गया है कि कार्य के दौरान सड़क किनारे वाहन पार्क न करें, ताकि काम बिना किसी बाधा के निर्धारित समय में पूरा हो सके। सड़क बहाली के तहत सबसे पहले यहां वेट मिक्स मैकडम बिछाया जाएगा। इसके बाद मेटलिंग की जाएगी। इससे सड़क की स्थिति बेहतर होने और वाहन चालकों को राहत मिलने की उम्मीद है। परियोजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद प्रभावित सड़कों की मरम्मत पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के साथ यातायात सुचारू बनाए रखना और आम लोगों की असुविधा कम करना है।

ब्रिक्स संसदीय मंच में भाग लेकर सिहुंता लौटे विधानसभा अध्यक्ष पठानिया

दिसंबर बैठक में मसौदा रिपोर्ट को अंतिम रूप देने की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच और पीठासीन अधिकारियों की बैठक में भाग लेने के बाद नई दिल्ली से हिमाचल प्रदेश लौट आए। नई दिल्ली के संविधान सदन में आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लेने के बाद वह वायु मार्ग से गगल हवाई अड्डे पहुंचे। यहां से सीधे सिहुंता के लिए रवाना हुए और दोपहर करीब 3:30 बजे अपने घर पहुंचे।

दिल्ली से रवाना होने से पहले विधानसभा अध्यक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का उन्हें 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच में विशेष रूप से आमंत्रित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को भी पीठासीन अधिकारियों की बैठक के सफल आयोजन और आतिथ्य सत्कार के लिए धन्यवाद दिया।

पठानिया ने कहा कि 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भाग लेना उनके लिए अनूठा अनुभव रहा। इसमें 12 देशों और 10 सहयोगी देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारी तथा प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन विभिन्न देशों के बीच विचारों के आदान-प्रदान, आपसी सद्भाव और सहयोग को बढ़ावा देते हैं। साथ ही, प्रौद्योगिकी के माध्यम से एक-दूसरे की संस्कृति और सभ्यता को समझने का अवसर मिलता है।


विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत में विधायी निकायों के कामकाज और प्रक्रिया संबंधी नियमों का एक समान प्रारूप तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हालांकि, छोटे और बड़े राज्यों की विधानसभाओं की आवश्यकताएं अलग-अलग होने के कारण सभी के लिए एक जैसे नियम बनाना और लागू करना आसान नहीं है।

उन्होंने बताया कि इस विषय पर आगे विचार-विमर्श के लिए दिसंबर में महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अगली बैठक प्रस्तावित है। इसमें मसौदा रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए निष्कर्ष तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। पठानिया ने उम्मीद जताई कि इन बैठकों से विधायी संस्थाओं के कामकाज में बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी।

जुन्गा में जियो नेटवर्क की बदहाली से उपभोक्ता परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जुन्गा तहसील के कई गांवों में जियो मोबाइल नेटवर्क की खराब स्थिति से उपभोक्ता परेशान हैं। पीरन, नालटा, देवठी, ट्रहाई, चिखर, सतलाई, ब्लोग, कोटी, जनेडघाट, डुब्लु और भडेच सहित आसपास के क्षेत्रों में नेटवर्क बार-बार बाधित होने से लोगों के जरूरी ऑनलाइन कार्य प्रभावित हो रहे हैं। विशेषकर ऑनलाइन कक्षाएं लगाने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार सुबह और रात के समय नेटवर्क की समस्या अधिक गंभीर हो जाती है और कई-कई मिनट तक इंटरनेट सेवा बाधित रहती है। प्रीतम सिंह, जय सिंह शर्मा, दीपक ठाकुर, मनोहर सिंह और नेक राम सहित अन्य उपभोक्ताओं का कहना है कि डिजिटल दौर में इंटरनेट शिक्षा, बैंकिंग और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए जरूरी है, लेकिन कमजोर नेटवर्क से उन्हें परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर पहले जियो के क्षेत्रीय प्रभारी प्रदीप शर्मा से भी संपर्क किया गया था। उस दौरान नेटवर्क की जांच करवाने, व्यवस्था में सुधार करने और क्षेत्र को 5जी सुविधा से जोड़ने का आश्वासन मिला था।

रामपुर में अवैध पटाखों के 22 कार्टन जब्त, एफआईआर दर्ज

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने जिले में पटाखों की अवैध बिक्री और भंडारण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पटाखे बेचने के लिए वैध लाइसेंस अनिवार्य है और इनकी बिक्री प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही की जा सकती है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने सहित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने बताया कि पटाखों की बिक्री और भंडारण पर विस्फोटक अधिनियम, 1884 तथा विस्फोटक नियम, 2008 के प्रावधान लागू होते हैं। बिना लाइसेंस पटाखे बेचना और उनका अवैध भंडारण करना कानून का उल्लंघन है।

जिला में कार्रवाई करते हुए रामपुर पुलिस ने तलाई (नोगली) स्थित एक दुकान से पटाखों के 22 कार्टन जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, दुकान संचालक दीपक बंसल निवासी रामपुर के खिलाफ पुलिस थाना रामपुर में एफआईआर संख्या 119/26 दर्ज की गई है। मामला 28 अक्टूबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 और 288 तथा विस्फोटक अधिनियम की धारा 9बी के तहत दर्ज किया गया। जब्त पटाखों को बुशहर हाउस, रामपुर में रखा गया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कर रहे हैं।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि त्योहारों के दौरान लोगों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। पटाखों का असुरक्षित भंडारण आगजनी और अन्य दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। उन्होंने विक्रेताओं से वैध लाइसेंस लेने और निर्धारित स्थानों पर ही बिक्री करने की अपील की। साथ ही, लोगों से अधिकृत विक्रेताओं से ही पटाखे खरीदने का आग्रह किया। प्रशासन और पुलिस नियमों के उल्लंघन पर लगातार निगरानी रखेंगे तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करेंगे।हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने दशहरा पर्व के अवसर पर प्रदेश और देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा कि दशहरा अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। यह पर्व पूरे देश में श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है।

शिमला में राशन वितरण व्यवस्था होगी मजबूत

डिपो सबलेट करने वालों पर कार्रवाई तय

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत लाभार्थियों को कवर करने, खाद्यान्न आवंटन और वितरण सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष पात्र परिवारों को योजना के दायरे में लाने का लक्ष्य शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन नई पंचायतों में उचित मूल्य की दुकान उपलब्ध नहीं है, वहां नियमानुसार डिपो खोलने की संभावनाएं तलाश की जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन सोसायटियों द्वारा डिपो सबलेट करने की शिकायतें मिली हैं, उनके खिलाफ जांच कर नियमानुसार लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।



पात्र परिवारों को राशन देने के लिए शेष लक्ष्य जल्द पूरा करने के निर्देश

बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, शिमला जिले के शहरी क्षेत्रों में 62,445 लोगों को कवर करने का लक्ष्य है। इनमें से 8,089 लोगों को योजना के दायरे में लाया गया है, जबकि 54,356 लोगों को कवर करना शेष है। ग्रामीण क्षेत्रों में 3,74,345 लोगों के लक्ष्य के मुकाबले 2,61,336 लोगों को कवर किया जा चुका है। शेष 1,13,009 लोगों तक योजना का लाभ पहुंचाया जाना है।

ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल में 50,082, ठियोग में 36,662, रामपुर में 31,413 और मशोबरा में 29,584 लोगों को कवर किया गया है। शहरी क्षेत्रों में नगर निगम शिमला में 6,267 लोगों को योजना से जोड़ा गया है।

बैठक में जुलाई से सितंबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार चावल का आवंटन 1,698 क्विंटल और वितरण 1,402 क्विंटल दर्ज किया गया। फोर्टिफाइड गेहूं के आटे का आवंटन 1,402 क्विंटल तथा वितरण 1,704 क्विंटल रहा। समिति ने मध्याह्न भोजन और पोषण संबंधी योजनाओं के लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया।

जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए विभिन्न विकास खंडों और शिमला शहर में नई उचित मूल्य की दुकानें खोलने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। प्रस्तावित स्थानों में जुब्बल, नारकंडा, चिड़गांव, बसंतपुर, रामपुर, कोटखाई, ठियोग, टूटू, छोहारा, चौपाल और रोहड़ू सहित शिमला शहर के कुफ्टाधार, लोअर खलीनी, टूटीकंडी और जतोग कैंट शामिल हैं।

मशोबरा स्कूल में गणित ओलंपियाड

63 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, मशोबरा। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मशोबरा में बुधवार को कक्षा पांचवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड परीक्षा आयोजित की गई। मैथ्स ओलंपियाड फाउंडेशन, नई दिल्ली की ओर से आयोजित इस परीक्षा में विद्यालय के कुल 63 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि विकसित करना और उनकी तार्किक चिंतन शक्ति, विश्लेषणात्मक क्षमता तथा समस्या समाधान कौशल को मजबूत करना है। ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने, आत्मविश्वास बढ़ाने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का अवसर मिलता है। साथ ही, ये गतिविधियां भविष्य की शैक्षणिक चुनौतियों और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सहायक होती हैं।

विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनाक्षी सूद ने इस आयोजन को विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं बौद्धिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक क्षमता और स्वतंत्र रूप से सोचने की प्रवृत्ति विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

परीक्षा के सफल आयोजन में गणित प्रवक्ता डॉ. अनुकम्पा ठाकुर और टीजीटी गैर-चिकित्सा अध्यापिका पूजा बाला ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन और सहयोग से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

शिमला पुलिस ने नशा तस्करों की अवैध संपत्तियों पर किया प्रहार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए अब तस्करों की अवैध संपत्तियों और निर्माणों को भी निशाने पर लिया है। इसी अभियान के तहत चिड़गांव-रोहड़ू मार्ग पर लंबाखाटल के समीप लोक निर्माण विभाग की सरकारी भूमि पर बनाई गई पांच दुकानों को ध्वस्त किया गया, जबकि एक स्टोर को अपने कब्जे में लिया गया। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई कोटखाई थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज चिट्टा तस्करी के मामले से जुड़ी है। पुलिस और लोक निर्माण विभाग ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये की इन दुकानों को हटाया। इससे पहले आठ अक्टूबर को रोहड़ू क्षेत्र में एक नशा तस्कर के अवैध रेस्टोरेंट को भी बुलडोजर से ध्वस्त किया गया था। पुलिस के अनुसार, आठ महीनों में नशा तस्करों से जुड़ी दो अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई की गई है। शिमला पुलिस ने फरवरी से नशा तस्करी से जुड़ी संपत्तियों का सत्यापन शुरू किया था। अब तक 940 संपत्तियों का सत्यापन किया जा चुका है, जिनमें से 58 संभावित अवैध संपत्तियां चिह्नित की गई हैं।

हिमाचल में कचरा प्रबंधन को मिलेगी नई दिशा



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए शहरी विकास विभाग और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) की संयुक्त पहल प्रोजेक्ट सर्कुलर भारत के तहत प्रदेश स्तरीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके माध्यम से प्रदेश के सभी शहरी स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। शहरी विकास एवं लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य शहरी निकायों को स्थानीय जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रभावी कदम उठाने में सक्षम बनाना है। इससे स्वच्छ, व्यवस्थित और पर्यावरण-अनुकूल शहरी क्षेत्रों के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य पीपल, ट्रांसफॉर्मेशन एवं सस्टेनेबिलिटी अधिकारी बीपी बिद्दप्पा ने कहा कि प्रोजेक्ट सर्कुलर भारत के माध्यम से चक्रीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के साथ अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए निकायों, नागरिकों और विभिन्न हितधारकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

विनय कुमार ने भाजपा पर लोकतंत्र कमजोर करने का लगाया आरोप

13 करोड़ मतदाताओं के वोट काटने के आरोपों की जांच की मांग, एक नवंबर को दिल्ली में महारैली

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विनय कुमार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम भाजपा ने किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में पिछले 12 वर्षों से सत्ता में होने के बावजूद भाजपा अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय कांग्रेस से जवाब मांग रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं और नागरिकों के मताधिकार से जुड़े सवालों का जवाब सरकार को देना चाहिए।

विनय कुमार ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती केवल भाषणों और नारों से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक के वोट की सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता से सुनिश्चित होती है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की शिकायतें सामने आ रही हैं, तो सरकार और संबंधित संवैधानिक संस्थाएं तथ्यों के साथ स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करतीं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मतदाता सूचियों से 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने के आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस दावे की वास्तविकता, नाम हटाने के कारणों और प्रभावित मतदाताओं की संख्या से जुड़े तथ्य सार्वजनिक किए जाने चाहिए। उन्होंने निर्वाचन आयोग से प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को गलत तरीके से मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। गरीब-अमीर, ग्रामीण-शहरी और युवा-बुजुर्ग सभी पात्र नागरिकों को समान रूप से मतदान का अधिकार मिलना चाहिए। यदि नाम हटाने में अनियमितताएं सामने आती हैं, तो प्रभावित लोगों को न्याय मिलना चाहिए और भविष्य में ऐसी शिकायतें रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

पात्र परिवारों को राशन देने के लिए शेष लक्ष्य जल्द पूरा करने के निर्देश

विनय कुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा गंभीर सवालों से ध्यान हटाने के लिए विपक्ष पर आरोप लगाती है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दों पर भी सरकार को जवाबदेह होना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष का सवाल पूछना उसकी जिम्मेदारी है और इसे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संविधान, सामाजिक न्याय और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस अपनी आवाज उठाती रहेगी। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक है। विनय कुमार ने बताया कि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली 'वोट बचाओ-देश बचाओ' महारैली में मताधिकार की सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता का मुद्दा उठाया जाएगा।

शिमला में पॉक्सो मामले के दोषी को चार साल की सजा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला में नाबालिग के यौन उत्पीड़न से जुड़े पॉक्सो मामले में विशेष फास्ट ट्रैक अदालत ने आरोपी अमित चौहान (22) निवासी रामपुर को चार वर्ष के कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। पुलिस थाना ईस्ट में इस संबंध में छह अगस्त 2025 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 और पॉक्सो एक्ट की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया गया था। विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 27 अक्टूबर 2026 को आरोपी को दोषी करार दिया। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए और अदालत में प्रभावी पैरवी की गई। शिमला पुलिस ने महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों में कानूनी कार्रवाई जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

करवा चौथ पर सुक्खू सरकार का तोहफा, पुरुषों को भी मिला अवकाश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने करवा चौथ के अवसर पर प्रदेशवासियों को विशेष तोहफा दिया है। राज्य सरकार ने महिलाओं के साथ पुरुषों को भी इस पर्व पर छुट्टी देने का फैसला किया है। इसके तहत आज पूरे प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। सरकार के इस निर्णय से पति-पत्नी दोनों एक साथ करवा चौथ का त्योहार मना सकेंगे। इससे पहले इस पर्व पर मुख्य रूप से महिला कर्मचारियों को ही अवकाश दिया जाता था। मुख्यमंत्री का यह फैसला परिवारों को त्योहार साथ मनाने का अवसर प्रदान करेगा। आज करवा चौथ के अवसर पर प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। इसके अलावा सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों तथा कॉलेजों में भी छुट्टी रहेगी। इससे पहले रक्षाबंधन पर भी पुरुषों को अवकाश दिया गया था। सरकार के इस कदम से त्योहारों पर परिवारों को एक साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

जवाबदेही तारादेवी से कैथलीघाट तक तत्काल सड़क सुधारने के निर्देश, निर्माण की समयसीमा पर भी मांगा जवाब

हाई कोर्ट ने फोरलेन मरम्मत में तेजी लाने के दिए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने शिमला-कालका राष्ट्रीय राजमार्ग पर फोरलेन निर्माण और मरम्मत कार्यों में हो रही देरी पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने राज्य सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को निर्देश दिए हैं कि सर्दियों का मौसम शुरू होने से पहले प्रभावित हिस्सों में मरम्मत और सड़क बहाली का काम तेजी से पूरा किया जाए। मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और न्यायाधीश जिया लाल भारद्वाज की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान ये आदेश दिए।

हाई कोर्ट ने मानसून के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्सों की खराब स्थिति पर चिंता जताई। विशेष रूप से शोघी से तारादेवी के बीच सड़क की हालत का संज्ञान लेते हुए अदालत ने तारादेवी से कैथलीघाट तक और अन्य प्रभावित हिस्सों में तुरंत टारिंग करने के निर्देश दिए। इसका उद्देश्य वाहन चालकों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत दिलाना और सर्दियों के दौरान सड़क की स्थिति बेहतर बनाए रखना है।



सुनवाई के दौरान एनएचएआई के परियोजना निदेशक आनंद कुमार ने विभिन्न निर्माण कार्यों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट अदालत में पेश की। रिपोर्ट के अनुसार, चक्की मोड़ पर 260 मीटर लंबे वायाडक्ट के निर्माण के लिए अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर होना बाकी है। हालांकि, एक महीने के भीतर निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद जताई गई है। यहां पहाड़ी की ओर ब्रेस्ट वॉल और घाटी की तरफ क्रैश बैरियर लगाए जा चुके हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि कुल 44 स्थानों में से 38 पर काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष छह स्थानों पर स्थानीय निवासियों की ओर से उत्पन्न बाधाओं के कारण काम प्रभावित हुआ है। समर हॉल के पास बेरखास गांव में रिटेनिंग वॉल का पुनर्निर्माण कर दिया गया है। स्थायी बहाली के लिए वायाडक्ट निर्माण के टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। इनकी तकनीकी जांच पूरी हो चुकी है, जबकि वित्तीय मूल्यांकन जारी है।

अपोलो टायर शोरूम के पास बन रहे मुख्य पुल का 54 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसे अप्रैल 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं, कंडाघाट में ठेकेदार के साथ विवाद सुलझने और 22 सितंबर 2026 को समझौता होने के बाद आरओबी-कम-वायाडक्ट का निर्माण दोबारा शुरू हो गया है। इस कार्य को सितंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। हाई कोर्ट ने एनएचएआई के हलफनामे में स्टोन क्रशर को नवंबर 2026 तक हटाने के पुराने आश्वासन पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। अदालत ने डिवेंचर होटल के पास फोरलेन निर्माण की समयसीमा स्पष्ट नहीं होने पर भी सवाल उठाए। खंडपीठ ने इन सभी बिंदुओं पर एनएचएआई और राज्य सरकार से ताजा प्रगति रिपोर्ट मांगी है। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर 2026 को होगी।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने वरिष्ठ पत्रकार रमेश वर्मा के निधन पर जताया शोक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वरिष्ठ पत्रकार रमेश वर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। रमेश वर्मा का बुधवार सुबह शिमला के पंथाघाटी में निधन हो गया। वह 58 वर्ष के थे। उनके निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि रमेश वर्मा ने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देते हुए सदैव नैतिक मूल्यों और पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखा। अपने कार्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता समाज को जागरूक करने और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रमेश वर्मा ने अपने कार्यकाल के दौरान इस जिम्मेदारी का निर्वहन किया।

OFFICE OF THE BLOCK DEVELOPMENT OFFICER
DEVELOPMENT BLOCK BAIJNATH, DISTRICT KANGRA (H.P.)
No. DBB/WDC-PMKSY-2.0/2026-27/ 16513 Dated: 28-10-2026

NOTICE INVITING QUOTATION (NIQ)

Subject: Invitation of quotations for supply, construction and complete installation of modular steel water storage tanks under WDC-PMKSY 2.0 in Gram Panchayats of Development Block Baijnath, District Kangra (H.P.). Sealed quotations are invited from eligible government-approved/registered contractors or firms having relevant experience for the supply, construction and complete installation of modular steel water storage tanks of the following capacities:

Sr. No.	Tank capacity	Rate (₹)	Rate per liter (₹)
1	8,000 liters		
2	10,000 liters		
3	12,000 liters		
4	15,000 liters		
5	20,000 liters		
6	25,000 liters		

***Terms and Conditions*- 1.** The bidder shall submit valid registration documents, PAN, GST registration (where applicable) and other relevant statutory documents. **2.** Details of similar works executed, previous work orders/award letters and completion/performance certificates shall be submitted with the quotation. **3.** A documentary guarantee from the manufacturer/authorised supplier for 10-year leakage-proof/watertightness shall be mandatory. **4.** Leakage-proof testing shall be conducted in the presence of the competent authority. Acceptance shall be subject to satisfactory testing and verification. **5.** Material Tes: Certificates for all materials used in fabrication, construction and install


सुहागनों के पावन पर्व
करवाचौथ
की हार्दिक
शुभकामनाएं
Happy
Karwa
Chauth
VITUL GUPTA
&
NIDHI GUPTA
VIJAY THAKUR
&
ANJU THAKUR
DR. PUSHPINDER VERMA
&
DR. MANI VERMA
ADVOCATE
ROHIT SHARMA &
SUCHI SHARMA
ASHWANI JAMWAL &
SWATI JAMWAL
(EXPOSE GARMENT'S, HAMIRPUR)

न्यूज शॉर्ट्स

प्रॉपर्टी सौदे में 30 लाख की धोखाधड़ी, केस दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। शिवपुरी इलाके में प्रॉपर्टी का सौदा करने के बाद रजिस्ट्री से मुकरने और लाखों रुपये हड़पने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता चरणदीप सिंह निवासी न्यू मॉडल टाउन ने बताया कि उसने मास्टर कॉलोनी में 101 वर्ग गज की तीन मंजिला इमारत 55 लाख रुपये में खरीदने का सौदा 17 मार्च 2026 को दविन्द्र सिंह के साथ तय किया था। उसी दिन उसने 30.50 लाख रुपये बयाने के रूप में दिए। शेष राशि रजिस्ट्री के समय चुकानी थी, लेकिन आरोपी ने रजिस्ट्री करवाने से इनकार कर दिया।

लुधियाना निगम कर्मचारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। नगर निगम में विजिलेंस टीम ने कार्रवाई करते हुए जोन-बी में तैनात शुभम नामक कर्मचारी को कथित तौर पर 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, रिश्वत की रकम प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़े काम के बदले मांगी गई थी। बताया जा रहा है कि आरोपी मूल रूप से क्लर्क है और उसे इंस्पेक्टर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस टीम उसे अपने साथ ले गई। कार्रवाई की सूचना मिलते ही नगर निगम में हलचल मच गई और इसका असर चारों जोनों में देखा गया। फिलहाल मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

राहगीर के साहस से नाकाम हुई लूट, बदमाश फरार

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। शक्ति नगर इलाके में सोमवार सुबह तीन हथियारबंद युवकों ने एक राहगीर को घेरकर लूटने की कोशिश की। राहगीर ने हिम्मत दिखाते हुए बदमाशों का विरोध किया और उनसे भिड़ गया। उसके प्रतिरोध से घबराए आरोपी अपना हथियार मौके पर छोड़कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हथियार कब्जे में लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

पंजाब चुनाव से पहले कांग्रेस में बड़े उलटफेर के संकेत

राहुल गांधी की रैली से पहले फतेहजंग बाजवा और राणा इंदर प्रताप की वापसी पर अटकलें तेज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 से पहले कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने और दूसरे दलों में शामिल हो चुके नेताओं की घर वापसी की संभावनाएं तलाशने की कवायद तेज कर दी है। चार नवंबर को संगरूर में राहुल गांधी की प्रस्तावित रैली से पहले पार्टी में चल रही इन कोशिशों ने प्रदेश की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। पार्टी से जुड़े पदाधिकारियों के अनुसार, रैली से पहले या उसके दौरान कुछ नेताओं की कांग्रेस में वापसी हो सकती है। हालांकि, अभी तक किसी भी नेता के नाम पर आधिकारिक मुहर नहीं लगी है।

इस सिलसिले में भाजपा में शामिल हुए माझा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस विधायक फतेहजंग बाजवा की घर वापसी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। उन्होंने सोमवार शाम चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। इस दौरान पंजाब कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। हालांकि, बैठक में क्या बातचीत हुई और कांग्रेस में वापसी को लेकर कोई सहमति बनी या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

फतेहजंग बाजवा की संभावित वापसी इसलिए भी राजनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है, क्योंकि वह विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के भाई हैं। ऐसे में यदि वह कांग्रेस में लौटते हैं तो विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के सामने चुनौती खड़ी हो सकती है। एक ही परिवार के दो सदस्यों को टिकट देने के सवाल पर भी संगठन को विचार करना पड़ सकता है। हालांकि, इस संबंध में पार्टी की ओर से अभी कोई निर्णय सामने नहीं आया है।



राहुल गांधी के पंजाब दौरे की पुरानी तस्वीर।

राणा इंदर प्रताप सिंह की वापसी पर भी चर्चा : कांग्रेस में वापसी को लेकर चर्चाओं के केंद्र में सुल्तानपुर लोधी के निर्दलीय विधायक राणा इंदर प्रताप सिंह का नाम भी शामिल है। वह कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक राणा गुरजीत सिंह के बेटे हैं। राणा गुरजीत सिंह ने कहा है कि उनके बेटे के कांग्रेस में शामिल होने का फैसला उनकी चुनावी संभावनाओं को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। उन्होंने भाजपा में जाने की चर्चाओं को भी खारिज किया है। ऐसे में राणा इंदर प्रताप सिंह की संभावित वापसी को लेकर राजनीतिक गतिविधियों पर नजर बनी हुई है।

जीतने की क्षमता होगी टिकट का आधार

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के चयन के दौरान जीतने की क्षमता को प्राथमिकता दी जाएगी। पार्टी का जोर संगठन को मजबूत करने, प्रभावशाली नेताओं को साथ जोड़ने और चुनावी तैयारियों को गति देने पर है। राहुल गांधी की संगरूर रैली को इसी रणनीति के अहम हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। संभावित वापसी के मामलों में अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व के स्तर पर होने की संभावना है।

अकाली दल के दो नेता कांग्रेस में शामिल : इससे पहले सोमवार को कांग्रेस भवन में राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट की मौजूदगी में शिरोमणि अकाली दल के दो नेता कांग्रेस में शामिल हुए। इनमें फिरोजपुर से चुनाव लड़ चुके मिंटू वोहरा और पूर्व विधायक सुखदर्शन सिंह मराड़ शामिल हैं। कांग्रेस विधायक परगट सिंह ने कहा कि दोनों नेताओं ने पार्टी की नीतियों और विचारधारा में विश्वास जताते हुए कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया है। चुनाव से पहले दूसरे दलों के नेताओं को जोड़ने की इस कवायद को पंजाब में कांग्रेस की संगठनात्मक मजबूती और राजनीतिक आधार बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

पंजाब में एशियाई हॉकी चैंपियनशिप का आगाज, विश्व कप की मेजबानी पर नजर

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। पंजाब ने बुधवार को पहली बार एशियाई हॉकी चैंपियनशिप की मेजबानी कर अपनी समृद्ध खेल विरासत में नया अध्याय जोड़ा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में 'हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब-2026' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की मेजबानी पंजाब के लिए ऐतिहासिक क्षण है। इससे राज्य की हॉकी परंपरा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिलेगी और स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी धरती पर अंतरराष्ट्रीय टीमों को खेलते देखने का अवसर मिलेगा।

चैंपियनशिप में बांग्लादेश, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और भारत की टीमें हिस्सा ले रही हैं। मुख्यमंत्री ने टीमों का स्वागत करते हुए उनके कप्तानों को सम्मानित किया। टूर्नामेंट के सभी लीग मुकाबले जालंधर में खेले जाएंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल मोहाली में आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब और हॉकी का रिश्ता बेहद पुराना है। राज्य ने भारतीय हॉकी को कई ओलंपियन और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1928 के एम्स्टर्डम ओलंपिक से लेकर 2024 के पेरिस ओलंपिक तक पंजाब के 77 खिलाड़ी भारतीय हॉकी में ओलंपियन के रूप में योगदान दे चुके हैं। इनमें से 48 खिलाड़ियों ने ओलंपिक पदक जीते हैं। उन्होंने बलबीर सिंह सीनियर, ऊधम सिंह, पृथिपाल सिंह, अजीत पाल सिंह, सुरजीत सिंह और परगट सिंह जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की उपलब्धियों को भी याद किया।

मान ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक 2021 और पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने में पंजाब के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि वर्तमान भारतीय टीम में भी पंजाब के आठ खिलाड़ी शामिल हैं।



पंजाब की हॉकी विरासत को मिलेगा नया मंच, 2030 विश्व कप आयोजन की दिशा में बढ़े कदम

◆ मुख्यमंत्री मान ने जालंधर में किया उद्घाटन, मोहाली में होंगे सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार, जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर काम कर रही है। जालंधर के संसारपुर, खुसरोपुर और मिट्ठापुर जैसे गांवों ने कई पीढ़ियों तक हॉकी खिलाड़ियों को तैयार किया है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में हॉकी केवल खेल नहीं, बल्कि परंपरा का हिस्सा है। ओलंपियन सुरजीत सिंह के नाम पर बने स्टेडियम में उनकी प्रतिमा भी स्थापित की गई है। यहां पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स सेंटर में 102 और खेलो इंडिया सेंटर में 33 हॉकी खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं।

मानसा में सिख प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई से जत्थेदार गड़गज्ज नाराज, कार्रवाई की मांग

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सिखों पर पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की पगड़ियों और कक्कारों की कथित बेअदबी पर रोष जताते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि सिखों की धार्मिक मर्यादा और प्रतीकों का सम्मान किया जाना चाहिए तथा कानून लागू करने वाली एजेंसियों को अपने व्यवहार में संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। जत्थेदार गड़गज्ज ने कहा कि पंजाब में नशे की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। इसे रोकना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि नशे की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के बजाय नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों पर कार्रवाई करना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यवहार से लोगों की चिंताएं और बढ़ती हैं। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली घटनाओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने पंजाब के लोगों और इंसाफ पसंद संस्थाओं से मानसा में चल रहे मोर्चे में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि गांव भम्मे कलां के युवक दलजीत सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

पंजाब में 2 नवंबर से बदलेगा स्कूलों का समय, सुबह नौ बजे खुलेंगे सभी विद्यालय

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में सर्दियों के मौसम को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग ने स्कूलों के समय में बदलाव करने का निर्णय लिया है। नए आदेश के अनुसार, राज्य के सभी सरकारी, निजी, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त स्कूलों में दो नवंबर से नया समय लागू होगा। इसके तहत सभी स्कूल सुबह नौ बजे खुलेंगे। यह व्यवस्था 28 फरवरी तक लागू रहेगी। इसके बाद एक मार्च से स्कूलों के समय में दोबारा बदलाव किया जाएगा।

शिक्षा विभाग के नए समय-सारिणी के अनुसार, प्राथमिक विद्यालयों में सुबह नौ बजे से कक्षाएं शुरू होंगी और दोपहर तीन बजे छुट्टी होगी। वहीं, मिडिल, हाई और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में सुबह नौ बजे से पढ़ाई शुरू होगी और दोपहर 3:20 बजे छुट्टी होगी। इस बदलाव का उद्देश्य ठंड के मौसम में विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्कूलों के संचालन को व्यवस्थित करना है। राज्य के 19 हजार से अधिक स्कूलों में यह व्यवस्था लागू होगी।पंजाब में मौसम की



परिस्थितियों के अनुसार शैक्षणिक सत्र के दौरान स्कूलों के समय में तीन बार बदलाव किया जाता है। पहली अप्रैल से 30 सितंबर तक स्कूल सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक संचालित होते हैं। इसके बाद एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक प्राथमिक विद्यालयों का समय सुबह 8:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक रहता है। वहीं, मिडिल से सीनियर सेकेंडरी तक के स्कूल सुबह 8:30 बजे से दोपहर 2:50 बजे तक चलते हैं। अब दो नवंबर से सर्दियों के लिए निर्धारित नई समय-सारिणी लागू होने के बाद विद्यार्थियों को सुबह पहले की तुलना में देर से स्कूल पहुंचना होगा।

करतारपुर कॉरिडोर खोलने की पंजाब विधानसभा में मांग

धार्मिक आस्था का सम्मान करे केंद्र, करतारपुर साहिब तक निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने की मांग

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार से श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को दोबारा खोलने और इसे लगातार खुला रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सिख संगत को पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब में माथा टेकने के लिए सुरक्षित, सुगम और निर्बाध सुविधा मिलनी चाहिए। धार्मिक भावनाओं को राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए और श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक इच्छाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

इस संबंध में पंजाब विधानसभा में शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने प्रस्ताव पेश किया, जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। प्रस्ताव में कहा गया कि करतारपुर कॉरिडोर केवल भारत और पाकिस्तान के बीच आवागमन का मार्ग नहीं है, बल्कि यह दुनिया भर में बसे लाखों सिख श्रद्धालुओं की



आस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय संबंधों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

प्रस्ताव के माध्यम से केंद्र सरकार से आग्रह किया गया कि तीर्थयात्रा की प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए और पाकिस्तान सरकार के साथ बातचीत कर श्रद्धालुओं की यात्रा को सुचारू बनाया जाए। इससे संगत को करतारपुर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब तक सुरक्षित और निर्बाध पहुंच मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉरिडोर से संबंधित पाबंदियां और रुकावटें दुनिया भर में बसे सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को प्रभावित करती हैं। इसलिए इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ विचार किया जाना चाहिए।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि श्री करतारपुर साहिब सिख धर्म के मूल सिद्धांतों 'किरत करो, नाम जपो ते वंड छको' का प्रतीक है। यह कॉरिडोर केवल एक रास्ता नहीं, बल्कि ऐसा आध्यात्मिक पुल है, जो श्रद्धालुओं को उस पवित्र धरती से जोड़ता है, जहां गुरु साहिब ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय बिताया था। विधानसभा में प्रस्ताव पारित होने के बाद अब केंद्र सरकार से इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई है।

'मानसा चलो' आह्वान पर पुलिस सख्त, अकाली दल वारिस पंजाब के कई नेता किए गए नजरबंद

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर/फतेहगढ़ साहिब। मानसा में मंगलवार को हुए लाठीचार्ज के बाद अकाली दल वारिस पंजाब के 'मानसा चलो' आह्वान को लेकर पुलिस और प्रशासन सतर्क हो गया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने मंगलवार देर रात और बुधवार तड़के कार्रवाई करते हुए पार्टी के कई नेताओं को उनके घरों में नजरबंद कर दिया। पुलिस का उद्देश्य नेताओं और समर्थकों को मानसा पहुंचने से रोकना बताया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, पार्टी के जिला उपाध्यक्ष नवदीप तान, कोर कमेटी के पूर्व सदस्य हरप्रीत सिंह भंगू और वरिष्ठ नेता लखबीर सिंह सौंटी को उनके घरों में रोक दिया गया। उनके आवास के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि वे मानसा के लिए रवाना न हो सकें।

पार्टी के जिला प्रधान लखबीर सिंह कोटला ने बताया कि पुलिस मंगलवार शाम उनके घर भी पहुंची थी, लेकिन उस समय वह मौजूद नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने तथा एकत्र होने के लोकतांत्रिक अधिकारों को दबा रहे हैं। वहीं, पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी शमशेर सिंह पधरी को बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे अमृतसर स्थित उनके आवास पर नजरबंद किया गया। पार्टी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की संदिग्ध मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर चल रहे मोर्चे में शामिल होने के लिए मानसा जाने की तैयारी कर रहे थे।

◆ मानसा में इंसाफ मोर्चे को लेकर हलचल तेज, अमृतसर सहित कई जिलों में पुलिस की सख्ती बढ़ी



मानसा कूच से पहले नवदीप तान और शमशेर पधरी नजरबंद

पंजाब चुनाव के लिए आयोग ने कसी कमर, ईवीएम जांच शुरू

◆ 12 नवंबर से पंजाब में ईवीएम-वीवीपैट की जांच निर्वाचन आयोग ने अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर निर्वाचन आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भारतीय निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के प्रतिनिधियों ने सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) की जांच प्रक्रिया सहित चुनाव संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों को ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) से संबंधित तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण भी दिया गया।



ये प्रतीकात्मक तस्वीर है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब के कार्यालय के अनुसार, राज्य के विभिन्न जिलों में 12 नवंबर से ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच शुरू होगी। यह प्रक्रिया जिला निर्वाचन अधिकारियों की निगरानी में निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी की जाएगी। जांच के दौरान पारदर्शिता और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

अधिकारियों और कर्मचारियों को मिला तकनीकी प्रशिक्षण

प्रशिक्षण कार्यशाला में बीईएल के विशेषज्ञ इंजीनियरों ने अधिकारियों और कर्मचारियों को ईवीएम तथा वीवीपैट की जांच से जुड़ी तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही व्यावहारिक प्रशिक्षण, मूल्यांकन और अधिकारियों की शंकाओं के समाधान के लिए अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए।

प्रवर्तन एजेंसियों के कामकाज की भी समीक्षा

एफएलसी कार्यशाला के बाद भारतीय निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्तों, महानिदेशकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी तथा केंद्रीय और राज्य प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इसमें आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और विभिन्न एजेंसियों की भूमिका पर चर्चा की गई। बैठक में चुनावी प्रक्रिया के दौरान एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। आयोग का उद्देश्य चुनाव संबंधी सभी व्यवस्थाओं को समय रहते तैयार करना है, ताकि मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न कराई जा सके। पंजाब में विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए ईवीएम-वीवीपैट की जांच और अधिकारियों का प्रशिक्षण चुनावी प्रक्रिया की शुरुआती तैयारियों में महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से मशीनों की जांच निर्धारित मानकों के अनुरूप करने और चुनाव प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को समय रहते तैयार करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

लुधियाना कोर्ट परिसर में हवालाती की जेब से अफीम बरामद

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। अदालत में पेशी के दौरान कोर्ट परिसर में मौजूद भीड़ का फायदा उठाकर एक युवक ने हवालाती की जेब में अफीम की थैली डाल दी। पुलिस मुलाजिम को शक होने पर हवालाती की तलाशी ली गई तो उसकी पैंट की जेब से सात ग्राम अफीम बरामद हुई। मामले में पुलिस ने हवालाती के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, उसकी जेब में अफीम डालने वाले युवक की भी पहचान कर ली गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना सदर रायकोट में तैनात पुलिस मुलाजिम हरविंद्र सिंह हवालाती प्रिंस निवासी करनैल गेट, जगराओं को पेशी के लिए लुधियाना अदालत लेकर पहुंचे थे। मंगलवार सुबह प्रिंस को न्यायाधीश प्रीति सुखीजा की अदालत में पेश किया गया। पेशी के बाद जब पुलिस टीम हवालाती को लेकर अदालत से बाहर निकली तो परिसर में काफी भीड़ थी। इसी दौरान एक युवक ने मौके का फायदा उठाकर प्रिंस की पैंट की जेब में अफीम की थैली डाल दी और वहां से निकल गया। पुलिस मुलाजिम हरविंद्र सिंह को हवालाती की गतिविधियों पर शक हुआ। उन्होंने प्रिंस की तलाशी ली तो उसकी बाईं जेब से अफीम बरामद हुई। इसके बाद उन्होंने कोर्ट कांप्लेक्स चौकी के प्रभारी मलकीत सिंह को घटना की जानकारी दी। चौकी प्रभारी मलकीत सिंह ने बताया कि हरविंद्र सिंह के बयान के आधार पर प्रिंस के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया कि प्रिंस नशे का आदी है और उसके खिलाफ पहले से ही थाना सदर रायकोट में नशा तस्करी तथा अवैध हथियार रखने के आरोप में मामला दर्ज है।

दो दिनों में पंजाब के दो गुरुद्वारों पर फायरिंग, सुरक्षा को लेकर चिंता



◆ पंजाब में धार्मिक स्थलों पर फायरिंग से बढ़ी चिंता, पुलिस जांच में जुटी

भारतेंदु संवाददाता, जगराओं (लुधियाना)। पंजाब के जगराओं क्षेत्र में दो दिनों के भीतर दो गुरुद्वारों पर फायरिंग की घटनाओं से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात गांव गगड़ा के नजदीक गुरुद्वारा गोपाल सर साहिब में गोलीबारी हुई थी। इसके बाद बुधवार तड़के रायकोट क्षेत्र के गांव राजोआणा कलां स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा मंजी साहिब में नकाबपोश हमलावरों ने गोलियां चलाईं। लगातार सामने आईं इन घटनाओं से धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, बुधवार तड़के करीब तीन बजे दो नकाबपोश व्यक्ति बाइक पर गुरुद्वारा मंजी साहिब पहुंचे। उन्होंने अपनी बाइक मोड़ के पास छिपाई और गुरुद्वारा परिसर में दाखिल हो गए। इसके बाद उन्होंने गुरुद्वारा प्रबंधक बाबा बलदेव सिंह के कमरे को निशाना बनाते हुए कई राउंड फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। घटना के समय परिसर में कुछ श्रद्धालुओं और अन्य लोगों की मौजूदगी की भी जानकारी सामने आई है। राहत की बात यह रही कि गोलीबारी में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

बताया जा रहा है कि फायरिंग के समय गुरुद्वारा मंजी साहिब के मुख्य प्रबंधक बाबा बलदेव सिंह स्नान करने गए हुए थे। इस कारण वह अपने कमरे में मौजूद नहीं थे। हमलावरों ने उनके कमरे को निशाना बनाया, लेकिन उनकी जान बच गई। गोलीबारी से परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

घटना की सूचना मिलने पर लुधियाना ग्रामीण पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच में एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता, एसपी (डी) राजन शर्मा सहित पुलिस अधिकारियों, फॉरेंसिक विशेषज्ञों और साइबर अपराध टीम के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ हमलावरों की पहचान करने और वारदात के कारणों का पता लगाने में लगी है।

पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल, मुख्य सचिव और डीजीपी से दो सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

दलजीत सिंह मौत मामले में मानवाधिकार आयोग का पंजाब सरकार को नोटिस

भारतेंदु संवाददाता, मानसा। पंजाब के मानसा में दलजीत सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत और उनके शव को लेकर हुए विवाद के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने संज्ञान लिया है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर लगाए गए आरोपों पर आयोग ने पंजाब के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और केंद्रीय गृह मंत्रालय को नोटिस जारी किया है। आयोग ने संबंधित अधिकारियों से दो सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करने को कहा है।

मामले में शिकायतकर्ता हरमंदीप सिंह मेहता ने आयोग के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। शिकायत के अनुसार, मानसा जिले के भामे कलां गांव के निवासी दलजीत सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनकी मौत के कारणों और नशे से संभावित संबंध को लेकर परिवार ने सवाल उठाए थे। इसके बाद परिवार और उनके समर्थक शव को लेकर



मानसा में प्रदर्शन करने जा रहे थे।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब परिवार और समर्थक शव के साथ आगे बढ़ रहे थे, तो पुलिस ने रामदित्तेवाला चौक के पास उनका रास्ता रोक दिया। आरोप के मुताबिक, इस दौरान पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया, जिसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई। शिकायत में पुलिस पर प्रदर्शनकारियों के साथ बल प्रयोग करने और कुछ लोगों को हिरासत में लेने के आरोप भी लगाए गए हैं। इस घटनाक्रम को लेकर पुलिस की भूमिका और प्रदर्शनकारियों के साथ किए गए व्यवहार पर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की जांच और संबंधित कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना अभी बाकी है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की ओर से नोटिस जारी किए जाने के बाद अब पंजाब के मुख्य सचिव, डीजीपी और केंद्रीय गृह मंत्रालय को मामले में उठाए गए सवालों पर जवाब देना होगा। उन्हें निर्धारित समयसीमा के भीतर अपनी कार्रवाई का विवरण आयोग के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। आयोग की इस पहल से मामले में पुलिस कार्रवाई और मानवाधिकारों से जुड़े पहलुओं की समीक्षा का रास्ता खुला है। अब संबंधित अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मजीठिया मामले में भाई, साले समेत कई लोगों पर विजिलेंस की चार्जशीट

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। आय से अधिक संपत्ति के मामले में पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया से जुड़े मामले में कार्रवाई तेज कर दी है। विजिलेंस ने मजीठिया के भाई गुरमेहर सिंह, साले गज्जपत सिंह ग्रेवाल, हरप्रीत गुलाटी, अमरदीप सिंह और 10 कंपनियों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। इस कार्रवाई के बाद मामले में कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ गई है।

इससे पहले विजिलेंस ब्यूरो बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ 40 पन्नों की चार्जशीट अदालत में दाखिल कर चुका है। अब अन्य लोगों और कंपनियों के खिलाफ दाखिल की गई चार्जशीट के बाद इस मामले से संबंधित दस्तावेजों की कुल संख्या लगभग 53 हजार पन्नों तक पहुंच गई है।

मामले में दस्तावेजों की इतनी बड़ी संख्या चर्चा का विषय बनी हुई है। जांच से जुड़े दस्तावेजों और आरोपों के आधार पर अदालत में आगे की कानूनी कार्यवाही होगी। चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद संबंधित पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा और अदालत उपलब्ध तथ्यों तथा साक्ष्यों के आधार पर मामले पर विचार करेगी।

आय से अधिक संपत्ति के इस मामले में विजिलेंस की कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, चार्जशीट दाखिल होना अपने आप में आरोपों का दोष सिद्ध होना नहीं है। मामले में अंतिम निर्णय अदालत द्वारा साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर लिया जाएगा। फिलहाल, इस कार्रवाई के बाद मामले से जुड़े राजनीतिक और कानूनी हलकों में चर्चा तेज होने की संभावना है।

न्यूज ब्रीफ

बारामूला में झेलम नदी में डूबने से दो की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, बारामूला। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के रफियाबाद क्षेत्र के दचनपारा में रेत निकालते समय झेलम नदी में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात की है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, दोनों व्यक्ति नाव से रेत निकाल रहे थे, तभी अचानक नदी में गिर गए। रातभर उनके शव पानी में रहे। बुधवार सुबह दोनों के शव नदी से बाहर निकाले गए। मृतकों की पहचान दचनपारा निवासी जावेद अहमद मीर (28) और मोहम्मद अनीस मलिक (29) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

कश्मीर पहुंचे अभिनेता अजय देवगन, सोनमर्ग में हुआ शानदार स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन कश्मीर पहुंचे हैं। सोनमर्ग स्थित सिंध रिसॉर्ट्स में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। अभिनेता फिल्म 'सिंघम' में बाजीराव सिंघम की भूमिका निभाकर काफी लोकप्रिय हुए हैं। रिसॉर्ट ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अजय देवगन की मेजबानी करने पर खुशी जताई। पोस्ट में कहा गया कि कुछ पल किसी के ठहरने के अनुभव को यादगार बना देते हैं। इससे पहले अजय देवगन को लद्दाख के कारगिल क्षेत्र के काकसर में देखा गया था। वहां वह अपनी आगामी फिल्म 'चौहान' की शूटिंग कर रहे थे। इस दौरान वह सेना की वर्दी में नजर आए थे।

रामबन में ट्रक हादसे में हिमाचल निवासी चालक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, रामबन। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में त्रिशूल मोड़ के पास मंगलवार को सड़क दुर्घटना में ट्रक चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले की हरोली तहसील के बाथू गांव निवासी सुचा सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, ट्रक-कैंटर संख्या पीबीई08ईएफ 7864 जम्मू से श्रीनगर की ओर जा रहा था। इसी दौरान त्रिशूल मोड़ पर शान पैलेस के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शव को चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए रामबन जिला अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

रामबन में आवास पर मृत मिले बीडीओ, जांच शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, रामबन। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के संगलदान इलाके में बुधवार को एक ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) अपने आवास पर मृत पाए गए। अधिकारी के अनुसार, बीडीओ अपने आवास पर बेहोशी की हालत में मिले थे। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहां आवश्यक चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने की प्रक्रिया शुरू की गई। घटना के बाद संबंधित अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और अधिकारी की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फिलहाल मृत्यु के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

डोगरा सर्टिफिकेट की मांग पर जम्मू में प्रदर्शन तेज़

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। डोगरा सर्टिफिकेट की मांग को लेकर जम्मू में तवी पुल के पास महाराजा हरि सिंह की प्रतिमा के निकट प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने इसे डोगरा समाज की पहचान और युवाओं के अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताया। सन्नी कांत चिब ने कहा कि डोगरा समाज का इतिहास वीरता और बलिदान से भरा है तथा युवाओं ने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदायों से राजनीतिक मतभेद भुलाकर एकजुट होने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व सरकारों पर डोगरा पहचान की अनदेखी का आरोप लगाते हुए मौजूदा सरकार से मांग पर स्पष्ट रुख अपनाने को कहा।

न्यूट्रास्यूटिकल उत्पादों के 41 प्रतिशत सैंपल गुणवत्ता जांच में फेल

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों में न्यूट्रास्यूटिकल उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा जांच के लिए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान 168 स्थानों पर निरीक्षण कर 146 सैंपल लिए गए। जांच में लेबलिंग से जुड़े सात उल्लंघन सामने आए, जिन पर कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की गई है। विभाग के अनुसार, पिछले छह महीनों में जांचे गए 328 सैंपलों में से 136 तय मानकों पर खरे नहीं उतरे। यानी 41.46 प्रतिशत सैंपल गैर-अनुरूप पाए गए। प्रशासन ने गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अभियान तेज करते हुए खाद्य कारोबारियों को निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस में नाराजगी लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा : सकिना इट्टू

पार्टी में मतभेदों को लेकर मंत्री का बयान, विपक्ष पर राजनीतिक मुद्दा बनाने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर में कैबिनेट विस्तार के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर नाराजगी की चर्चाओं के बीच स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री सकिना इट्टू ने बुधवार को पार्टी का बचाव किया। उन्होंने नेताओं की नाराजगी को सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए कहा कि पार्टी में हर सदस्य को अपनी बात रखने और असहमति जाहिर करने का अधिकार है। उन्होंने इस घटनाक्रम को पार्टी नेतृत्व के लिए संकट मानने से भी इनकार किया।

सकिना इट्टू ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को एक परिवार बताते हुए कहा कि पार्टी के सदस्य आपस में पारिवारिक संबंधों की तरह जुड़े हुए हैं। उनके अनुसार, जिस तरह परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद होने पर सदस्य अपने विचार सामने रखते हैं, उसी तरह राजनीतिक दल में भी नेताओं को अपनी असहमति जाहिर करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। लोकतंत्र में विचारों का अंतर स्वाभाविक है और इसे पार्टी में टूट या गंभीर संकट के तौर पर देखना उचित नहीं है।

मंत्री ने कहा कि कैबिनेट विस्तार के बाद जिन नेताओं ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है, वे अब भी नेशनल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा हैं। उन्होंने संकेत दिया कि किसी निर्णय को लेकर असंतोष जताने का अर्थ यह नहीं है कि संबंधित नेता पार्टी से अलग हो गए हैं या संगठन के नेतृत्व पर उनका भरोसा समाप्त हो गया है। पार्टी के भीतर संवाद और विचार-विमर्श के जरिए ऐसे मतभेदों को दूर किया जा सकता है।

सकिना इट्टू ने अपने बयान में इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक संगठनों में सभी नेताओं की अपेक्षाएं एक जैसी नहीं होतीं। पदों और जिम्मेदारियों को लेकर अलग-अलग विचार सामने आना भी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। ऐसे मामलों को अनावश्यक रूप से विवाद का रूप देने के बजाय पार्टी के भीतर बातचीत के माध्यम से समाधान तलाशना चाहिए। उन्होंने नाराजगी को लेकर उठ रही चर्चाओं को पार्टी के लिए बड़े संकट के रूप में पेश किए जाने पर भी असहमति जताई।

कैबिनेट विस्तार के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज

जम्मू-कश्मीर में कैबिनेट विस्तार के बाद सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर असंतोष को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हुई हैं। मंत्रिमंडल में जिम्मेदारियों और प्रतिनिधित्व को लेकर नेताओं की प्रतिक्रियाओं के बीच विपक्ष भी लगातार सवाल उठा रहा है। ऐसे में सकिना इट्टू का बयान पार्टी के भीतर मतभेदों को सामान्य प्रक्रिया बताने और संगठनात्मक एकजुटता का संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि नाराजगी व्यक्त करने वाले नेताओं को पार्टी से अलग मानना सही नहीं होगा। उनके बयान का मुख्य संदेश यही रहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में मतभेदों को आंतरिक संवाद के जरिए सुलझाया जा सकता है और इस स्थिति को नेतृत्व के संकट के रूप में पेश नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, पार्टी के भीतर उठे असंतोष का आगे क्या असर होगा, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

ईडब्ल्यूएस आवेदन खारिज होने पर इल्तिजा मुफ्ती ने उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर



इल्तिजा मुफ्ती

जम्मू-कश्मीर में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के पात्र छात्रों को प्रमाणपत्र जारी नहीं होने का मुद्दा गरमा गया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने प्रमाणपत्रों के लिए किए गए आवेदनों को कथित तौर पर मामूली कारणों से खारिज किए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इसे योग्य विद्यार्थियों की मेरिट के साथ अन्याय बताते हुए प्रभावित आवेदकों से अपने मामलों का विवरण साझा करने की अपील की है।

इल्तिजा मुफ्ती ने बुधवार को इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्रों से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने में विफल रही है। उनके अनुसार, पात्र छात्रों को प्रमाणपत्र नहीं मिलने से उनकी शैक्षणिक और भविष्य की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं।

पीडीपी नेता ने उन विद्यार्थियों से संपर्क करने को कहा है, जिनके ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्रों के आवेदन अस्वीकार कर दिए गए हैं। उन्होंने प्रभावित आवेदकों से अपने मामलों की जानकारी साझा करने की अपील की, ताकि इस समस्या को सामने लाया जा सके। हालांकि, उन्होंने अपनी पोस्ट में आवेदन खारिज होने के विशिष्ट कारणों या इससे प्रभावित विद्यार्थियों की कुल संख्या का विवरण नहीं दिया।

छात्रों की समस्याओं को लेकर इल्तिजा मुफ्ती की यह हाल के दिनों में दूसरी प्रमुख टिप्पणी है। इससे पहले उन्होंने शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (स्कास्ट) में प्रदर्शन कर रहे फॉरेस्ट्री के विद्यार्थियों से मुलाकात की थी। उस दौरान उन्होंने फॉरेस्ट्री से जुड़े पदों पर भर्ती के नियमों और संबंधित डिग्रीधारकों को मिलने वाले अवसरों पर चिंता जताई थी।

लद्दाख में चुनावी तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों को निर्देश

दुर्गम और बर्फीले इलाकों में मतदान के लिए विशेष इंतजाम होंगे सुनिश्चित

भारतेन्दु संवाददाता, लेह



मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा

लद्दाख के मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने 21 नवंबर को होने वाले पंचायत और नगरपालिका चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की। इन चुनावों के तहत 193 पंचायतों में मतदान होगा, जबकि लेह और करगिल में नगर निकाय चुनाव कराए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया 30 नवंबर तक पूरी करने का लक्ष्य है।

लेह में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में मुख्य सचिव ने चुनाव से जुड़ी व्यवस्थाओं, सुरक्षा और परिवहन सहित विभिन्न तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सभी इंतजाम समय पर पूरे करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस महानिदेशक आनंद जैन, ग्रामीण विकास विभाग की सचिव निधि मलिक, वित्त सचिव त्सेवांग थारचिन और मुख्य निर्वाचन अधिकारी राहुल शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में नामांकन प्रक्रिया, चुनाव सामग्री और मतपेटियों की उपलब्धता, मतदान कर्मियों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण तथा मतदान दलों की तैनाती पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने नामांकन और शिकायतों की नियमित निगरानी करने तथा चुनाव संबंधी रिपोर्ट समय पर जमा कराने के निर्देश दिए।

लद्दाख के दुर्गम और बर्फबारी प्रभावित क्षेत्रों में मतदान की चुनौतियों को देखते हुए विशेष व्यवस्था करने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को संवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान कर वैकल्पिक मार्ग, सड़क से बर्फ हटाने, परिवहन और जरूरत पड़ने पर मतदान दलों को पहले रवाना करने की योजना तैयार करने को कहा गया। साथ ही भोजन, गर्माहट, ठहरने और संचार की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में स्ट्रांग रूम और मतगणना केंद्रों की पहचान, चुनाव सामग्री की सुरक्षा तथा पुलिस के साथ समन्वय की भी समीक्षा हुई। मुख्य सचिव ने कर्मचारियों की तैनाती, प्रशिक्षण, कानून-व्यवस्था और सीमा चौकियों पर तालमेल सहित सभी तैयारियों को समय रहते अंतिम रूप देने पर बल दिया। लद्दाख में पिछली बार पंचायत और नगर निकाय चुनाव वर्ष 2018 में हुए थे। दोनों का कार्यकाल नवंबर 2023 में समाप्त हो गया था।

जल शक्ति और लोक निर्माण विभाग में भर्ती, 29 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन

जेकेएसएसबी में जूनियर इंजीनियर के 458 पदों पर भर्ती, आवेदन नवंबर से शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे सिविल इंजीनियरिंग अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है। जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) ने जूनियर इंजीनियर (सिविल) के 458 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इन पदों पर नियुक्तियां जल शक्ति विभाग और लोक निर्माण विभाग में की जाएंगी। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 30 नवंबर से शुरू होगी, जबकि आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 29 दिसंबर निर्धारित की गई है।

भर्ती अधिसूचना के अनुसार, कुल 458 पदों में से 282 पद जल शक्ति विभाग और 176 पद लोक निर्माण विभाग के सड़क एवं भवन प्रभाग के लिए निर्धारित हैं। चयनित अभ्यर्थियों को पे-लेवल छह के तहत 35,400 रुपये से 1,12,400 रुपये तक वेतन मिलेगा। इच्छुक उम्मीदवारों को आवेदन करने से पहले निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा और अन्य पात्रता शर्तों की जांच करने की सलाह दी गई है।

इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से सिविल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा या सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री होनी चाहिए। अधिसूचना में निर्धारित एएमआइई के सेक्शन ए और बी की योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी भी पात्रता शर्तों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आवेदक के पास जम्मू-कश्मीर का वैध अधिवास प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। यह प्रमाणपत्र आवेदन की अंतिम तारीख तक उपलब्ध होना चाहिए।

आयु की गणना एक जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी। ओपन मेरिट वर्ग के उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष निर्धारित है। निर्धारित आरक्षित वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 43 वर्ष और बेंचमार्क दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 42 वर्ष रखी गई है। अन्य श्रेणियों और पात्रता संबंधी शर्तों के लिए बोर्ड की आधिकारिक अधिसूचना मान्य होगी। जेकेएसएसबी इन पदों पर उम्मीदवारों का चयन वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्नों वाली लिखित परीक्षा अथवा ओएमआर आधारित परीक्षा के माध्यम से करेगा।

सभी विभागों में उन्नत साइबर सुरक्षा सॉफ्टवेयर होंगे स्थापित

जम्मू-कश्मीर सरकार ने साइबर खतरों से निपटने के लिए जारी किए नए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू



जम्मू-कश्मीर सरकार ने बढ़ते साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने और सरकारी डिजिटल प्रणालियों को सुरक्षित बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने सभी सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निगमों में साइबर सुरक्षा व्यवस्था को उन्नत करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत यूनिफाइड एंडपॉइंट मैनेजमेंट (यूईएम) और एंडपॉइंट डिटेक्शन एंड रिस्पॉन्स (ईडीआर) समाधानों के नए और उन्नत संस्करण स्थापित करना अनिवार्य किया गया है।

सरकार की ओर से जारी परिपत्र के अनुसार, इन तकनीकी उपायों का उद्देश्य सरकारी कंप्यूटरों और डिजिटल नेटवर्क को साइबर हमलों, दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों तथा अन्य संभावित खतरों से सुरक्षित रखना है। मौजूदा सॉफ्टवेयर लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के कारण राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) मुख्यालय ने सुरक्षा व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने के लिए इन उन्नत उपकरणों की खरीद की है।

परिपत्र में बताया गया है कि एनआईसी के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की एक विशेष टीम, जिसे 'साइबर वॉरियर्स' नाम दिया गया है, चरणबद्ध तरीके से विभिन्न सरकारी कार्यालयों का दौरा करेगी। यह टीम संबंधित प्रणालियों में आवश्यक सॉफ्टवेयर स्थापित करने के साथ साइबर सुरक्षा संबंधी तकनीकी व्यवस्था को बेहतर बनाने का कार्य करेगी।

सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों से इस प्रक्रिया में पूरा सहयोग देने की अपील की है। संबंधित विभागों को निर्देशों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी, ताकि सॉफ्टवेयर स्थापना का कार्य सुचारु रूप से पूरा हो सके। इस पहल से सरकारी कार्यालयों की डिजिटल सुरक्षा मजबूत होने और साइबर खतरों की पहचान कर समय रहते उनका मुकाबला करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

त्योहारों की रौनक से जगमगाए जम्मू के बाजार, बढ़ी चहल-पहल

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। आगामी त्योहारों को लेकर जम्मू के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। दुकानों और बाजारों को रंग-बिरंगी लाइटों, झालरों और आकर्षक सजावट से सजाया गया है। शाम होते ही रोशनी से जगमगाते बाजार लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। खरीदारी के लिए पहुंच रहे लोगों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। कपड़ों, मिठाइयों, उपहारों, सजावटी सामान और घरेलू जरूरतों की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। दुकानदारों ने भी ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए नए उत्पाद सजाए हैं। कई व्यापारी आकर्षक छूट और विशेष पेशकशों के जरिए ग्राहकों को लुभाने में जुटे हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि त्योहारों के दौरान खरीदारी में तेजी आएगी और कारोबार को लाभ मिलेगा। परिवारों के साथ बाजार पहुंच रहे लोग त्योहारों की तैयारियों के लिए जरूरी सामान खरीद रहे हैं। बच्चों में भी त्योहारों को लेकर उत्साह है।

पुलवामा में सिंचाई संकट से किसान परेशान

लिफ्ट इरिगेशन योजना अटकी, भूजल जांच के बाद बोरवेल पर होगा फैसला

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर



◆पुलवामा के बागवानों की समस्या दूर करने को भूजल जांच जरूरी

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सिंचाई सुविधाओं की कमी से सेब और बादाम की खेती करने वाले किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्रमजीपोरा से रोहमू और रोहमू से नवपोरा-नवगाम तक फैले कंडी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बागवानी होती है, लेकिन पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों ने समस्या के स्थायी समाधान के लिए लिफ्ट इरिगेशन योजना शुरू करने की मांग उठाई है।

स्थानीय किसानों का कहना है कि सिंचाई की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बागों तक पानी पहुंचाना मुश्किल हो रहा है। इससे खेती और बागवानी प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। क्षेत्र में सेब और बादाम की खेती किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। ऐसे में सिंचाई सुविधा का अभाव उनकी आमदनी पर भी असर डाल सकता है। किसानों की मांग है कि सरकार इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करे।

क्षेत्रीय विधायक गुलाम मोही-उद-दीन मीर ने बताया कि वह किसानों की सिंचाई संबंधी समस्या को कई बार सरकार के समक्ष उठा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र मुख्य रूप से सेब और बादाम की खेती के लिए जाना जाता है। यहां बागवानी की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन सिंचाई व्यवस्था की कमी किसानों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। किसानों को राहत देने के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

जल शक्ति विभाग के मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा कि उन्हें क्षेत्र में सिंचाई की समस्या की जानकारी है। हालांकि, उन्होंने फिलहाल लिफ्ट इरिगेशन योजना शुरू करने की संभावना से इनकार किया। मंत्री के अनुसार, अधिकारियों ने बताया है कि रोशनी नाला क्षेत्र से काफी दूर है। ऐसे में वहां से पानी उठाकर खेतों और बागों तक पहुंचाने की योजना को फिलहाल व्यावहारिक नहीं माना जा रहा है। इसके लिए उपयुक्त जल स्रोत की उपलब्धता भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है। मंत्री ने बताया कि सिंचाई संकट दूर करने के लिए बोरवेल और ट्यूबवेल जैसे वैकल्पिक उपायों की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं।

शराबबंदी | **लद्दाख में पूर्ण शराबबंदी की मांग तेज, सरकार सामाजिक और आर्थिक पहलुओं पर करेगी विचार**

लद्दाख में शराबबंदी की मांग तेज, सरकार सभी पक्षों से करेगी चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू



लद्दाख में पूर्ण शराबबंदी की मांग के बीच मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने स्पष्ट किया है कि इस संबंध में कोई भी निर्णय सभी संबंधित पक्षों से चर्चा और सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक पहलुओं के आकलन के बाद लिया जाएगा। मंगलवार को विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में शराब की बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध लगाने की मांग पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान महिला प्रतिनिधियों ने लद्दाख में शराब की बिक्री और सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग उठाई। उन्होंने क्षेत्र में बढ़ते बार लाइसेंस पर चिंता जताते हुए कहा कि शराब का बढ़ता प्रचलन स्थानीय समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने सरकार से इस विषय पर गंभीरता से विचार करने और सामाजिक हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाने की अपील की।

मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने कहा कि शराबबंदी एक महत्वपूर्ण विषय है और इस पर निर्णय लेते समय समाज के विभिन्न वर्गों की चिंताओं को समझना जरूरी है। सरकार का प्रयास ऐसी संतुलित नीति तैयार करना है, जिसमें सामाजिक सरोकारों के साथ पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को भी ध्यान में रखा जाए।

बैठक में आबकारी आयुक्त रोमिल सिंह डोंक के अलावा आल लद्दाख गोम्पा एसोसिएशन, लद्दाख बौद्ध एसोसिएशन, अंजुमन इमामिया लेह, एएलजीएएचए, एएलटीओए और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिनिधियों ने शराबबंदी के मुद्दे पर अपने विचार रखे और क्षेत्र की सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप नीति बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

शराबबंदी के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर चर्चा

मुख्य सचिव ने कहा कि पूर्ण शराबबंदी लागू करने से पहले इसके संभावित परिणामों का आकलन करना आवश्यक है। उन्होंने बिहार और हरियाणा का उदाहरण देते हुए कहा कि शराब पर प्रतिबंध के बाद नकली शराब और अन्य नशीले पदार्थों से जुड़ी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। इसलिए नीति बनाते समय इन संभावनाओं पर भी विचार करना होगा। उन्होंने पर्यटन, रोजगार और स्थानीय कारोबार पर पड़ने वाले प्रभावों को समझने की जरूरत बताई। कुंद्रा ने लद्दाख बौद्ध एसोसिएशन के अध्यक्ष से सभी संबंधित पक्षों की बैठक बुलाकर सहमति बनाने की पहल करने का सुझाव दिया।

◆बार लाइसेंस बढ़ने पर महिलाओं की चिंता, अवैध शराब और पर्यटन पर भी मंथन होगा

बैठक में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल

अधिकारियों ने बताया कि जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए आबकारी नीति 2026-27 वापस ले ली गई है। फिलहाल वर्ष 2025-26 की आबकारी नीति लागू है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष लद्दाख में शराब की दो खुदरा दुकानें संचालित थीं, जबकि इस वर्ष एक दुकान चल रही है। दूसरी ओर, रेस्तरां से संबंधित और खुदरा बिक्री करने वाले बार की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। पहले इनकी संख्या 23 थी, जो 17 नए लाइसेंस जारी होने के बाद बढ़कर 40 हो गई है। बार की संख्या में हुई इस वृद्धि को लेकर भी बैठक में चिंता व्यक्त की गई।

जम्मू-कश्मीर ने वुशू, ताइक्वांडो में जीतीं ट्रॉफियां

दोनों खेलों में 22 पदक जीतकर खिलाड़ियों ने प्रदेश का बढ़ाया गौरव

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर



मुख्यमंत्री उमर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 70वें नेशनल स्कूल गेम्स में वुशू और ताइक्वांडो की ओवरऑल टीम ट्रॉफी जीतने पर जम्मू-कश्मीर की दोनों टीमों को बधाई दी है। गांदरबल स्थित गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में प्रदेश के खिलाड़ियों ने कुल 22 पदक हासिल किए।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता 22 से 26 अक्टूबर तक आयोजित हुई, जिसमें जम्मू-कश्मीर की टीम ने चार स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य सहित कुल 14 पदक जीते। वहीं, 15 से 19 अक्टूबर तक हुई वुशू प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य सहित आठ पदक अपने नाम किए। दोनों खेलों में टीमों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल ट्रॉफी हासिल की।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 15 अक्टूबर को 70वें नेशनल स्कूल गेम्स का उद्घाटन किया था। इस आयोजन में 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1,300 से अधिक युवा खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता ने देशभर की उभरती खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों की उपलब्धि जम्मू-कश्मीर के युवाओं की मेहनत, समर्पण और खेल प्रतिभा को दर्शाती है। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने प्रदेश में खेल सुविधाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और युवाओं को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के अवसर उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

इन खेलों का आयोजन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में जम्मू-कश्मीर के युवा सेवा एवं खेल निदेशालय ने किया। दोनों टीमों की सफलता से प्रदेश के खेल जगत में उत्साह का माहौल है।

आधुनिक जीवनशैली में सेहत और संतुलन की चुनौती

मानव जीवन सृष्टि की सबसे अनमोल रचना है। मानव संसार का सबसे अधिक जागरूक और विवेकशील प्राणी है। धरती पर अपने अस्तित्व के प्रारंभ से आज तक अपनी बुद्धि और जिज्ञासा के बल पर मानव सदैव प्रगति की ओर प्रेरित रहा है। वह चाहे भौतिक प्रगति हो या वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति, निरंतर प्रयासरत है।

आज चिकित्सा विज्ञान ने मानव जीवन को पहले की अपेक्षा अधिक लंबा करने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। अनेक बीमारियों का उपचार संभव हुआ है, जीवन प्रत्याशा बढ़ी है और आधुनिक सुविधाओं ने जीवन को आसान बनाया है। लेकिन इसी विकास के बीच एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने खड़ा है—क्या केवल लंबी उम्र ही अच्छे जीवन की पहचान है?

यदि जीवन के वर्षों में वृद्धि हो रही है, लेकिन उन वर्षों में तनाव, अकेलापन, चिंता, अनिद्रा, मोटापा, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां, मानसिक थकान और सामाजिक दूरी बढ़ रही है, तो हमें जीवन की लंबाई के साथ उसकी गुणवत्ता पर भी विचार करना होगा।

आज मनुष्य के पास समय बचाने वाली मशीनें हैं, लेकिन स्वयं के लिए समय नहीं। संवाद के साधन बढ़े हैं, लेकिन दिल से बातचीत कम हुई है। सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटता जा रहा है। विकास की कीमत पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों चुका रहे हैं। जनसंख्या वृद्धि, अनियोजित शहरीकरण, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन और पर्यावरण का लगातार ह्रास हमारे जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, हरियाली और शांत वातावरण आज कई स्थानों पर दुर्लभ होते जा रहे हैं। स्वस्थ मन के लिए स्वस्थ पर्यावरण आवश्यक है।

आधुनिक जीवन ने हमें यह विश्वास दिला दिया है कि अधिक वस्तुएं, अधिक पैसा और अधिक सुविधाएं ही अधिक सुख का रास्ता हैं। परिणाम यह है कि आवश्यकता और इच्छा के बीच का अंतर लगातार मिटता जा रहा है। एक घर है तो बड़ा घर चाहिए, एक वाहन है तो बेहतर वाहन चाहिए और एक मोबाइल है तो नया मॉडल चाहिए। सोशल मीडिया पर दूसरों की चमकदार जिंदगी देखकर हम अपनी वास्तविक जिंदगी को कमतर समझने लगते हैं। तुलना ने संतोष को और उपभोग ने सरलता को पीछे छोड़ दिया है।



विक्रम वर्मा
जिला चंबा, हिमाचल प्रदेश

हमारे भोजन में प्राकृतिकता कम और प्रसंस्कृत वस्तुओं की मात्रा अधिक होती जा रही है। शारीरिक गतिविधि घट रही है, स्क्रीन का समय बढ़ रहा है और देर रात तक जागना जीवन की प्राकृतिक लय को प्रभावित कर रहा है। हमारा शरीर प्रकृति का हिस्सा है, लेकिन हमारी जीवनशैली प्रकृति की लय से दूर होती जा रही है।

आधुनिक कार्य-संस्कृति की सबसे बड़ी चुनौती काम का कभी समाप्त न होने वाला दबाव है। लक्ष्य, समय-सीमा, प्रतिस्पर्धा और लगातार बेहतर प्रदर्शन करने की अपेक्षा व्यक्ति को मानसिक रूप से थका देती है। काम के घंटे समाप्त हो जाते हैं, लेकिन काम दिमाग में चलता रहता है। यह स्थिति चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या, चिंता और पारिवारिक संबंधों में तनाव का कारण बन सकती है। हमें समझना होगा कि कर्मठता और लगातार तनाव में रहना एक ही बात नहीं है।

मानसिक स्वास्थ्य भी स्वास्थ्य है। हम शारीरिक बीमारी होने पर डॉक्टर के पास जाते हैं, लेकिन मानसिक थकान को अक्सर कमजोरी समझ लेते हैं। चिंता, लगातार उदासी, अत्यधिक भय, चिड़चिड़ापन और अनिद्रा संकेत हैं कि मन को ध्यान और विश्राम की आवश्यकता है। हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं और हर परिस्थिति पर प्रतिक्रिया करना भी जरूरी नहीं।



एआई निर्मित चित्र।

सुख यह सीखने में है कि समस्याओं के बीच भी मन को संतुलित कैसे रखा जाए। परिवार के साथ बैठकर भोजन करना, प्रकृति के बीच समय बिताना, किसी जरूरतमंद की सहायता करना, पर्याप्त नींद लेना, शरीर को सक्रिय रखना और अपने भीतर कुछ समय शांत बैठना जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बच्चे, युवा और बड़े सभी होते जा रहे हैं फास्ट फूड के आदी

आज का आधुनिक जीवन तेज रफ्तार, व्यस्तता और बदलती जीवनशैली का प्रतीक बन चुका है। समय की कमी और स्वाद की बढ़ती चाहत ने लोगों को फास्ट फूड की ओर तेजी से आकर्षित किया है।

कभी-कभार स्वाद बदलने के लिए खाया जाने वाला फास्ट फूड अब बच्चों, युवाओं और बड़ों की रोजमर्रा की आदत बनता जा रहा है। पिज्जा, बर्गर, नूडल्स, फ्रेंच फ्राइज़, मोमोज, कोल्ड ड्रिंक्स और पैकेटबंद स्नैक्स आज लगभग हर उम्र के लोगों की पसंद बन चुके हैं लेकिन स्वाद के पीछे छिपा यह आकर्षण धीरे-धीरे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे का रूप लेता जा रहा है।

सबसे अधिक प्रभाव बच्चों पर दिखाई देता है। रंग-बिरंगे विज्ञापन, आकर्षक पैकेजिंग और खिलौनों के साथ मिलने वाले खाद्य पदार्थ बच्चों को आसानी से लुभा लेते हैं। कई बार माता-पिता भी बच्चों की जिद के आगे झुक जाते हैं। परिणामस्वरूप कम उम्र में ही बच्चों में मोटापा, दांतों की समस्याएं, कमजोरी, पाचन संबंधी रोग और पढ़ाई में एकाग्रता की कमी जैसी दिक्कतें बढ़ने लगी हैं। पौष्टिक भोजन से दूरी बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को प्रभावित कर रही है।

युवाओं में फास्ट फूड केवल भोजन नहीं, बल्कि एक फैशन और सामाजिक ट्रेंड बन चुका है। कॉलेज, कोचिंग संस्थान और बाजारों के आसपास फास्ट फूड की दुकानों की भरमार इसका प्रमाण हैं। दोस्तों के साथ समय बिताना हो, जन्मदिन मनाना हो या घूमने जाना-फास्ट फूड अक्सर हर अवसर का हिस्सा बन जाता है।

लगातार जंक फूड खाने से मोटापा, हार्मोन असंतुलन, तनाव, त्वचा संबंधी समस्याएं और हृदय रोग जैसी परेशानियां बढ़ रही हैं। बड़े लोग भी इससे अछूते नहीं हैं। नौकरीपेशा लोग समय बचाने के लिए बाहर का भोजन या पैक्ड फूड लेने लगे हैं। देर रात तक काम, अनियमित दिनचर्या और घर के भोजन से दूरी ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को बढ़ा दिया है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही हैं।



एआई निर्मित चित्र।



केशव शर्मा 'रसिक'

फास्ट फूड की लोकप्रियता के पीछे कई कारण हैं। यह जल्दी तैयार हो जाता है, स्वादिष्ट होता है, आसानी से उपलब्ध रहता है और देखने में आकर्षक लगता है। सोशल मीडिया और विज्ञापनों ने इसकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है।

कई लोग इसे आधुनिक जीवनशैली और स्टेटस से भी जोड़कर देखते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि अधिकांश फास्ट फूड में अत्यधिक मात्रा में तेल, नमक, चीनी और कृत्रिम प्रिजर्वेटिव्स पाए जाते हैं। इनमें आवश्यक पोषक तत्व बहुत कम होते हैं। लगातार सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ सकती है और कई गंभीर बीमारियां जन्म ले सकती हैं। इस समस्या से बचने के लिए परिवार और समाज दोनों को जागरूक होना होगा। बच्चों को बचपन से ही घर का पौष्टिक भोजन, फल, सलाद और दूध की आदत डालनी चाहिए। युवाओं को नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन और अनुशासित दिनचर्या अपनानी चाहिए। बड़े लोगों को भी सुविधा के बजाय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए घर के भोजन को महत्व देना चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थाओं को भी स्वस्थ खानपान के प्रति जागरूकता अभियान चलाने चाहिए।

बहरहाल, यह बात सत्य है कि बेशक फास्ट फूड स्वाद तो दे सकता है, लेकिन अच्छा स्वास्थ्य नहीं। यदि समय रहते इस आदत पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियां गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर सकती हैं। इसलिए हमें स्वाद से अधिक स्वास्थ्य को महत्व देना होगा, क्योंकि स्वस्थ शरीर ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

समय सिखाता है रिश्तों और सफलता की असली पहचान

जीवन एक सतत यात्रा है और इस यात्रा में मनुष्य अनेक अनुभवों से गुजरते हुए सीखता है। माता-पिता संस्कार देते हैं, शिक्षक ज्ञान प्रदान करते हैं और समाज व्यवहार सिखाता है, लेकिन जीवन की वास्तविक पाठशाला वक़्त है। जो बातें किताबों और उपदेशों से पूरी तरह समझ नहीं आतीं, उन्हें समय अपने अनुभवों के माध्यम से समझा देता है। यही कारण है कि कहा जाता है कि वक़्त सब कुछ सिखा देता है। यह केवल कहावत नहीं बल्कि जीवन का गहरा सत्य है।समय का सबसे बड़ा गुण परिवर्तन है। जीवन में कोई भी परिस्थिति हमेशा एक जैसी नहीं रहती। सुख के बाद दु:ख और कठिनाइयों के बाद राहत का दौर आता है। जब मनुष्य किसी परेशानी में होता है तो उसे लगता है कि संकट कभी समाप्त नहीं होगा। लेकिन समय धीरे-धीरे परिस्थितियों को बदल देता है और घावों को भरने का अवसर देता है। बाद में वही व्यक्ति पीछे मुड़कर देखता है तो समझ पाता है कि कठिन दौर ने उसे मजबूत और समझदार बनाया।



एआई निर्मित चित्र।

वक्त सिखाता है जीवन जीने का हर सबक

सफलता भी समय से मिलने वाला एक महत्वपूर्ण सबक है। सफलता मिलने पर मनुष्य के भीतर अहंकार पैदा हो सकता है और उसे अपनी क्षमता पर अत्यधिक गर्व होने लगता है। लेकिन परिस्थितियां बदलने में देर नहीं लगती। समय उसे सिखाता है कि सफलता स्थायी नहीं होती और इसलिए उपलब्धियों के साथ विनम्रता और कृतज्ञता बनाए रखना जरूरी है। दूसरी ओर असफलता यह समझाती है कि हार जीवन का अंत नहीं बल्कि नए प्रयास की शुरुआत है।

रिश्तों की वास्तविक पहचान भी समय ही कराता है। अच्छे दिनों में अनेक लोग साथ दिखाई देते हैं लेकिन कठिन परिस्थितियों में केवल वही लोग टिकते हैं जिनका संबंध सच्चा होता है। विपरीत समय बिना किसी शोर के यह बता देता है कि कौन स्वार्थ के कारण करीब था और कौन वास्तव में अपना था। इसीलिए कठिन समय को केवल परीक्षा का दौर नहीं बल्कि रिश्तों की पहचान का समय भी कहा जाता है।

समय मनुष्य को धैर्य और मौन का महत्व भी समझाता है। युवा अवस्था में व्यक्ति हर बात का जवाब देना और हर बहस जीतना चाहता है। अनुभव बढ़ने के साथ उसे एहसास होता है कि हर बात का उत्तर देना आवश्यक नहीं। कई बार मौन सबसे प्रभावी उत्तर होता है। इसी तरह सफलता भी तुरंत नहीं मिलती। जिस प्रकार बीज को वृक्ष बनने में समय लगता है उसी तरह मेहनत को परिणाम में बदलने के लिए धैर्य और निरंतर प्रयास जरूरी है।

समय आत्मचिंतन का अवसर भी देता है। पीछे मुड़कर देखने पर मनुष्य अपनी गलतियों और जल्दबाजी में लिए गए फैसलों को समझ पाता है। वह जानता है कि किन परिस्थितियों में उसने भावनाओं में बहकर निर्णय लिया और कहां अधिक समझदारी दिखाई। यह आत्मचिंतन उसे भविष्य में बेहतर निर्णय लेने के लिए तैयार करता है।



नरेंद्र भारती

आज तकनीक और सामाजिक माध्यमों ने जीवन को तेज कर दिया है। हर व्यक्ति तुरंत सफलता, प्रसिद्धि और धन चाहता है। दूसरों की उपलब्धियों को देखकर लोग अपने जीवन की तुलना करने लगते हैं। ऐसे समय में यह समझना जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति की यात्रा अलग होती है। किसी को सफलता जल्दी मिलती है तो किसी को देर से। महत्वपूर्ण यह है कि व्यक्ति अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ता रहे।

समय परिवार और रिश्तों का महत्व भी समझाता है। व्यस्त जीवन में लोग अपनों के लिए पर्याप्त समय नहीं निकाल पाते। लेकिन जब माता-पिता बूढ़े होते हैं या बच्चे बड़े होकर दूर चले जाते हैं तब एहसास होता है कि साथ बिताए पल ही जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति थे। बीता हुआ समय वापस नहीं आता। इसलिए वर्तमान में अपने प्रियजनों को समय देना आवश्यक है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

त्योहारों का असली अर्थ है खुशियां बांटना

देश में त्योहारों का मौसम शुरू होते ही हर तरफ उत्साह और उमंग का माहौल दिखाई देने लगता है। नवरात्रि, दशहरा, करवा चौथ, दिवाली और भाई दूज जैसे त्योहार हमारी संस्कृति, परंपराओं और पारिवारिक रिश्तों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हर त्योहार का अपना विशेष महत्व है और हर त्योहार हमें जीवन से जुड़ा कोई न कोई संदेश देता है। लेकिन आज सवाल यह है कि क्या हम त्योहारों को उनके वास्तविक अर्थ के साथ मना रहे हैं या फिर धीरे-धीरे उन्हें दिखावे, खर्च और औपचारिकताओं तक सीमित करते जा रहे हैं? त्योहारों की असली खूबसूरती महंगे कपड़ों, मिठाइयों, सजावट और उपहारों में नहीं, बल्कि प्रेम, सम्मान, अपनापन और दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में है।

नवरात्रि में हम नौ दिनों तक दुर्गा माता की पूजा-अर्चना करते हैं, व्रत रखते हैं और कन्या पूजन करके नारी शक्ति के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं। यह अच्छी परंपरा है, लेकिन नारी सम्मान का संदेश केवल नौ दिनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अगर हम वास्तव में माता रानी की पूजा करते हैं, तो हमें अपने घर की महिलाओं का सम्मान भी करना चाहिए। अपनी मां, पत्नी, बेटी और बहन के प्रति प्रेम और सम्मान दिखाना ही सच्ची भक्ति का महत्वपूर्ण रूप है। जिस समाज में महिलाओं को बराबरी का अधिकार नहीं मिलता, जहां उनके विचारों को महत्व नहीं दिया जाता और जहां उन्हें अपमान सहना पड़ता है, वहां नारी शक्ति की पूजा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। नारी का सम्मान किसी विशेष दिन या त्योहार का मोहताज नहीं होना चाहिए, बल्कि यह हमारे व्यवहार और संस्कारों का हिस्सा होना चाहिए।



एआई निर्मित चित्र।



कमलेश राणा

इसी तरह दशहरा हमें बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। हर साल रावण के पुतले जलाए जाते हैं, लोग मेले देखने जाते हैं और आतिशबाजी के बीच बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाते हैं। लेकिन क्या हमने कभी अपने भीतर झांककर देखा है कि हमारे अंदर कितने रावण छिपे हुए हैं? क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या, लालच और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति हमारे भीतर की ऐसी बुराइयां हैं, जिन्हें समाप्त करना जरूरी है। कई बार हम अपनी जिंदगी दूसरों की सोच के अनुसार जीने लगते हैं। लोग क्या कहेंगे, समाज क्या सोचेगा और रिश्तेदार क्या बोलेंगे, इन सवालों के डर से हम अपनी खुशियों और इच्छाओं को दबा देते हैं। इसलिए इस दशहरे पर केवल रावण का पुतला जलाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपने भीतर की बुराइयों को पहचानकर उन्हें दूर करने का संकल्प लेना भी जरूरी है।

करवा चौथ पति-पत्नी के प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। परंपरागत रूप से महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत रखती हैं। सावित्री और सत्यवान की कथा भी इस अवसर पर याद की जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कविता

तिरंगे की शान में भारत की पहचान...!

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

नीले आसमान में लहराया,
तिरंगे का अभिमान,
खेलों के इस महाकुंभ में,
चमक रहा हिंदुस्तान।
मेहनत की हर एक बूंद ने,
इतिहास नया रचाया,
इक्कीस स्वर्ण पदकों ने,
भारत का मान बढ़ाया।
हॉकी के मैदान में
फिर गूंज उठा भारत का नाम,
मलेशिया को 'हरा',
खिलाड़ियों ने किया कमाल।
पाँच-एक की शानदार
जीत तिरंगे की है पहचान,
हर गोल के साथ बढ़ते
गया देश का स्वाभिमान।
यूं कभी कुश्ती के अखाड़े में,
दमखम दिखाते हैं,
कभी हॉकी की स्टिक से,
प्रतिद्वंद्वी को हराते हैं।
अमन की मेहनत ने भी
ये दुनिया को दिखलाया,
संघर्षों की राह पे चलकर,
स्वर्णिम मुकाम पाया।

संपादकीय

जिम्मेदार नागरिकता की सीख

जेन जी और जेन अल्फा की पीढ़ी को समझने के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि विद्यार्थी क्या सीख रहे हैं, बल्कि यह है कि वे सीख कहां से रहे हैं। विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तकों से ही ज्ञान प्राप्त नहीं करते, बल्कि परिवार, मित्रों, शिक्षकों, समाज और अपने आसपास के वातावरण से भी सीखते हैं। आज डिजिटल दुनिया भी उनके विचारों और व्यवहार को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख माध्यम बन गई है। बच्चे जो देखते, सुनते और अनुभव करते हैं, उसका प्रभाव धीरे-धीरे उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाता है। ऐसे में शिक्षा की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जिम्मेदार, संवेदनशील और विवेकशील नागरिक बनाना भी होना चाहिए।

वर्तमान समय में अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। विद्यार्थियों को पता होना चाहिए कि उन्हें शिक्षा, सम्मान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समान अवसर प्राप्त करने का अधिकार है। लेकिन इसके साथ यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि क्या उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति उतना ही जागरूक बनाया जा रहा है? लोकतंत्र केवल अधिकारों के आधार पर मजबूत नहीं होता, बल्कि अधिकारों और कर्तव्यों के बीच संतुलन से उसकी नींव मजबूत होती है। यदि कोई व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति सजग है, लेकिन दूसरों के अधिकारों और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की उपेक्षा करता है, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को यह समझाना जरूरी है कि उन्हें क्या मिलना चाहिए, इसके साथ समाज और राष्ट्र के प्रति उनका दायित्व क्या है।

विद्यार्थियों को अपने विचार रखने का अधिकार है, लेकिन दूसरों के विचारों को सुनना और उनका सम्मान करना भी उनका कर्तव्य है। उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है, लेकिन उसका उपयोग जिम्मेदारी के साथ करना आवश्यक है। इसी प्रकार इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों तक पहुंच उन्हें नई संभावनाएं प्रदान करती है, लेकिन इनके विवेकपूर्ण उपयोग की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। आज एक क्लिक में कोई सूचना हजारों लोगों तक पहुंच सकती है। ऐसे में विद्यार्थियों को समझना होगा कि हर वायरल सामग्री सत्य नहीं होती और प्रत्येक सूचना साझा करने योग्य नहीं होती। किसी खबर को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता जांचना तथा किसी व्यक्ति के बारे में टिप्पणी करते समय उसकी गरिमा का ध्यान रखना जिम्मेदार नागरिकता का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

यहीं संस्कार और मूल्य शिक्षा की भूमिका सामने आती है। संस्कार का अर्थ केवल परंपराओं का पालन करना नहीं, बल्कि सही और गलत के बीच अंतर समझना, दूसरों के प्रति सम्मान रखना, अनुशासन अपनाना, संवेदनशील होना और अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहना भी है। मूल्य व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की दिशा प्रदान करते हैं। जब अधिकारों के साथ संस्कार और कर्तव्य जुड़ते हैं, तो वे केवल व्यक्तिगत हित तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास का माध्यम बन जाते हैं। एक जागरूक युवा अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने के साथ सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करेगा, अपनी स्वतंत्रता का उपयोग करते हुए दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करेगा और किसी विषय पर राय बनाने से पहले तथ्यों को समझने का प्रयास करेगा।

जेन जी और जेन अल्फा के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती सूचना की कमी नहीं, बल्कि उसकी अधिकता है। परिवार, विद्यालय और समाज के साथ डिजिटल दुनिया भी सीखने का प्रभावशाली माध्यम बन गई है। हालांकि, डिजिटल माध्यमों से मिलने वाली प्रत्येक जानकारी सही हो, यह आवश्यक नहीं है। किसी वीडियो की लोकप्रियता उसकी सत्यता का प्रमाण नहीं होती और किसी प्रभावशाली व्यक्ति की बात को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से प्राप्त उत्तरों को भी विवेक और तथ्यों की कसौटी पर परखना चाहिए। इसलिए शिक्षा को केवल जानकारी देने तक सीमित रखने के बजाय विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन विकसित करने पर ध्यान देना होगा। उन्हें सही प्रश्न पूछना, सूचना के स्रोत की जांच करना, तथ्यों की पुष्टि करना और विभिन्न दृष्टिकोणों को समझना सिखाना आवश्यक है।

शिक्षा की वास्तविक परीक्षा जीवन की उन परिस्थितियों में होती है, जिनका समाधान किसी पाठ्यपुस्तक में सीधे नहीं मिलता। असफलता के समय स्वयं को संभालना, संकट में धैर्य बनाए रखना, भ्रम की स्थिति में सही निर्णय लेना और दबाव के बावजूद मूल्यों पर टिके रहना जीवन के महत्वपूर्ण कौशल हैं। केवल डिग्री इन परिस्थितियों का सामना करने के लिए पर्याप्त नहीं होती। इसके लिए विवेक, अनुशासन, आत्मविश्वास और समस्या समाधान की क्षमता आवश्यक है। इन गुणों का विकास शिक्षा के माध्यम से ही संभव है, बशर्ते शिक्षण प्रक्रिया जीवन से जुड़ी हो।

अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को मिलकर ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी, जिसमें अधिकारों के साथ कर्तव्यों, तकनीकी ज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता को भी महत्व मिले। बच्चों को केवल निर्देश देने के बजाय अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। अंतत: शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना या रोजगार हासिल करना नहीं है, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने योग्य व्यक्ति तैयार करना भी है। जब नई पीढ़ी अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ कर्तव्यों का पालन करेगी, डिजिटल दुनिया का विवेकपूर्ण उपयोग करेगी और मानवीय मूल्यों को अपने व्यवहार में अपनाएगी, तभी एक जिम्मेदार, जागरूक और सशक्त समाज का निर्माण संभव होगा।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

चर्चित अभिनेत्री रीमा सेन

रीमा सेन भारतीय अभिनेत्री और मॉडल रही हैं, जिन्होंने मुख्य रूप से तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम किया। उनका जन्म 29 अक्टूबर 1981 को कोलकाता में हुआ था। उन्होंने कोलकाता के सेंट थॉमस गर्ल्स स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। इसके बाद उनका परिवार मुंबई चला गया, जहां उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। रीमा ने कई विज्ञापन अभियानों में काम किया और धीरे-धीरे मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनाई। मॉडलिंग के बाद उन्होंने फिल्मों में अभिनय शुरू किया और दक्षिण भारतीय सिनेमा की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हुईं।



रीमा सेन
जन्म : 29 अक्टूबर 1981

रीमा सेन ने तेलुगु फिल्म चित्रम से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में वह अभिनेता उदय किरण के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने मनसांथा नुव्वे में भी उनके साथ काम किया। तमिल फिल्म मिन्नाले में अभिनेता आर. माधवन के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने पसंद किया और फिल्म को अच्छी सफलता मिली। रीमा ने हिंदी सिनेमा में हम हो गए आपके से कदम रखा, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्मों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। रेंदु में माधवन के साथ उनकी भूमिका को दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला। वहीं, थिमिरु में उनके हाव-भाव और अभिनय की सराहना की गई।

रीमा सेन ने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाईं। फिल्म वल्लवन और आयिराथिल ओरुवन में नकारात्मक किरदारों के लिए उन्हें दर्शकों और समीक्षकों से प्रशंसा मिली। इन फिल्मों में उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता का एक अलग पक्ष प्रस्तुत किया। हिंदी फिल्मों में उनकी अंतिम प्रमुख प्रस्तुतियों में गैंग्स ऑफ वासेपुर शामिल है, जिसमें उन्होंने मनोज बाजपेयी, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और ऋचा चड्ढा जैसे कलाकारों के साथ काम किया। वर्ष 1998 में वह शम्सा कंवल के गीत चांदनी रातें के संगीत वीडियो में भी दिखाई दी थीं। रीमा सेन का निजी जीवन भी उनके करियर के साथ चर्चा में रहा। उन्होंने वर्ष 2012 में व्यवसायी शिव करण सिंह से विवाह किया। 22 फरवरी 2013 को उनके बेटे का जन्म हुआ।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

हिमाचल में बदलेगा मौसम, कई जिलों में अंधड़-बारिश का अलर्ट, बर्फबारी के भी आसार

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी, अगले दो दिन तेज हवाओं और बिजली चमकने के आसार



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने आज और कल को राज्य के कई जिलों में आंधी चलने, बिजली चमकने और बारिश होने का येलो अलर्ट जारी किया है। ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। पूर्वानुमान के अनुसार दो नवंबर तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम खराब रह सकता है, जबकि तीन नवंबर को मौसम साफ रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के अनुसार आज कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में आंधी, बिजली चमकने और बारिश की आशंका है। वहीं, 30 अक्टूबर को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। 31 अक्टूबर से दो नवंबर तक ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में मौसम खराब रहने और बर्फबारी होने के आसार हैं। मैदानी क्षेत्रों में इस दौरान मौसम में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। बुधवार को शिमला और मनाली सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा और धूप खिली। पिछले कुछ दिनों से धूप निकलने के कारण दिन में मौसम सुहावना बना हुआ है, लेकिन सुबह और शाम के समय ठंड बढ़ गई है। जनजातीय क्षेत्रों में रात का तापमान शून्य से नीचे पहुंच रहा है। आगामी दिनों में पहाड़ों पर बर्फबारी होने से ठंड में और इजाफा हो सकता है।

प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में दर्ज किया गया, जहां पारा माइनस 2.7 डिग्री सेल्सियस रहा। केलांग में न्यूनतम तापमान माइनस 0.2 डिग्री और ताबो में 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कल्पा में 4.4 डिग्री, मनाली में 5.9 डिग्री और सोलन व भुंतर में 7.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा।

जनजातीय क्षेत्रों में शून्य से नीचे पहुंचा रात का पारा

कुफरी में 8.2 डिग्री, सुंदरनगर में 9.2 डिग्री, पालमपुर में 9.5 डिग्री और चंबा में 9.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। बरठीं में 10.2 डिग्री, कांगड़ा और मंडी में 10.5 डिग्री, भरमौर में 11 डिग्री, ऊना में 11.2 डिग्री तथा शिमला और बिलासपुर में 12 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। जुब्बड़हट्टी में 13 डिग्री, देहरा गोपीपुर में 14 डिग्री, धर्मशाला में 14.2 डिग्री, नाहन में 15.1 डिग्री, नेरी में 16.1 डिग्री और पांवटा साहिब में 18 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। प्रदेश के आठ शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। पालमपुर में तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री नीचे रहा। चंबा में 1.4 डिग्री, नाहन और केलांग में 1.2 डिग्री, मंडी में 0.6 डिग्री, कांगड़ा में 0.5 डिग्री तथा सोलन और बिलासपुर में 0.1-0.1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

विधानसभा घेराव की तैयारी में पेंशनर्स : धर्मशाला में 12 नवंबर से शुरू होगा बड़ा आंदोलन



सनी महाजन, भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। धर्मशाला के दाड़ी स्थित शिव मंदिर धाम में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के ब्लॉक धर्मशाला की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान जीएस ढडवाल ने की, जबकि राज्य स्तरीय संयुक्त संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में पेंशनरों की लंबित मांगों और उनके समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें जिला और ब्लॉक स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ महिला विंग की सदस्यों ने भी भाग लिया।

बैठक में प्रदेश संयुक्त संघर्ष समिति के फैसले के अनुरूप पेंशनरों के हितों की रक्षा के लिए आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया। संगठन ने सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाने और पेंशनरों की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए आंदोलन की रूपरेखा तैयार की।

निर्णय के अनुसार कांगड़ा जिला मुख्यालय धर्मशाला में स्थानीय पेंशनर्स 12 से 18 नवंबर तक क्रमिक धरना देंगे। इस दौरान पेंशनर अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद 19 नवंबर को प्रदेशभर के पेंशनर्स धर्मशाला के जोरावर स्टेडियम में एकत्रित होंगे। यहां से विधानसभा का घेराव कर सरकार के समक्ष अपनी मांगें उठाई जाएंगी। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य पेंशनरों की समस्याओं और लंबित मांगों को सरकार के ध्यान में लाना है। उन्होंने पेंशनरों से आंदोलन में एकजुट होकर भाग लेने की अपील की, ताकि उनकी आवाज प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंच सके।

न्यूज ब्रीफ

विधायक अनुराधा राणा ने शांशा व रानिका पंचायत के गांवों का किया दौरा, सुनीं जनसमस्याएं

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। विधायक लाहौल-स्पीति अनुराधा राणा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ग्राम पंचायत रानिका के रूडिंग, मेलिंग, स्वालिंग, तेलिंगवे, ढवाशां, यंगकिर्तिग, ढपाक, किर्तिग और ग्राम पंचायत शांशा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और विकास कार्यों की समीक्षा की। विधायक ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान करने तथा विकास कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव और वार्ड का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं मजबूत करने और स्थानीय जरूरतों के अनुसार कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंजाब के कर्मचारी-पेंशनर्स 13 नवंबर से चंडीगढ़ में लगाएंगे पक्का मोर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब के कर्मचारी और पेंशनर्स अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने की तैयारी में हैं। संयुक्त तालमेल कमेटी के कन्वीनर सुखचैन सिंह खैहरा और मनदीप सिंह ने बताया कि 13 से 19 नवंबर तक चंडीगढ़ के सेक्टर-34 में पक्का मोर्चा लगाया जाएगा। इसकी शुरुआत पठानकोट जिले की भागीदारी से होगी। नेताओं ने कहा कि सरकार ने मांगों का समाधान नहीं किया तो संघर्ष को व्यापक रूप दिया जाएगा। छह दिसंबर को लुधियाना में राज्य स्तरीय बैठक और 13 दिसंबर को मानव श्रृंखला बनाने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

खड़गे ने पीएम मोदी के दिवंगत पिता पर अभद्र टिप्पणी कर मर्यादा लांघी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता पर कथित अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी के दिवंगत पिता और परिवार को निशाना बनाना भारतीय संस्कृति, सामाजिक मर्यादाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। शर्मा ने आरोप लगाया कि यह कांग्रेस की संकीर्ण सोच को दर्शाता है। उन्होंने खड़गे से अपनी टिप्पणी पर स्थिति स्पष्ट करने और देश की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की।

रोजगार देने में सद्दूं बरग्रां का डंका, 21 पंचायतों में नंबर वन

भारतेन्दु संवाददाता, बड़ोह। विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के तहत सद्दूं बरग्रां पंचायत ने मानव दिवस सृजन में विकास खंड वडोह की 21 पंचायतों में पहला स्थान हासिल किया है। वित्त वर्ष 2026-27 में अक्टूबर तक पंचायत ने 3243 मानव दिवस सृजित किए, जबकि लक्ष्य 2197 का था। इस तरह पंचायत ने लक्ष्य से 1046 अधिक मानव दिवस सृजित कर 147.60 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की। पलाह चकलू दूसरे और रतियाड़ तीसरे स्थान पर रहीं। पूरे ब्लॉक की उपलब्धि 67.19 प्रतिशत रही।

पठानकोट में जुए के अड्डे पर पुलिस का छापा, 11 आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। शाहपुरकंडी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मनवाल बाग के पास नहर किनारे झाड़ियों में चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारकर 11 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 41,320 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए। कार्रवाई की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से की गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच एएसआई नरेश कुमार कर रहे हैं।

लॉर्ड बुद्धा कालेज में सजी मेहंदी प्रतियोगिता शिया देवी ने झटका पहला स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। लॉर्ड बुद्धा कॉलेज ऑफ एजुकेशन अपर भांबला में करवाचौथ के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें छात्राओं ने सुंदर और आकर्षक डिजाइन बनाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में शिया देवी ने प्रथम, कल्पना कुमारी ने द्वितीय और पूजा देवी ने तृतीय स्थान हासिल किया। कॉलेज प्रबंधन ने विजेता छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ते हैं।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोंगणी में विद्यार्थियों को दिया कंप्यूटर प्रशिक्षण



रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, धर्मपुर (मंडी)। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोंगणी की नौवीं कक्षा के वोकेशनल आईटीईएस विद्यार्थियों ने ग्लोबल कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, सरकाघाट में पांच दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग प्राप्त की। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान देना और डिजिटल कौशल विकसित करना था। इस दौरान विद्यार्थियों ने टाइपिंग, एमएस वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, डेटा एंट्री, बायोडाटा तैयार करना और गणना करना सीखा। वोकेशनल शिक्षक राकेश चौहान के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रधानाचार्य डॉ. बालम सिंह गुलेरिया ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल और रोजगार की संभावनाएं बढ़ाने में सहायक हैं।

गुरदासपुर में पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो गिरफ्तार, तीसरे की तलाश जारी





अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, गुरदासपुर। जिला गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक की दाना मंडी में पुलिस और संदिग्ध बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुंह बांधकर मोटरसाइकिल पर घूम रहे तीन संदिग्ध युवकों ने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया। पीछा करने पर आरोपियों ने दाना मंडी में पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए स्थानीय लोगों की मदद से दो आरोपियों को काबू कर लिया, जबकि तीसरा फरार हो गया। डीएसपी जोगा सिंह ने बताया कि थाना डेरा बाबा नानक के एसएचओ अशोक कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि तीन संदिग्ध युवक मुंह बांधकर मोटरसाइकिल पर इलाके में घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने उनका पीछा किया। पुलिस की गाड़ी देखकर तीनों दाना मंडी में घुस गए और जवानों को घेराबंदी करते देख फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। डीएसपी ने बताया कि फायरिंग के बाद तीसरा आरोपी मंडी में झाड़ियों और पेड़-पौधों के बीच छिप गया। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। प्रारंभिक जांच में पकड़े गए आरोपियों के बीती रात हुई एक आपराधिक घटना में शामिल होने की आशंका है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा होगा।

जाहलमा नाले में बाढ़ नियंत्रण कार्य के लिए 6 .44 करोड़ रुपए स्वीकृत



भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। लाहौल-स्पीति के जाहलमा नाले में बाढ़ नियंत्रण कार्य के लिए करीब 6.44 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई है। विधायक अनुराधा राणा ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बाढ़ से सुरक्षा और लोगों की संपत्ति को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए सरकार, प्रशासन और संबंधित विभाग मिलकर लगातार प्रयास कर रहे हैं।

विधायक अनुराधा राणा ने जल शक्ति विभाग के अधिशासी अभियंता अजय गुप्ता और उनकी पूरी टीम का निर्धारित समय सीमा के भीतर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर सरकार को भेजने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों के प्रयासों और समयबद्ध कार्य से परियोजना की स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ी। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित उच्च अधिकारियों के सहयोग की भी सराहना की। अनुराधा राणा ने कहा कि बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी अन्य परियोजनाओं पर भी उनकी टीम लगातार काम कर रही है। स्पीति घाटी के सगनम और मयाड़ घाटी के करपट के बाद जाहलमा नाले का प्रोजेक्ट इस श्रेणी में तीसरा बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसे सरकार, प्रशासन और विभाग के सहयोग से स्वीकृति दिलाई गई है।

उन्होंने कहा कि लाहौल-स्पीति की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए बाढ़ नियंत्रण कार्य बेहद महत्वपूर्ण हैं। बरसात के दौरान नालों में पानी का तेज बहाव लोगों, कृषि भूमि और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में समय रहते सुरक्षा कार्य करना जरूरी है। विधायक ने कहा कि क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के प्रयास जारी रहेंगे।

सफाई मित्रों को सुरक्षा किट देकर किया सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने कुलपति सचिवालय में पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान नगर निगम धर्मशाला के 17 वार्डों के 32 सफाई मित्रों को सुरक्षा किट देकर सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराग शर्मा ने सफाई कर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया और दवाइयां वितरित कीं। अभियान के तहत विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों में पौधारोपण, ई-वेस्ट प्रबंधन, जल स्रोतों के पुनरुद्धार और स्वच्छता गतिविधियों सहित करीब 28 कार्यक्रम आयोजित किए गए। शाहपुर परिसर में लगभग 650 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और स्वच्छता की शपथ ली।

उपायुक्त किरण भड़ाना की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उपायुक्त किरण भड़ाना की अध्यक्षता में मंगलवार को बचत भवन में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के तहत युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देने तथा उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने पर चर्चा की गई।

उपायुक्त ने कहा कि युवाओं को उनकी रुचि, स्थानीय जरूरतों और रोजगार बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध करवाना समिति का उद्देश्य है। इसके लिए विभिन्न विभागों, उद्योगों और प्रशिक्षण प्रदाताओं के बीच समन्वय स्थापित किया जा रहा है, ताकि युवाओं को आजीविका के बेहतर अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) के तहत आईटीआई बरठीं में ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में 30 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है।

बैठक में युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया

इसके अलावा आईटीआई घुमारवीं और बिलासपुर में पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र के तहत स्ट्रीट फूड वेंडर तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से प्ले स्कूल फैसिलिटेटर जैसे कार्यों के लिए 90 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण एवं प्रमाणन देने की योजना है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और पात्र युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने पारदर्शी आकलन और प्रमाणन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा, चाइल्ड केयर संस्थानों में योग एवं वेलनेस, एडवेंचर स्पोर्ट्स और आपदा प्रबंधन से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाने को कहा, ताकि युवाओं को व्यावहारिक कौशल देकर रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकें। बैठक का संचालन जिला समन्वयक शिवेंदु चौहान ने किया। इसमें अतिरिक्त उपायुक्त रूपिंदर कौर, कपिल भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कुल्लू दशहरा में सजी 'क्वीन ऑफ हिल्स' प्रतियोगिता, 200 युवतियों ने दिखाया हुनर

पारंपरिक और आधुनिक परिधानों में युवतियों ने रैंप पर बिखेरा जलवा



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान आयोजित 'क्वीन ऑफ हिल्स' प्रतियोगिता में कुल्लू की अन्वेषा जम्म्वाल ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। मंडी की शेरया बग्गा फर्स्ट रनर-अप रहीं, जबकि चंबा की नंदिनी राठौर सेकंड रनर-अप बनीं। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से करीब 200 युवतियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया।

मिस्टिक सोल कैफे के गडेमो नेगी की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पहाड़ी पारंपरिक परिधानों के साथ आधुनिक परिधानों में रैंप वॉक किया। युवतियों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुति, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व से दर्शकों का ध्यान खींचा। निर्णायक मंडल ने विभिन्न निर्धारित मानकों के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया। प्रतियोगिता में विजेता और उपविजेता प्रतिभागियों को आयोजकों की ओर से सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में मिसेज कल्पना ठाकुर, मिसेज इशिता राजन और मिस्टर रजत वर्मा शामिल रहे। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता का उद्देश्य युवतियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और मंच पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम में पारंपरिक पहाड़ी संस्कृति और आधुनिक फैशन का संगम देखने को मिला। प्रतियोगिता के माध्यम से युवतियों को अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने और पहचान बनाने के लिए मंच उपलब्ध हुआ।

आपदा के जख्म भरने के लिए घोषणाएं नहीं धरातल पर काम चाहिए : विपिन सिंह परमार



भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने मानसून आपदा से हुए नुकसान और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को लेकर प्रदेश सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार स्पष्ट करे कि क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलों, पेयजल योजनाओं और ग्रामीण संपर्क मार्गों की बहाली के लिए क्या कार्ययोजना तैयार की गई है।

परमार ने कहा कि प्रदेश में मानसून से हुए नुकसान का आकलन हजारों करोड़ रुपये में पहुंच चुका है। राज्य सरकार ने केंद्र से 3,525 करोड़ रुपये की सहायता मांगी है। ऐसे में प्रभावित परिवारों को राहत और पुनर्वास की स्थिति की जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। सरकार बताए कि कितने मामलों का सत्यापन हुआ और कितने परिवारों को सहायता मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि हिमाचल की ग्रामीण अर्थव्यवस्था सड़कों पर निर्भर है। सड़कें बंद होने से मरीजों को अस्पताल पहुंचाने, किसानों की उपज मंडियों तक ले जाने और विद्यार्थियों की पढ़ाई पर असर पड़ता है। लोक निर्माण विभाग और जल शक्ति विभाग को क्षतिग्रस्त ढांचे की प्राथमिकता सूची जारी कर बहाली की समयसीमा तय करनी चाहिए।

परमार ने कहा कि आपदा प्रबंधन को तात्कालिक राहत तक सीमित रखने के बजाय दीर्घकालीन सुरक्षा पर भी ध्यान देना होगा। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक अध्ययन, जल निकासी व्यवस्था और संवेदनशील सड़कों-पुलों की नियमित निगरानी जरूरी है। उन्होंने सरकार से राहत वितरण, लंबित सहायता मामलों, विभागवार खर्च और पुनर्निर्माण कार्यों की स्थिति पर विस्तृत सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को आश्वासनों के बजाय समयबद्ध सहायता और धरातल पर परिणाम मिलने चाहिए।

हिसाब केंद्र के 170.10 करोड़ के अंशदान की पुष्टि, राज्य सरकार खर्च का दे हिसाब

हमीरपुर मेडिकल कॉलेज पर कांग्रेस के दावों की खुली पोल



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हमीरपुर के वित्तीय आवंटन और निर्माण कार्यों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को सांसद अनुराग सिंह ठाकुर और केंद्र सरकार के योगदान पर सवाल उठाने के बजाय परियोजना से जुड़े सरकारी दस्तावेजों और वित्तीय आंकड़ों का पूरा विवरण जनता के सामने रखना चाहिए।

राकेश ठाकुर ने कहा कि हमीरपुर मेडिकल कॉलेज को चार मार्च 2014 को केंद्र की यूपीए-2 सरकार के कार्यकाल में मंजूरी मिली थी। मूल योजना के तहत एक मेडिकल कॉलेज की अनुमानित लागत 189 करोड़ रुपये निर्धारित की गई थी। इसमें केंद्र का हिस्सा 170.10 करोड़ और प्रदेश का अंश 18.90 करोड़ रुपये था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय बजट का प्रावधान नहीं किया गया था।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के 10 अगस्त 2016 के आधिकारिक बयान में हमीरपुर और चंबा मेडिकल कॉलेजों के लिए 189-189 करोड़ रुपये निर्धारित होने की पुष्टि की गई थी। तीन अगस्त 2021 के संसदीय दस्तावेज में भी हमीरपुर मेडिकल कॉलेज की स्वीकृत लागत 189 करोड़ रुपये, केंद्रीय अंश 170.10 करोड़ रुपये और जारी केंद्रीय राशि 170.10 करोड़ रुपये दर्ज है। राकेश ठाकुर ने कहा कि वर्ष 2023 में जोल सप्पड़ परिसर के निर्माण के लिए प्रदेश सरकार की ओर से 40 करोड़ रुपये का राज्य अंश जारी किए जाने की जानकारी सामने आई थी।

अक्टूबर 2024 में मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज परिसर के लिए 240 करोड़ रुपये वितरित करने की बात कही थी। वहीं, जनवरी 2025 में मुख्यमंत्री के हवाले से प्रकाशित समाचार में परियोजना पर 470 करोड़ रुपये खर्च होने और राज्य कैंसर संस्थान के लिए 85 करोड़ रुपये स्वीकृत किए जाने का उल्लेख किया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार स्पष्ट करे कि 240 करोड़ रुपये का आंकड़ा किस अवधि और मद से संबंधित है तथा 470 करोड़ रुपये के कथित संचयी व्यय में कौन-कौन से निर्माण कार्य शामिल हैं। स्वीकृत लागत, बजट प्रावधान, जारी धनराशि और वास्तविक व्यय अलग-अलग श्रेणियां हैं, इसलिए इनका मदवार विवरण सार्वजनिक होना चाहिए। राकेश ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 का हवाला देते हुए कहा कि जोल सप्पड़ में 240 बिस्तरों वाले अस्पताल और शैक्षणिक ब्लॉक के निर्माण के लिए 375 करोड़ रुपये लोक निर्माण विभाग को जारी किए जाने का उल्लेख है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में परियोजना का कुल परिव्यय 376.30 करोड़ रुपये और भारत सरकार के 170.10 करोड़ रुपये के सहयोग का उल्लेख किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से केंद्र और प्रदेश सरकार के अंशदान, निर्माण एजेंसी को भुगतान तथा वास्तविक खर्च का पूरा हिसाब सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सांसद अनुराग सिंह ठाकुर के योगदान का मूल्यांकन राजनीतिक आरोपों के बजाय सरकारी दस्तावेजों, स्वीकृतियों और विकास कार्यों के आधार पर होना चाहिए। साथ ही, सरकार को आरोप-प्रत्यारोप छोड़कर मेडिकल कॉलेज के वित्तीय इतिहास पर पारदर्शी और तथ्यात्मक चर्चा करनी चाहिए।

इच्छी ढडु कूहल का 80 लाख रूपए से होगा सौंदर्य करण : निशू मोंगरा



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान और सिंचाई सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य कर रही है। इच्छी-ढडु कूहल का 80 लाख रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके लिए दो नवंबर को मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया जाएगा। वहीं, मटौर के साथ लगती कूहल का भी जल्द निरीक्षण कर लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

यह जानकारी एपीएमसी के जिला अध्यक्ष, 20 सूत्रीय कार्यक्रम के जिला अध्यक्ष और प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र निशु मोंगरा ने विशेष बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इच्छी स्थित उनके कार्यालय में रोजाना सैकड़ों लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। इन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने का प्रयास किया जाता है।

मोंगरा ने कहा कि इच्छी-ढडु और मटौर की कूहलों से बड़ी मात्रा में उपजाऊ भूमि की सिंचाई होती है। इन क्षेत्रों में किसान हजारों टन सब्जियों का उत्पादन करते हैं। ऐसे में सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना जरूरी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोनों कूहलों से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार किसानों के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चला रही है।

भिवानी में फर्नीचर गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी



नया बाजार क्षेत्र में हांसी गेट से फूलों वाले चौक के बीच स्थित एक फर्नीचर शोरूम के गोदाम में मंगलवार देर रात भीषण आग लग गई। रात करीब दो बजे लगी आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। गोदाम में रखा फर्नीचर, प्लाईबोर्ड, लकड़ी और अन्य सामान आग की चपेट में आकर जलकर राख हो गया। घटना में लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को सूचित किया गया। इसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग इतनी भयंकर थी कि गोदाम से उठती लपटों ने आसपास के लोगों को चिंतित कर दिया। दमकल कर्मियों ने आग को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रयास किए। काफी मशक्कत के बाद दमकल की 13 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

नया बाजार क्षेत्र में गोदाम तक पहुंचने का रास्ता संकरा होने के कारण दमकल कर्मियों को आग बुझाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सीमित जगह के चलते दमकल की गाड़ियों को मौके तक पहुंचाने और राहत कार्य को सुचारू रूप से चलाने में चुनौती आई। इसके बावजूद कर्मचारियों ने मुस्तैदी से काम करते हुए आग को आगे फैलने से रोकने का प्रयास किया। गोदाम में फर्नीचर के अलावा प्लाईबोर्ड और लकड़ी जैसी ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी।

आग लगने के बाद इन वस्तुओं के तेजी से जलने से नुकसान बढ़ गया। गोदाम में रखा सामान बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग की तीव्रता के कारण काफी सामग्री जलकर नष्ट हो गई। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद नुकसान का आकलन किया जा रहा है। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

गन्ना पेराई सत्र की तैयारियों की मंत्री अरविंद शर्मा ने की समीक्षा

मंत्री ने अधिकारियों को किसानों की सुविधा सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने आगामी गन्ना पेराई सत्र की तैयारियों को लेकर राई स्थित एथनिक इंडिया पर्यटन केंद्र में शुगरफेड के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में प्रदेश की सभी शुगर मिलों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान पेराई सत्र को सुचारू रूप से शुरू करने और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गन्ना किसानों को किसी भी सूरत में परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी पेराई सत्र को ध्यान में रखते हुए सभी शुगर मिलों में समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं, ताकि सत्र शुरू होने के बाद कामकाज में किसी तरह की बाधा न आए। बैठक का मुख्य उद्देश्य पेराई सत्र की तैयारियों का जायजा लेना और मिलों में जरूरी प्रबंध समय पर पूरे करवाना था। मंत्री ने अधिकारियों को व्यवस्थाओं के प्रति गंभीरता बरतने और किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेराई सत्र के दौरान किसानों को अनावश्यक इंतजार या अन्य परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए पहले से तैयारी करना जरूरी है। प्रदेश की सभी शुगर मिलों के अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में आगामी सत्र को व्यवस्थित ढंग से चलाने के लिए तैयारियों की समीक्षा की गई। गन्ना पेराई सत्र किसानों और चीनी मिलों, दोनों के लिए महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में समय पर व्यवस्थाएं पूरी होने से सत्र के संचालन में आसानी रहती है और किसानों को भी अपनी उपज मिलों तक पहुंचाने में सुविधा मिल सकती है। डॉ. अरविंद शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने स्तर पर सभी जरूरी प्रबंधों की समय रहते जांच करें और कमियों को दूर करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। पेराई सत्र शुरू होने से पहले व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखना जरूरी है, ताकि किसानों और मिल प्रबंधन के बीच कामकाज सुचारू बना रहे।

किसानों की सुविधा को प्राथमिकता दें अधिकारी: अरविंद शर्मा

मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने स्तर पर सभी जरूरी व्यवस्थाओं की जांच करें और कमियों को समय रहते दूर करें। उन्होंने कहा कि गन्ना पेराई सत्र किसानों और चीनी मिलों, दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त होने पर सत्र का संचालन सुचारू रहेगा और किसानों को अपनी उपज मिलों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेने और उनकी सुविधाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

हरियाणा में जमीन मालिकाना हक के नियम बदले, अब एसडीएम करेंगे आवेदनों का निपटारा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा सरकार ने जमीन के मालिकाना हक से जुड़े मामलों में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। प्रदेश में दोहलीदार, बुटीमार, भोंडेदार और मुकररीदार को जमीन का मालिकाना हक देने का अधिकार अब उपमंडल अधिकारी नागरिक (एसडीएम) को सौंप दिया गया है। इस फैसले से संबंधित परिवारों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। अब उन्हें जमीन का मालिकाना हक प्राप्त करने के लिए उपायुक्त (डीसी) कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

प्रदेश सरकार के नए निर्णय के अनुसार, जो परिवार पिछले 20 वर्षों से संबंधित जमीन पर काबिज हैं, उन्हें नियमानुसार मालिकाना हक देने की प्रक्रिया एसडीएम के स्तर पर पूरी की जा सकेगी। इससे जमीन के मालिकाना हक से जुड़े मामलों के निपटारे में तेजी आने और लोगों की परेशानी कम होने की संभावना है। अब तक ऐसे मामलों में मालिकाना हक देने का अधिकार जिला स्तर पर कलेक्टर यानी उपायुक्त के पास था।

इसके चलते संबंधित लोगों को अपनी मांगों और दस्तावेजों के साथ उपायुक्त कार्यालय जाना पड़ता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह जिम्मेदारी एसडीएम को सौंप दी गई है, जिससे प्रशासनिक प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद मिलेगी। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त राजस्व एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार, राज्य सरकार की ओर से राजस्व कानूनों के तहत प्रथम श्रेणी के सहायक कलेक्टर के रूप में अधिसूचित सभी एसडीएम को यह अधिकार दिया गया है। इस निर्णय से उन परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जो लंबे समय से दान में मिली जमीन पर रह रहे हैं या उसका उपयोग कर रहे हैं।

इनमें दोहलीदार, बुटीमार, भोंडेदार और मुकररीदार शामिल हैं। दोहलीदारों में गरीब ब्राह्मणों, पुजारियों और पुरोहितों को दान में दी गई जमीन के मामले भी आते हैं। सरकार के इस कदम का उद्देश्य राजस्व संबंधी मामलों में प्रशासनिक जिम्मेदारी का विकेंद्रीकरण करना और लोगों को स्थानीय स्तर पर सुविधा उपलब्ध कराना है। हालांकि, जमीन का मालिकाना हक पाने के लिए संबंधित आवेदकों को निर्धारित नियमों और शर्तों को पूरा करना होगा। नई व्यवस्था से पात्र परिवारों को राहत मिलने के साथ जिला प्रशासन के कार्यालयों पर काम का दबाव भी कम हो सकता है।

नारनौल में बाइक की टक्कर से युवक की मौत, रोहतक पीजीआई में तोड़ा दम

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल में गांव खासपुर के पास बड़ी नहर के नजदीक तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल हुए युवक की रोहतक पीजीआई में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव खासपुर निवासी सोनू के रूप में हुई है। हादसा 24 अक्टूबर की शाम को हुआ था। जानकारी के अनुसार, सोनू गांव के पास भेड़-बकरियां चरा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद उसे उपचार के लिए नारनौल के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। युवक की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। परिजनों और अन्य लोगों की मदद से सोनू को रोहतक ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा था। हालांकि, उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलने के बाद परिवार में शोक का माहौल है। हादसे के बाद मामले में आगे की कार्रवाई पुलिस जांच के आधार पर की जाएगी। तेज रफ्तार वाहनों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क हादसों का खतरा बना रहता है।

टोल पर सालाना पास से 2820 रुपए तक की बचत

एक नवंबर से स्थानीय वाहन चालकों को सालाना टोल पास की मिलेगी सुविधा

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला



राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियमित सफर करने वाले स्थानीय वाहन चालकों को केंद्र सरकार ने राहत देने का फैसला किया है। अब टोल प्लाजा से बार-बार गुजरने के लिए हर महीने 360 रुपये का स्थानीय पास बनवाने के बजाय सालाना पास बनवाने का विकल्प मिलेगा। नई व्यवस्था एक नवंबर 2026 से लागू होगी। इससे वाहन चालकों को टोल प्लाजा की दर के अनुसार सालाना 1320 से 2820 रुपये तक की बचत हो सकेगी।

केंद्र सरकार ने स्थानीय वाहन चालकों के लिए सालाना पास की दो दरें निर्धारित की हैं। इसके तहत 1500 रुपये और 3000 रुपये में सालभर का पास बनवाया जा सकेगा। इससे उन लोगों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है, जिन्हें कामकाज, कारोबार या अन्य जरूरी गतिविधियों के लिए प्रतिदिन टोल प्लाजा से गुजरना पड़ता है। वर्तमान व्यवस्था के तहत स्थानीय वाहन चालकों को 360 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से सालभर में कुल 4320 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। नई व्यवस्था में सालाना पास का विकल्प चुनने पर यह खर्च कम हो जाएगा।

टोल प्लाजा की निर्धारित दर के अनुसार वाहन चालकों को सालभर में 1320 से 2820 रुपये तक की बचत हो सकती है। इससे नियमित सफर करने वाले लोगों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। नए नियम एक नवंबर 2026 से प्रभावी होंगे। मंत्रालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को भी इस संबंध में लिखित आदेश जारी कर दिए हैं। इसके बाद देशभर में संबंधित टोल प्लाजा पर नई व्यवस्था लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले स्थानीय वाहन चालकों को इस व्यवस्था से राहत मिलने की उम्मीद है। सालाना पास का विकल्प मिलने से उन्हें हर महीने पास बनवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

- **टोल प्लाजा पर सालाना पास का विकल्प, वाहन चालकों को मिलेगी आर्थिक राहत**

राव इंद्रजीत को जवाब देने की रणनीति बोधराज सीकरी के जन्मदिन पर जुटे दिग्गज

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

- **बोधराज सीकरी के जन्मदिन पर जुटे पंजाबी समुदाय के नेता, सियासी चर्चाएं तेज**
- **बर्थडे कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव और पूर्व मंत्री भी शामिल हुए**

दक्षिण हरियाणा में भाजपा की अंदरूनी सियासत के बीच गुरुग्राम में पंजाबी समुदाय से जुड़े नेताओं की सक्रियता चर्चा में है। बोधराज सीकरी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के कई प्रमुख नेताओं और धर्मगुरुओं की मौजूदगी को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस आयोजन को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की डिनर डिप्लोमेसी के जवाब के रूप में भी देखा जा रहा है। कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा, महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर और पूर्व मंत्री सुभाष सुधा सहित कई प्रमुख लोग शामिल हुए।

पंजाबी समुदाय से जुड़े इन नेताओं की एक मंच पर मौजूदगी ने प्रदेश भाजपा की अंदरूनी राजनीति को लेकर चर्चाओं को हवा दी है। दरअसल, गुरुग्राम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की मौजूदगी में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की ओर से पंजाबी समुदाय को लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजनीतिक हलचल बढ़ी थी। इसके बाद पंजाबी समुदाय के नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। जिस 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' कार्यक्रम को लेकर विवाद की चर्चा हुई थी, उसके संयोजक बोधराज सीकरी के जन्मदिन पर नेताओं का जुटना भी इसी राजनीतिक घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है। इस आयोजन में पंजाबी समुदाय के राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव वाले चेहरों की उपस्थिति ने इसे सामान्य जन्मदिन समारोह से अलग पहचान दी।

दक्षिण हरियाणा में भाजपा की राजनीति में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का लंबे समय से प्रभाव रहा है। ऐसे में विभिन्न समुदायों से जुड़े नेताओं की सक्रियता और उनके आपसी मेल-मिलाप को राजनीतिक समीकरणों के संदर्भ में देखा जा रहा है। हालांकि, जन्मदिन समारोह में शामिल नेताओं की ओर से इसे किसी औपचारिक राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन या राव इंद्रजीत सिंह के खिलाफ रणनीति के रूप में घोषित किए जाने की जानकारी सामने नहीं आई है। इसके बावजूद, मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में इस आयोजन ने भाजपा के भीतर समुदाय आधारित समीकरणों और नेताओं के बीच संबंधों को लेकर नई चर्चा शुरू कर दी है।

चोर ने पहले गणेश प्रतिमा के सामने सिर झुकाया, फिर चोरी को अंजाम दिया

गुरुग्राम में फाइनेंस कंपनी कार्यालय से मोबाइल-दस्तावेज चोरी

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



गुरुग्राम के सिविल लाइंस इलाके में एक फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में चोरी का मामला सामने आया है। तीन चोरों ने कार्यालय के मुख्य दरवाजे का लॉक तोड़कर अंदर प्रवेश किया और लॉकर व दराजों के लॉक तोड़कर मोबाइल फोन, दस्तावेज और अन्य सामान चोरी कर लिया। चोरी की पूरी वारदात कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, तीन चोर फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में चोरी करने पहुंचे थे। वारदात के दौरान उनमें से एक चोर कार्यालय के अंदर घुसा, जबकि उसके दो साथी बाहर मौजूद रहे।

अंदर घुसे चोर ने सबसे पहले कार्यालय में स्थापित भगवान गणेश की मूर्ति के सामने हाथ जोड़कर सिर झुकाया। इसके बाद उसने चोरी की वारदात को अंजाम देना शुरू कर दिया। चोर अपने साथ पेचकस और हथौड़ा लेकर आया था। इन औजारों की मदद से उसने कार्यालय के केबिन में रखी दराजों और लॉकर के लॉक तोड़े। इसके बाद वहां रखे मोबाइल फोन, दस्तावेज और अन्य सामान समेट लिया। चोर कार्यालय से पूजा स्थल पर रखी तांबे की मूर्तियां भी ले गए। चोरी के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरी की पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई। फुटेज में तीन चोरों के वारदात में शामिल होने की जानकारी सामने आई है। एक आरोपी कार्यालय के भीतर जाकर सामान चोरी करता दिखाई दिया, जबकि दो अन्य बाहर मौजूद थे। चोरों ने कार्यालय के मुख्य दरवाजे का लॉक तोड़कर प्रवेश किया था। घटना सामने आने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान करने और उनकी गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि चोरी में कौन-कौन से सामान और दस्तावेज ले जाए गए हैं।

- **लॉकर और दराज तोड़कर सामान ले गए तीन चोर, वारदात सीसीटीवी में कैद**

न्यूज ब्रीफ

पानीपत टोल पर टैक्स को लेकर बवाल कर्मचारियों से मारपीट और तोड़फोड़

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। पानीपत जिले में सनौली के पास स्थित तामशाबाद टोल प्लाजा पर मंगलवार रात टोल टैक्स को लेकर विवाद हो गया। हरियाणा से उत्तर प्रदेश की ओर जा रही तीन कारों में सवार लोगों की टोल टैक्स की पर्ची को लेकर कर्मचारियों से बहस हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर कार सवारों ने टोल कर्मियों के साथ मारपीट की और टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ की। अचानक हुए हंगामे में तीन कर्मचारी घायल हो गए। स्थिति बिगड़ने पर टोल कर्मियों को मौके से हटना पड़ा। आरोप है कि कार सवारों ने आसपास के गांवों से करीब 50 लोगों को भी मौके पर बुला लिया। टोल प्लाजा पर हुई पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों कारों को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करवा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सोनीपत निगम के जेई पर प्रॉपर्टी आईडी के लिए रिश्वत मांगने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत नगर निगम में भ्रष्टाचार और अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर विवाद सामने आया है। आम आदमी पार्टी के नेता विमल किशोर ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर निगम आयुक्त से शिकायत की है। उन्होंने जेई विपिक राणा पर नई प्रॉपर्टी आईडी बनवाने के नाम पर 10 हजार रुपये रिश्वत मांगने, अभद्रता करने और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि आम लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए निगम कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। प्रॉपर्टी आईडी बनवाने के करीब तीन महीने बाद डेवलपमेंट चार्ज मांगे जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। इस मामले को लेकर आप नेता और स्थानीय लोगों ने नगर निगम कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया तथा अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। शिकायत के माध्यम से निगम प्रशासन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने की अपील की गई है। हालांकि, लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

हरभजन हत्याकांड में करनाल की महिला गिरफ्तार, मुख्य आरोपी की मां

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर के मॉडल टाउन में फाइनेंसर हरभजन सिंह उर्फ जैदी की हत्या के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान करनाल जिले के गांव औगंढ निवासी मीना (50) के रूप में हुई है। तीन सितंबर की सुबह जिम के बाहर हरभजन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जानकारी के अनुसार, मीना पंचकूला में हुई फायरिंग के एक मामले में अंबाला जेल में बंद थी। अब पुलिस ने उसे हरभजन हत्याकांड में भी गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि महिला विदेश में बैठे इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी की मां है। मॉडल टाउन में हुई इस हत्या के बाद से पुलिस मामले की जांच में जुटी है। महिला की गिरफ्तारी को जांच की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि हत्याकांड में महिला की क्या भूमिका रही और मुख्य आरोपी से उसका किस प्रकार का संबंध सामने आया है। मामले में आगे की जानकारी पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

करनाल में पुलिसकर्मियों से मारपीट, युवक ने एसपीओ की गर्दन दबाई

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। करनाल में दयाल सिंह कॉलेज के पास टी-पॉइंट पर दो युवतियों और एक युवक के बीच हुए विवाद को शांत कराने पहुंचे होमगार्ड और स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) के साथ मारपीट की गई। घटना के दौरान युवक ने एसपीओ की गर्दन अपनी बगल में दबा ली और अधिकारी की नाक पर मुक्का मार दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, दो युवतियों और युवक के बीच बहस हो रही थी। युवतियां युवक पर गलत इशारे करने का आरोप लगा रही थीं। विवाद बढ़ता देख मौके पर पहुंचे होमगार्ड और एसपीओ ने मामला शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन युवक ने उनके साथ ही हाथापाई शुरू कर दी।

पंचकूला में एयरफोर्स जवान से 2.32 लाख की ठगी, एपीके लिंक से किया मोबाइल हैक

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

पंचकूला जिले के चंडी मंदिर कैंट में तैनात भारतीय वायु सेना के एक जवान के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने जवान को फर्जी एपीके लिंक डाउनलोड करवाकर उसका मोबाइल फोन हैक कर लिया। इसके बाद जवान के बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड से 2.32 लाख रुपये से अधिक की रकम निकाल ली गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, वायुसेना का जवान एक न्यूरोसर्जन की तलाश कर रहा था। इसके लिए उसने जस्टडायल वेबसाइट का सहारा लिया था। इसी दौरान वह साइबर ठगों के जाल में फंस गया। आरोप है कि ठगों ने जवान को डॉक्टर से संबंधित जानकारी देने के बहाने एक लिंक भेजा और उसे एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा। जवान के मोबाइल में फाइल डाउनलोड होते ही साइबर अपराधियों ने फोन तक पहुंच बना ली। इसके बाद उसके बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड से अलग-अलग लेनदेन के जरिए 2.32 लाख रुपये से अधिक की रकम निकाल ली गई। खाते से पैसे निकलने की जानकारी मिलने पर जवान को अपने साथ हुई ठगी का पता चला।

इसके बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि ठगी में कौन-कौन शामिल है तथा रकम किन खातों में स्थानांतरित की गई। अनजान नंबरों से आए लिंक पर क्लिक करने या एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचना चाहिए। डॉक्टर या अन्य सेवाओं की जानकारी लेते समय संबंधित व्यक्ति की पहचान और संपर्क विवरण की पुष्टि आधिकारिक माध्यमों से करनी चाहिए। किसी संदिग्ध लिंक के जरिए मोबाइल में ऐप इंस्टॉल करने से निजी जानकारी और बैंक खातों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

शिक्षा शिक्षा विभाग ने मॉडल संस्कृति, पीएमश्री और उत्कृष्टता स्कूलों से जोड़ने का लिया फैसला

हरियाणा में 77 स्कूलों को मिला मॉडल संस्कृति विद्यालय का दर्जा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को नया स्वरूप देने के लिए प्रदेश सरकार ने 279 राजकीय प्राथमिक स्कूलों का दर्जा बदल दिया है। इस फैसले के तहत 202 स्कूलों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं प्रारंभिक अंग्रेजी प्राथमिक विद्यालय का नाम दिया गया है, जबकि 77 स्कूलों की पहचान मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय के रूप में होगी। शिक्षा विभाग के इस कदम का उद्देश्य सरकारी स्कूलों को बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़ना और प्राथमिक स्तर पर अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई को बढ़ावा देना है।

सरकार के निर्णय के अनुसार, 279 स्कूलों में से सबसे अधिक 202 स्कूल मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं प्रारंभिक अंग्रेजी प्राथमिक विद्यालय के रूप में संचालित होंगे। इन स्कूलों में पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई अनिवार्य होगी। इससे प्राथमिक स्तर पर बच्चों को अंग्रेजी भाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

सरकार की इस पहल को सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक विकल्पों के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं, शेष 77 राजकीय प्राथमिक स्कूलों को मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय का दर्जा दिया गया है। इन स्कूलों को नई पहचान मिलने से शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत विद्यालयों को व्यवस्थित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। शिक्षा विभाग ने प्राथमिक स्कूलों को मॉडल संस्कृति, पीएमश्री और मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं प्रारंभिक अंग्रेजी शिक्षा स्कूलों से जोड़ने की दिशा में यह बदलाव किया है। इस प्रक्रिया में ऐसे स्कूलों को भी शामिल किया गया है, जो पहले से संचालित मॉडल संस्कृति, पीएमश्री या मुख्यमंत्री उत्कृष्टता स्कूलों के परिसर में स्थित हैं अथवा उनके नजदीक हैं। इस व्यवस्था के माध्यम से विभाग स्कूलों की श्रेणियों को निर्धारित करने और उन्हें संबंधित शैक्षणिक योजनाओं के अनुरूप व्यवस्थित करने पर ध्यान दे रहा है।

स्कूलों के दर्जे में बदलाव से सरकारी प्राथमिक शिक्षा की संरचना में भी परिवर्तन होगा। इस फैसले का एक प्रमुख पहलू पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई की व्यवस्था है। प्राथमिक स्तर पर भाषा की समझ विकसित करना बच्चों की आगे की शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई शुरू होने से विद्यार्थियों को शुरुआती कक्षाओं से ही अंग्रेजी भाषा के संपर्क में आने का अवसर मिलेगा। हालांकि, स्कूलों के दर्जे में बदलाव के साथ पढ़ाई की गुणवत्ता, शिक्षकों की उपलब्धता और आवश्यक शैक्षणिक संसाधनों की भूमिका भी अहम रहेगी।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सार्वजनिक कार्यक्रम से दबाव बनाएगा इंडी गठबंधन

अन्य स्थानों पर अनुमति नहीं मिलने के बाद 10 राजाजी मार्ग पर होगा कार्यक्रम

एजेंसी, नई दिल्ली

विपक्षी इंडी गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 30 अक्टूबर को सार्वजनिक महाभियोग कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अन्य स्थानों पर अनुमति नहीं मिलने के बाद यह कार्यक्रम शुक्रवार को दोपहर 3:30 बजे नई दिल्ली स्थित 10 राजाजी मार्ग पर आयोजित किया जाएगा।

जयराम रमेश ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर संविधान की भावना और उसके प्रावधानों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ज्ञानेश कुमार ने सुनियोजित तरीके से चुनावी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव को कमजोर किया है। हालांकि, ये आरोप कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की ओर से लगाए गए हैं। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के संबंधित सदस्यों को पत्र लिखकर कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया था। कांग्रेस की योजना



शुरुआत में इसे बड़े स्तर पर आयोजित करने की थी।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार, कार्यक्रम के लिए उपयुक्त स्थान तय करने में कई बाधाएं सामने आईं। वेणुगोपाल ने बताया कि अशोका होटल में आयोजन की अनुमति मिलने के बाद पुलिस के हस्तक्षेप से होटल प्रबंधन ने परिसर में कार्यक्रम कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद रामलीला मैदान में आयोजन की योजना बनाई गई। कांग्रेस के अनुसार, 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक मैदान की बुकिंग मांगी गई थी, लेकिन 30 अक्टूबर के कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं मिली। वहीं, दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को स्पष्ट किया था कि उसने एक नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित इंडी गठबंधन की रैली की अनुमति वापस नहीं ली है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का महाभियोग कार्यक्रम

विपक्षी इंडी गठबंधन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 30 अक्टूबर को सार्वजनिक महाभियोग कार्यक्रम आयोजित करेगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि अन्य स्थानों पर अनुमति नहीं मिलने के बाद यह कार्यक्रम दोपहर 3:30 बजे नई दिल्ली स्थित 10 राजाजी मार्ग पर होगा। जयराम रमेश ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर संविधान की भावना और प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ज्ञानेश कुमार ने चुनावी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव कमजोर की है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी सदस्यों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया था। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार, अशोका होटल में अनुमति मिलने के बावजूद पुलिस के हस्तक्षेप के बाद प्रबंधन ने आयोजन से इनकार कर दिया।

दिल्ली-एनसीआर की लाइफलाइन पर जाम का संकट

गाजियाबाद और नोएडा पुलिस में समन्वय की कमी, खामियाजा भुगत रहे लोग

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली-एनसीआर की लाइफलाइन माने जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-9 (एनएच-9) पर रोजाना लगने वाले जाम से लाखों वाहन चालक परेशान हैं। गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर जिले की सीमा से गुजरने वाले इस मार्ग पर यातायात सुचारु बनाए रखना दोनों जिलों की पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। जाम के कारण लोगों का कीमती समय बर्बाद होने के साथ ईंधन की भी खपत बढ़ती है।

एनएच-9 पर यातायात व्यवस्था संभालने में दोनों जिलों की पुलिस के बीच बेहतर तालमेल की कमी भी समस्या को बढ़ाती है। आरोप है कि जाम की स्थिति बनने पर दोनों ओर से जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल दी जाती है। इसका खामियाजा आम वाहन चालकों को भुगतना पड़ता है। नोएडा सेक्टर-62 के आसपास भी जाम की स्थिति देखने को मिलती है, जिससे यात्रियों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। एनएच-9 पर जाम लगने के पीछे खराब रोड इंजीनियरिंग को भी प्रमुख कारण माना जा रहा है। यातायात का दबाव और वाहनों की बेतरतीब आवाजाही स्थिति को और गंभीर बना देती है। ऐसे में केवल पुलिसकर्मियों की तैनाती से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है।

सड़क की बनावट और यातायात प्रबंधन में सुधार भी जरूरी है। जाम से निपटने के लिए दोनों जिलों की पुलिस के बीच बेहतर समन्वय, प्रभावी यातायात प्रबंधन और समय पर जरूरी कदम उठाने की आवश्यकता है। छोटे-छोटे सुधार भी वाहन चालकों को राहत दे सकते हैं। हालांकि, अब तक ठोस पहल नहीं होने से एनएच-9 पर जाम की समस्या बनी हुई है। ऐसे में सवाल है कि दिल्ली-एनसीआर के लाखों लोगों को इस परेशानी से आखिर कब मुक्ति मिलेगी।

एनएच-9 पर जाम से मुक्ति के लिए संयुक्त रणनीति जरूरी

एनएच-9 पर जाम की समस्या दूर करने के लिए गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर पुलिस को संयुक्त रणनीति बनानी होगी। दोनों जिलों के अधिकारियों के बीच नियमित समन्वय से यातायात संचालन को बेहतर किया जा सकता है। जाम वाले स्थानों की पहचान कर वहां अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती और वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित करना जरूरी है। इसके साथ ही सड़क की बनावट में सुधार और यातायात संकेतकों की उचित व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा। विशेषज्ञों के सुझावों के अनुसार, यातायात दबाव को देखते हुए प्रभावी प्रबंधन और समयबद्ध कार्रवाई से समस्या कम की जा सकती है। पुलिस को एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालने के बजाय मिलकर काम करना होगा। इससे न केवल वाहन चालकों का समय बचेगा, बल्कि ईंधन की खपत और प्रदूषण में भी कमी आ सकती है। एनएच-9 से रोजाना गुजरने वाले लाखों लोगों को राहत देने के लिए अब ठोस कदम उठाने की जरूरत है। इसके अलावा, एनएच-9 पर यातायात की निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल भी मददगार हो सकता है। व्यस्त समय में जाम की स्थिति पर नजर रखकर पुलिस पहले से जरूरी इंतजाम कर सकती है। वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों की जानकारी देने से भी दबाव कम किया जा सकता है। हालांकि, इन उपायों का लाभ तभी मिलेगा, जब दोनों जिलों की पुलिस और संबंधित विभाग जिम्मेदारी से मिलकर काम करेंगे। लोगों को उम्मीद है कि जल्द प्रभावी कदम उठाकर इस समस्या से राहत दिलाई जाएगी।

महिला पहलवानों के उत्पीड़न मामले में बृजभूषण सिंह को जवाब का आखिरी मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

- **बृजभूषण सिंह को जवाब के लिए सात दिन, अदालत ने दिया अंतिम अवसर**

महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण शरण सिंह को अदालत ने जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। अदालत ने इसे उनका अंतिम अवसर बताया है। महिला पहलवानों की ओर से मामले में बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देते हुए अपील दायर की गई है। इसी अपील पर सुनवाई के दौरान अदालत ने यह निर्देश दिया।



अपील पर 28 सितंबर को नोटिस जारी किया गया था। इसके माध्यम से बृजभूषण शरण सिंह से जवाब मांगा गया था। अब अदालत ने उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए सात दिन का अतिरिक्त समय दिया है। इस मामले में अदालत की ओर से निर्धारित समयसीमा के भीतर जवाब दाखिल करना महत्वपूर्ण होगा। महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में बृजभूषण को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती दी है। उनकी अपील का उद्देश्य निचली अदालत के फैसले की समीक्षा कराना है। अपील पर आगे की सुनवाई के दौरान संबंधित पक्षों के तर्क और प्रस्तुत दस्तावेज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अदालत ने जवाब दाखिल करने के लिए अंतिम अवसर देकर मामले की कार्यवाही को आगे बढ़ाने का संकेत दिया है। अब यह देखना होगा कि बृजभूषण शरण सिंह निर्धारित एक सप्ताह की अवधि में अपना जवाब दाखिल करते हैं या नहीं। उनके जवाब के बाद अपील पर आगे की कानूनी प्रक्रिया बढ़ सकती है। महिला पहलवानों से जुड़े इस मामले पर लंबे समय से नजर बनी हुई है। बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली अपील के कारण मामला एक बार फिर चर्चा में है। अदालत के निर्देश के बाद अब संबंधित पक्षों की अगली कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी। फिलहाल, उपलब्ध जानकारी के अनुसार अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह को जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है।

दिल्ली में 101 ग्राम हेरोइन के साथ हरियाणा का 22 वर्षीय युवक गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने हेरोइन की तस्करी के आरोप में हरियाणा के 22 वर्षीय युवक रोहित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 101 ग्राम हेरोइन और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने जनकपुरी में एक विदेशी नागरिक से हेरोइन की खेप लेने की बात बताई है। पुलिस अब इस कथित अंतरराज्यीय ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी हरियाणा से दिल्ली आया था। उस पर यहां से हेरोइन की खेप लेकर वापस हरियाणा जाने का आरोप है। जांच के दौरान उसके पास से नशीला पदार्थ और दो मोबाइल फोन मिले। पुलिस इन मोबाइल फोन की जांच कर रही है, ताकि आरोपी के संपर्कों और कथित तस्करी नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पूछताछ में जनकपुरी में एक विदेशी नागरिक से हेरोइन लेने की बात सामने आई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि संबंधित विदेशी नागरिक कौन है और वह कथित तौर पर नशीले पदार्थ की आपूर्ति किस तरह करता था। इसके अलावा, यह भी जांच की जा रही है कि बरामद हेरोइन कहां से लाई गई थी और इसे आगे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। द्वारका जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल अब मामले के अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

- **हरियाणा से दिल्ली आया युवक गिरफ्तार, दो मोबाइल और हेरोइन बरामद**

जामिया प्रदर्शन पर नसीरुद्दीन शाह का सरकार पर हमला, बोले- मैं दिमागी नक्सली हूं

एजेंसी, नई दिल्ली

- **छात्रसंघ की मांग को लेकर जामिया में भूख हड़ताल 17वें दिन भी जारी**
- **नसीरुद्दीन शाह बोले, 'मैं दिमागी नक्सली हूं', सरकार पर साधा निशाना**

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्रसंघ की मांग को लेकर छात्रों की भूख हड़ताल 17वें दिन भी जारी है। इस बीच अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने बयान में कहा, 'मैं दिमागी नक्सली हूं।' उनके बयान को जामिया में जारी आंदोलन और प्रदर्शन के संदर्भ में देखा जा रहा है।

छात्र एबिन और मोहम्मद रेहान छात्रसंघ की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे हैं। छात्रों का आंदोलन लगातार जारी रहने के बीच विश्वविद्यालय प्रशासन ने धरनास्थल खाली करने के लिए नोटिस दिया है। इससे प्रदर्शन को लेकर विवाद और बढ़ गया है। वहीं, मंगलवार को पुलिस ने जामिया परिसर के आसपास नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू कर दी। इस कार्रवाई के बाद प्रदर्शन



और छात्रों की मांगों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। धारा 163 लागू किए जाने का उद्देश्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। हालांकि, इस कदम के बीच छात्रों की भूख हड़ताल जारी रहने से स्थिति पर सबकी नजर बनी हुई है। नसीरुद्दीन शाह ने छात्रों के आंदोलन के संदर्भ में सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की।

उनके बयान के बाद जामिया में जारी प्रदर्शन एक बार फिर चर्चा में आ गया है। छात्रसंघ की मांग को लेकर चल रही भूख हड़ताल के बीच अभिनेता का समर्थन आंदोलन को लेकर सार्वजनिक बहस का हिस्सा बन गया है। फिलहाल, जामिया प्रशासन की ओर से धरनास्थल खाली करने का नोटिस जारी है और पुलिस ने परिसर के आसपास धारा 163 लागू की हुई है। दूसरी ओर, छात्र अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल जारी रखे हुए हैं। आंदोलन कब समाप्त होगा और छात्रसंघ की मांग पर आगे क्या फैसला लिया जाएगा, इस पर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

पंजाबी बाग में डीटीसी बस ने बाइक सवार को कुचला, मौत

पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग में बुधवार सुबह डीटीसी बस की चपेट में आया बाइक सवार

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में बुधवार सुबह डीटीसी बस की चपेट में आने से 22 वर्षीय बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान इंदिरा कॉलोनी निवासी सोनू के रूप में हुई है। हादसे के बाद पुलिस दुर्घटना में शामिल बस की पहचान करने और उसके चालक का पता लगाने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 7:23 बजे पंजाबी बाग थाना पुलिस को सड़क हादसे के संबंध में पीसीआर कॉल मिली। सूचना मिलते ही जांच अधिकारी को घटनास्थल पर भेजा गया। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि डीटीसी बस की चपेट में आने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था। हादसे में सोनू की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर



एआई चित्र।

दी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसा पंजाबी बाग इलाके में हुआ, जहां डीटीसी बस ने बाइक सवार को कुचल दिया। पुलिस दुर्घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार, मृतक सोनू अपने परिवार के साथ इंदिरा कॉलोनी स्थित झुग्गी में रहता था। हादसे में उसकी मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि दुर्घटना में शामिल डीटीसी बस की पहचान की जा सके। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बस की पहचान करने के साथ उसके चालक का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ।

बस हादसे में 22 वर्षीय सोनू की मौत

पंजाबी बाग इलाके में बुधवार सुबह डीटीसी बस की चपेट में आने से 22 वर्षीय बाइक सवार सोनू की मौत हो गई। मृतक इंदिरा कॉलोनी स्थित झुग्गी में अपने परिवार के साथ रहता था। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी के अनुसार, सुबह करीब 7:23 बजे पंजाबी बाग थाना पुलिस को सड़क हादसे की पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना मिलते ही जांच अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। शुरुआती जानकारी के अनुसार, डीटीसी बस की चपेट में आने से सोनू की मौत हुई। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इसके आधार पर दुर्घटना में शामिल बस की पहचान और चालक का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

एमएलसी चुनाव की गिनती में क्यों लग रहे 24 घंटे से ज्यादा

एजेंसी, नई दिल्ली। विधान परिषद (एमएलसी) के शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना की प्रक्रिया सामान्य चुनावों के मुकाबले अधिक जटिल होती है। उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और केरल में 27 अक्तूबर से जारी मतगणना में 24 घंटे से अधिक समय लगने की प्रमुख वजह मतपत्रों की गिनती और वरीयता आधारित मतदान व्यवस्था है। सबसे पहले मतपत्रों को एकत्र कर उनकी छंटनी की जाती है। इसके बाद वैध और अवैध मतों की पहचान की जाती है। मतपत्रों को व्यवस्थित कर बंडल बनाने और कुल वैध मतों की संख्या तय करने में भी समय लगता है। फिर उम्मीदवारों की जीत के लिए जरूरी मतों का कोटा निर्धारित किया जाता है।

दिल्ली में 14 साल के बच्चे से शराब तस्करी, कार से 47 पेटियां बरामद

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली में शराब तस्करी के लिए 14 वर्षीय बच्चे का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। दक्षिण जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) ने जौनापुर गांव बस स्टैंड के पास एक वैगनआर कार को रोककर उसमें से अलग-अलग ब्रांड की शराब की 47 पेटियां बरामद कीं। यह शराब हरियाणा में बिक्री के लिए ले जाई जा रही थी। पुलिस के अनुसार, शराब की तस्करी के लिए नाबालिग को इस्तेमाल किया जा रहा था। उसे प्रत्येक चक्कर के लिए 300 रुपये दिए जाते थे।

कम उम्र के बच्चे को पैसों का लालच देकर इस तरह के गैरकानूनी काम में शामिल किए जाने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एएटीएस की टीम को जौनापुर गांव बस स्टैंड के पास कार्रवाई के दौरान वैगनआर कार में शराब की बड़ी खेप मिली। तलाशी लेने पर कार से 47 पेटियां बरामद हुईं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, शराब को हरियाणा में बेचने के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे किसके पास पहुंचाया जाना था। इस मामले में नाबालिग को तस्करी के लिए



एआई चित्र

इस्तेमाल किए जाने की बात भी जांच का अहम हिस्सा है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्चे को इस काम में किसने लगाया और इसके पीछे कौन लोग सक्रिय थे।

प्रति चक्कर 300 रुपये दिए जाने की जानकारी से यह संकेत मिलता है कि बच्चे का इस्तेमाल शराब की खेप पहुंचाने के लिए किया जा रहा था। पुलिस बरामद शराब और कार से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। साथ ही तस्करी के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी जांच रही है कि तस्करी के इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा शराब की आपूर्ति कहां से होती थी।

करोड़ों के फ्लैट, बदहाल सड़कें और सुरक्षा नदारद, क्रॉसिंग रिपब्लिक के निवासी परेशान

एजेंसी, नई दिल्ली

करोड़ों रुपये खर्च कर फ्लैट खरीदने के बावजूद क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित अंसल सुशांत एक्वापोलिस टाउनशिप के निवासी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान हैं। यहां सड़कें जर्जर हैं, मुख्य मार्ग पर जलभराव रहता है और सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। निवासियों के मुताबिक, टाउनशिप की मौजूदा स्थिति के कारण रोजमर्रा की आवाजाही मुश्किल हो रही है।

सड़कों की हालत इतनी खराब है कि जगह-जगह से उखड़ी सड़क पर नुकीले पत्थर बिखरे हुए हैं। मुख्य मार्ग पर पानी जमा होने से लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। वाहनों की आवाजाही के दौरान धूल उड़ती रहती है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वहीं, मुख्य गेट पर गार्ड की तैनाती नहीं होने से निवासियों को सुरक्षा की चिंता सता रही है।

नौ साल से ठप है निर्माण कार्य अंसल सुशांत एक्वापोलिस परियोजना की शुरुआत वर्ष 2005-



06 में हुई थी। योजना के तहत यहां 11 टावर बनाए जाने थे, लेकिन कई टावर अब भी अधूरे हैं। पिछले नौ साल से अधिक समय से निर्माण कार्य ठप पड़ा है। इसके चलते एक हजार से अधिक खरीदार अब तक अपने फ्लैट मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

नौ साल से निर्माण ठप खरीदार परेशान

परियोजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बावजूद खरीदारों की समस्याएं कम नहीं हुई हैं। फ्लैट मिलने में देरी के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं की कमी ने निवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि टाउनशिप में सड़कें दुरुस्त करने, जलभराव से निजात दिलाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तत्काल जरूरत है। मुख्य गेट पर गार्ड की तैनाती नहीं होने से सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। निवासियों ने संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार पक्षों से जल्द हस्तक्षेप कर समस्याओं का समाधान करने की मांग की है।

रोमांच लाइव स्क्रीनिंग के साथ टेकबॉल और फुटबॉल मुकाबले हुए आयोजित

दिल्ली में प्रीमियर लीग पार्क ने प्रशंसकों को दिया फुटबॉल का रोमांचक अनुभव

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रीमियर लीग ने सप्ताहांत में नई दिल्ली के छतरपुर स्थित प्रीमियर लीग पार्क में आठवें मैच सप्ताह के मुकाबलों की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की। इस दौरान फुटबॉल प्रशंसकों को एक साथ मैच देखने और खेल से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला। भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के गोलकीपर और प्यूमा के ब्रांड एंबेसडर गुरप्रीत सिंह संधू भी कार्यक्रम में पहुंचे और प्रशंसकों के बीच मौजूद रहे।



प्रीमियर लीग पार्क को प्रशंसकों को फुटबॉल देखने, खेलने और इससे जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यहां लाइव मैचों की स्क्रीनिंग के साथ कई इंटरैक्टिव गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रशंसकों ने टेकबॉल खेला और दो-दो खिलाड़ियों की टीमों के बीच फुटबॉल मुकाबलों में हिस्सा लिया। इसके अलावा ईए स्पोर्ट्स एफसी 27 टूर्नामेंट के जरिए भी उन्हें अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। इन गतिविधियों के साथ प्रशंसकों ने प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबलों का आनंद लिया।

आठवें मैच सप्ताह में लिवरपूल ने ब्राइटन को 2-0 से हराया। वहीं, एएफसी बॉर्नमाउथ ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। एक अन्य मुकाबले में एस्टन विला ने मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से शिकस्त दी। प्रीमियर लीग इंडिया के प्रबंध निदेशक ऋषिकेश शेंडे ने कहा कि भारत में प्रीमियर लीग के प्रति प्रशंसकों का जुनून अद्भुत है। उन्होंने कहा कि प्रशंसकों को अपने पसंदीदा क्लबों और खिलाड़ियों का जश्न मनाने के लिए एक साथ आते देखना खास अनुभव है।

प्रीमियर लीग पार्क में प्रशंसकों का उत्साह

उन्होंने कहा कि प्रीमियर लीग पार्क को प्रशंसकों के लिए ऐसे साझा अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। सप्ताहांत में प्रशंसकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखने को मिली और आयोजक पूरे वर्ष अधिक से अधिक लोगों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। प्रीमियर लीग पार्क को गोलटेक इनोवेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपने क्लेग्राउंड्स ब्रांड के माध्यम से विकसित और संचालित किया है। इसे भारत में अपनी तरह का पहला केंद्र बताया जा रहा है। यहां प्रशंसकों को मैच देखने के साथ मैदान पर खेल से जुड़ने और विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेने का अवसर मिलता है। यह पहल भारत में फुटबॉल के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाने और प्रशंसकों को अपने पसंदीदा क्लबों से जोड़ने की प्रीमियर लीग की व्यापक योजना का हिस्सा है। इसके माध्यम से प्रशंसकों को पूरे वर्ष फुटबॉल का अनुभव लेने और खेल के प्रति अपने जुनून को साझा करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने दी करवाचौथ की शुभकामनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने करवा चौथ के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर महिलाओं को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि करवा चौथ पति-पत्नी के बीच प्रेम, समर्पण, विश्वास और आपसी सम्मान का पर्व है। इस त्योहार में भारतीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और पारिवारिक मूल्यों की झलक दिखाई देती है। उन्होंने कामना की कि यह पावन अवसर सभी परिवारों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा उनके बीच प्रेम और स्नेह के बंधन को और अधिक मजबूत करे।

बच्चे बाल शोषण से बचाव के प्रति किए जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कांगड़ा ने 'सुरक्षित बचपन अभियान' के दूसरे दिन दाड़ी और शाहपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। डीएलएसए सचिव आर. मिहुल शर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों, बाल संरक्षण प्रावधानों और यौन शोषण की रोकथाम के प्रति जागरूक करना है। विद्यार्थियों को सुरक्षित-असुरक्षित व्यवहार की पहचान करने तथा किसी भी दुर्व्यवहार की स्थिति में बिना डर विश्वसनीय व्यक्ति से सहायता लेने की जानकारी दी गई। अभियान के तहत विद्यालयों, अभिभावकों और संबंधित विभागों के सहयोग से बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

अर्चिशा को मिला 'हार्ट ऑफ ह्यूमैनिटी' खिताब

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा पर्व के अंतिम संध्या पर क्वीन ऑफ़ हिल सौंदर्य प्रतियोगिता में लगभग 200 युवतियां ने भाग लिया जिसके अंतिम चरण में कांगड़ा के गांव महेरना की बेटी अर्चिशा ठाकुर को हार्ट ऑफ ह्यूमैनिटी के खिताब से नवाजा गया कल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर जी द्वारा सम्मानित किया गया। अर्चिशा ठाकुर ने कहा की हर व्यक्ति में इंसानियत का होना बहुत जरूरी है। निर्णायक मंडल द्वारा उनके सौंदर्य और आत्मविश्वास के आधार पर चयन किया।

आज होने वाला ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट रद्द

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि करवा चौथ के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने के कारण 29 अक्तूबर, 2026 को निर्धारित ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) टेस्ट रद्द कर दिया गया है। उन्होंने संबंधित अभ्यर्थियों से आग्रह किया कि वे इस बदलाव का ध्यान रखें। ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट की अगली तिथि के संबंध में विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार आवश्यक जानकारी प्राप्त करें।

भाषण स्पर्धा में पुष्पा ने झटका प्रथम स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (जीसीटीई), धर्मशाला में राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के सहयोग से 'समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा' विषय पर अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विभिन्न महाविद्यालयों के प्रशिक्षु अध्यापकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. आरएस गिल मुख्य अतिथि रहे। प्रतिभागियों ने नैतिक मूल्यों, पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार की रोकथाम पर विचार रखे। प्रतियोगिता में जीडीसी धर्मशाला की पुष्पा कुमारी ने प्रथम, जीसीटीई धर्मशाला की सपना कुमारी ने द्वितीय और द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रैत की काजल बाला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में सतर्कता ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक बी.डी. भाटिया सहित अधिकारी और निर्णायक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के तरीके सीखे

भारतेन्दु संवाददाता, रिवालसर। राजकीय महाविद्यालय रिवालसर के करियर परामर्श एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सेबी के प्रमाणित स्मार्ट ट्रेनर प्रवीण कुमार ने विद्यार्थियों को वित्तीय योजना, निवेश के विभिन्न विकल्पों और सुरक्षित वित्तीय प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल लेन-देन के दौरान सतर्क रहने, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने और सोच-समझकर वित्तीय निर्णय लेने के उपाय बताए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वित्तीय रूप से जागरूक बनाने के साथ साइबर अपराधों के प्रति सजग करना था। इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. ब्रज नंदन सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 95 विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

एसपीयू में इंटर्नशिप ड्राइव, 15 छात्रों का चयन



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने एमबीए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 'इंडस्ट्री 4.0 एवं करियर रेडीनेस' विषय पर अतिथि व्याख्यान और इंटर्नशिप ड्राइव आयोजित की। कार्यक्रम में टाइम्स ऑफ इंडिया समूह के उप मुख्य प्रबंधक राकेश सुखीजा ने विद्यार्थियों को उद्योग जगत की बदलती जरूरतों, प्रभावी संचार, अनुकूलन क्षमता और व्यावसायिक कौशल के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया। इंटर्नशिप ड्राइव के दौरान विभाग के 15 विद्यार्थियों का चयन टाइम्स ऑफ इंडिया समूह, चंडीगढ़ में प्रशिक्षण के लिए किया गया। कुलपति ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विभाग के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. बलबीर मांगटा, डॉ. विक्रांत जसवाल और डॉ. शिवान बीबी सहित अन्य उपस्थित रहे।

नालागढ़ में 11 नवंबर तक नो पार्किंग जोन लागू, सुबह 9 से रात 9 बजे तक प्रतिबंध

भारतेन्दु संवाददाता, नालागढ़। त्योहारी सीजन में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए एसडीएम नरेंद्र अहलूवालिया ने विशेष आदेश जारी किए हैं। 11 नवंबर 2026 तक रोपड़ व कालका चौक से मुख्य बाजार (मेन गेट) तक प्रतिदिन सुबह 9 से रात 9 बजे तक नो पार्किंग जोन रहेगा। इस दौरान दोपहिया और आपातकालीन वाहनों को छोड़कर अन्य वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने दुकानदारों को फुटपाथों और रास्तों पर अतिक्रमण न करने के निर्देश दिए हैं। आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रेहलू-बलड़ी सड़क पर खर्च होंगे 90 लाख : केवल सिंह पठानिया

मुख्यमंत्री से वीडियो कॉल पर स्वीकृत करवाया था फुटब्रिज, 10 लाख से निर्मित पुल समर्पित

भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के दूरदराज गांवों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने बलड़ी गांव में 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित फुटब्रिज का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया। इस फुटब्रिज के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने वीडियो कॉल के माध्यम से धनराशि स्वीकृत की थी।

बरसात के बाद पुराना पुल क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। नए फुटब्रिज के तैयार होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर विधायक केवल सिंह पठानिया ने घोषणा की कि बलड़ी गांव को जल्द सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने इसके लिए एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की थी। इसके लिए इलाकवासी उनके आभारी हैं ।

उन्होंने बताया कि इसमें से 10 लाख रुपये फुटब्रिज के निर्माण पर खर्च किए गए हैं, जबकि शेष 90 लाख रुपये रेहलू-बलड़ी सड़क के निर्माण पर व्यय किए जाएंगे। इससे गांव के लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी। जनसभा को संबोधित करते हुए पठानिया ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को धमोटा गांव के लिए सड़क निर्माण से संबंधित भूमि की औपचारिकताएं शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यदि सड़क निर्माण के लिए निजी भूमि की आवश्यकता पड़ती है, तो संबंधित भूमि मालिकों से भी सहयोग की अपील की जाएगी। उन्होंने बताया कि फुटब्रिज का निर्माण कार्य पूरा हो चुका था, लेकिन धान की फसल के कारण इसके लोकार्पण में देरी हुई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पावर प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में विकास कार्यों को और गति मिलेगी। इससे पहले विधायक ने बहाव सिंचाई योजना के अंतर्गत सरांकनी कूहल की आरसीसी लाइनिंग का उद्घाटन भी किया।

पहली बार गांव पहुंचे विधायक, ग्रामीणों में खुशी

इस अवसर पर सेवानिवृत्त बीईईओ एवं स्थानीय निवासी सेठ राम ने भावुक अंदाज में कहा कि देश को आजादी वर्ष 1947 में मिली थी, लेकिन क्षेत्र के विधायक और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के गांव पहुंचने से आज उन्हें वास्तविक मायनों में आजादी का एहसास हो रहा है। ग्राम पंचायत भनाला की प्रधान नीलम राणा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और गांव पहुंचने पर उनका आभार जताया। उन्होंने पंचायत की विभिन्न समस्याओं को भी विधायक के समक्ष रखा। जिला परिषद सदस्य संदीप ने भी अपने विचार रखे। इसके उपरांत विधायक केवल सिंह पठानिया ने गोरडा पंचायत में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर एसडीएम शाहपुर डॉ. गणेश ठाकुर, अधिशासी अभियंता जलशक्ति अमित डोगरा, नीरज जसवाल, रैत योगेंद्र, रज्जाक मोहम्मद, सुरेश पटाकू, ओंकार राणा, संदीप, प्रधान रेहलू सीमा महाजन सहित कई मौजूद रहे।

किशनकोट के पास पिकअप से टकराई बाइक; एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। पांवटा साहिब-शिलाई सड़क पर राजबन क्षेत्र के किशनकोट के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार 26 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ सवार 18 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद सिविल अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया गया है।

मृतक की पहचान विकेश (26) पुत्र रंगीलाल निवासी मालगी, राजबन के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक गौरव (18) निवासी सिरमौरी ताल बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, बाइक आगे चल रही पिकअप से पीछे की ओर टकरा गई। बताया जा रहा है कि बाइक की रफ्तार तेज थी और चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विकेश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू की। घटना के बाद मृतक के परिवार और क्षेत्र में शोक की लहर है। डीएसपी पांवटा साहिब मानवेंद्र सिंह ठाकुर ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्य स्तरीय सांस्कृतिक स्पर्धा में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा, अर्की व सिरमौर अव्वल



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की के चौगान मैदान में आयोजित अंडर-19 छात्रा वर्ग की राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता के दूसरे दिन बुधवार को विभिन्न स्पर्धाओं में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रदेश के 12 जिलों से पहुंचे लगभग 1300 छात्र-छात्राएं इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

संस्कृत श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अर्की, सोलन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मंडी दूसरे स्थान पर रहा। संस्कृत गीतिका में सरकाघाट, मंडी ने बाजी मारी। शिमला और अर्की संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। शास्त्रीय गायन में चंबा प्रथम और सोलन द्वितीय स्थान पर रहा। सुगम संगीत प्रतियोगिता में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अर्की ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि चंबा दूसरे स्थान पर रहा।

समूहगान प्रतियोगिता में सिरमौर ने प्रथम, चंबा ने द्वितीय और बिलासपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता छात्राओं को अपनी कला प्रदर्शित करने के साथ हिमाचल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्रदान कर रही है। विभिन्न जिलों की प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

30.62 ग्राम चिट्टे के साथ पंजाब का युवक व नाबालिग गिरफ्तार

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने ढलियार (पट्टा) फोरलेन पर एक वोल्वो बस में सवार दो लोगों से 30.62 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों में पंजाब का एक 22 वर्षीय युवक और एक नाबालिग शामिल है।

पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर को टीम ने हरिओम रेस्टोरेंट के समीप नाकाबंदी के दौरान एक वोल्वो बस को जांच के लिए रोका। तलाशी लेने पर दोनों संदिग्धों के कब्जे से नशीला पदार्थ बरामद हुआ। मुख्य आरोपी की पहचान सिमरनप्रीत सिंह निवासी तरनतारन, पंजाब के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस थाना सदर बिलासपुर में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मुकदमा नंबर 277/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगामी जांच कर रही है। साथ ही नशे की आपूर्ति कहां से हुई और इसे आगे किसे पहुंचाया जाना था, इसकी भी पड़ताल की जा रही है।

कुल्लू दशहरा में नारेबाजी करने पर युवा कांग्रेस ने दर्ज करवाई प्राथमिकी, दोषियों पर कार्रवाई की उठाई मांग



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान 26 अक्तूबर को लाल चंद प्रार्थी कला केंद्र के बाहर हुई नारेबाजी और कथित अव्यवस्था का मामला तूल पकड़ने लगा है। युवा कांग्रेस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करवाते हुए पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बुधवार को ढालपुर स्थित अटल सदन में आयोजित प्रेस वार्ता में युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष कार्तिक चौधरी ने घटना को निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि कुल्लू दशहरा देवभूमि की आस्था, संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है। उत्सव के दौरान शहर में लाखों लोग मौजूद थे और कला केंद्र में भी हजारों दर्शक कार्यक्रम देख रहे थे। ऐसे में नारेबाजी से अव्यवस्था पैदा होना गंभीर मामला है। पुलिस को जांच करनी चाहिए कि इसके पीछे कौन लोग थे और उनका उद्देश्य क्या था।

चौधरी ने आरोप लगाया कि वीआईपी संस्कृति का विरोध करने वाला व्यक्ति स्वयं कला केंद्र के भीतर कार्यक्रम का आनंद ले रहा था, जबकि प्रवेश नहीं मिलने को लेकर बाहर नारेबाजी की गई। उन्होंने प्रवेश पास और पहचान पत्रों से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया, जिनके कारण कुछ पत्रकारों और अन्य लोगों को प्रवेश द्वार पर रोका गया। उन्होंने भविष्य में ऐसी स्थितियों से बचने के लिए व्यवस्थागत कमियों को दूर करने की आवश्यकता जताई।

कार्तिक चौधरी ने बताया कि स्थानीय विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने उपायुक्त से बातचीत कर कला केंद्र के दोनों प्रवेश द्वार खुलवाए, जिससे आम लोगों को प्रवेश का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि कुल्लू दशहरा किसी एक राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि पूरे समाज का सांस्कृतिक उत्सव है। ऐसे आयोजनों में राजनीति से ऊपर उठकर सहयोग करना चाहिए।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने रिसेप्शन कमेटी की एक महिला पदाधिकारी को सोशल मीडिया पर निशाना बनाए जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि तथ्यों की जांच किए बिना किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं है। चौधरी ने पुलिस अधीक्षक से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच करने और प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री तथा स्थानीय विधायक के खिलाफ हुई नारेबाजी के पीछे की परिस्थितियों का पता लगाने की मांग की।

राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने में नराकास बिलासपुर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), बिलासपुर की द्वितीय छमाही बैठक अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य प्रबंधक एवं अग्रणी जिला प्रबंधक चंद्रशेखर यादव ने की। इसमें विभिन्न सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों, राजभाषा अधिकारियों और नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान हिंदी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए नराकास बिलासपुर को अखिल भारतीय स्तर पर उत्कृष्ट राजभाषा पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। अध्यक्ष ने इस उपलब्धि का श्रेय सभी सदस्य कार्यालयों के सामूहिक प्रयासों और हिंदी के प्रति प्रतिबद्धता को दिया।

उन्होंने हिमाचल प्रदेश के 'क' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग पर जोर देते हुए राजभाषा नीति का प्रभावी पालन करने, हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में देने और राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बैठक के दौरान हिंदी माह के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। एनटीपीसी कोलडैम की निबंध लेखन प्रतियोगिता में कीर्ति प्रथम, जीशान खान द्वितीय और डॉ. अंजुला अग्रवाल तृतीय रहे। आशुभाषण प्रतियोगिता में एम्स बिलासपुर के अभिषेक शर्मा ने प्रथम, डॉ. भूमेश कुमार ने द्वितीय और नीलम दत्त ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नराकास की निबंध लेखन प्रतियोगिता में यूको आरसेटी बिलासपुर की प्रिया प्रथम, अंकिता ठाकुर द्वितीय और मधु कुमारी तृतीय रहीं। अन्य प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए।

सदस्य सचिव एवं यूको बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा नरेंद्र आजाद ने कार्यालयों से हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने की अपील की। बैठक में एनटीपीसी कोलडैम, आयकर विभाग, एलआईसी, एसबीआई, डाकघर, केंद्रीय विद्यालय बिलासपुर सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बीमारी पर टिप्पणी और प्रधानमंत्री के खिलाफ बयान कांग्रेस के संस्कार दर्शाते हैं: बिक्रम ठाकुर



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री व विधायक बिक्रम ठाकुर ने ऊना के कांग्रेस नेता सतपाल रायजादा द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधायक सतपाल सिंह सत्ती की बीमारी और ऑपरेशन को लेकर की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं की बेलगाम जुबान और बिगड़ती राजनीतिक भाषा अब सारी सीमाएं लांघ रही है। बीमारी पर मजाक उड़ाना और देश के प्रधानमंत्री के प्रति अभद्र टिप्पणी करना कांग्रेस की उस राजनीतिक संस्कृति को उजागर करता है, जिसमें विरोधियों का अपमान करना ही राजनीति समझ लिया गया है।

बिक्रम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के कुछ नेता बेलगाम घोड़े की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्हें न अपनी जुबान पर नियंत्रण है और न ही सार्वजनिक जीवन की मर्यादा का कोई लिहाज। जब भी ये नेता मुंह खोलते हैं, अपने बयानों से राजनीतिक वातावरण को दूषित करने का काम करते हैं। सतपाल रायजादा की बयानबाजी यह सवाल खड़ा करती है कि क्या कांग्रेस में अब शालीनता और जिम्मेदार राजनीतिक आचरण के लिए कोई जगह नहीं बची है?

उन्होंने कहा कि जिंदगी में बीमारी किसी को भी हो सकती है। बीमारी न राजनीतिक विचारधारा देखकर आती है और न ही किसी का पद देखकर। ऐसे समय में व्यक्ति को सहानुभूति, सहयोग और संवेदनशीलता की आवश्यकता होती है, न कि उसकी बीमारी और ऑपरेशन पर भद्दे कटाक्षों की। सतपाल सिंह सत्ती प्रदेश के वरिष्ठ नेता हैं। उनसे राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उनके स्वास्थ्य को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। बिक्रम ने कहा कि सतपाल रायजादा को दूसरों की बीमारी पर टिप्पणी करने से पहले अपनी जुबान और सोच का इलाज करवाने की जरूरत है। उनके बयान ने राजनीतिक विरोध और व्यक्तिगत अपमान के बीच का अंतर ही मिटा दिया है। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्ति से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है, लेकिन रायजादा की टिप्पणी ने उनकी राजनीतिक सोच और संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्हें अपनी टिप्पणी पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में यह प्रवृत्ति केवल हिमाचल प्रदेश तक सीमित नहीं है। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई टिप्पणी भी राजनीतिक मर्यादा पर सवाल खड़े करती है। जब कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व ही प्रधानमंत्री के प्रति टिप्पणी करते समय मर्यादा का ध्यान नहीं रखता, तो प्रदेश के नेताओं से संयम की अपेक्षा कैसे की जाए?

भारतीय ज्ञान प्रणाली पारंपरिक विवेक की समृद्ध विरासत : कुलपति ललित



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के कुलपति ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली पारंपरिक विवेक और स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान की समृद्ध विरासत है। वह बीएससी-एमएससी फिजिक्स इंटीग्रेटेड तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं आयशा, स्मृति और समीक्षा से बातचीत कर रहे थे। छात्राओं ने कम्युनिटी कनेक्ट प्रोजेक्ट के तहत स्व-चिकित्सा विषय पर उनका साक्षात्कार लिया। इस दौरान भौतिकी विभागाध्यक्ष एवं प्रोजेक्ट प्रभारी प्रो. राजेश कुमार शर्मा भी उपस्थित रहे।

कुलपति ने तक्षशिला और नालंदा जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों का उल्लेख करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दादी-नानी के पारंपरिक घरेलू उपचार और रसोई में उपलब्ध प्राकृतिक सामग्री का स्वास्थ्य देखभाल में विशेष योगदान रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को बिना चिकित्सकीय सलाह स्वयं दवाइयां लेने से बचने की हिदायत दी। कुलपति ने कहा कि गलत तरीके से दवाइयों का सेवन स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। उन्होंने भारतीय पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के प्रति जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया।

1 को सिलेक्ट होगी मंडी की खो-खो टीम

रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी जिला खो-खो संघ द्वारा सीनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए जिला मंडी की पुरुष एवं महिला टीमों का चयन 1 नवंबर को किया जाएगा। टीमों का चयन ट्रायल के माध्यम से किया जाएगा, जिसके लिए 1 नवंबर को प्रात: 10 बजे सुंदरनगर के हराबाग स्थित नामधारी दिल्ली पब्लिक स्कूल के खेल मैदान में ट्रायल का आयोजन किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ एवं मंडी जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर व मंडी जिला के महासचिव देवेंद्र कुमार ने बताया कि जिला की पुरुष व महिला टीमों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा, जिसके लिए मंडी जिला के महिला व पुरुष खिलाड़ी ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि ट्रायल में चयनित हुए खिलाड़ियों के लिए संघ द्वारा हराबाग स्थित खो-खो अकेडमी में 2 नवंबर से 13 नवंबर तक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

उसके बाद 13 नवंबर को दोपहर बाद 14 व 15 नवंबर को बिलासपुर जिला के जुखाला में होने वाली राज्य स्तरीय सीनियर खो-खो प्रतियोगिता के लिए टीम रवाना हो जाएगी। उन्होंने मंडी जिला के सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग के खिलाड़ियों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर ट्रायल में भाग लेने के लिए उपस्थित हों ताकि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन किया जा सके।

भाजपा 4 नवंबर को मंडी में निकालेगी पदयात्रा : निहाल चंद शर्मा



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारतीय जनता पार्टी जिला मंडी के अध्यक्ष निहाल चंद शर्मा ने कहा कि भाजपा द्वारा लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत 4 नवंबर को मंडी में पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह पदयात्रा पड्डल मैदान से शुरू होकर सेरी मंच पर संपन्न होगी। निहाल चंद शर्मा ने कहा कि इस पदयात्रा के कार्यक्रम में मुख्य रूप से हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर उपस्थित रहेंगे । उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व और राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता तथा देशभर में भाजपा को मिल रहे व्यापक जनसमर्थन से घबराए हुए हैं। इसी बौखलाहट में कांग्रेस लगातार भ्रामक बयानबाजी कर जनता को गुमराह करने और देश में अराजकता का वातावरण पैदा करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रहार करने का रहा है। देश आपातकाल जैसे दौर को भी देख चुका है। भाजपा लोकतंत्र की रक्षा और कांग्रेस की अराजक राजनीति के विरुद्ध जनता के बीच आवाज बुलंद करेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आम जनता से इस पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया।

सड़क दुर्घटनाओं का डाटा ई-डार पोर्टल पर तुरंत अपलोड करें विभाग: अभिषेक



अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक बुधवार को एडीसी अभिषेक गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों की अनुपालना और दुर्घटना पीड़ितों को समय पर राहत उपलब्ध करवाने पर चर्चा की गई।

एडीसी ने कहा कि पुलिस सड़क दुर्घटनाओं का डाटा एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस (आई-रैड) पर अपलोड करती है। वहीं, ई-डार पोर्टल का उद्देश्य दुर्घटना पीड़ितों को शीघ्र राहत और मुआवजा उपलब्ध करवाना है। उन्होंने पुलिस, स्वास्थ्य और परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि पोर्टल पर डाटा अपलोड करने में अनावश्यक देरी न करें।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष 30 सितंबर तक जिले में 74 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 52 मामले दर्ज किए गए थे। सितंबर में ही 12 दुर्घटनाएं हुईं। उन्होंने दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर आवश्यक सुधार करने और संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि सितंबर में शराब पीकर वाहन चलाने पर 46, ओवरस्पीडिंग के 1307, रैश ड्राइविंग के 29, बिना सीट बेल्ट 44, बिना हेलमेट 1948, बिना ड्राइविंग लाइसेंस 71 और वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने के 37 चालान किए गए।

एडीसी ने सड़क किनारे अतिक्रमण रोकने और स्कूल बसों में सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने पीएम-राहत योजना के तहत सड़क हादसों में घायलों को डेढ़ लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा का प्रचार करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि घायलों की मदद करने वाले लोगों को राहवीर योजना के तहत 25 हजार रुपये तक का पुरस्कार मिल सकता है। पुलिस और डॉक्टरों से ऐसे मददगारों के नाम समिति को भेजने को कहा गया। बैठक में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजीव ठाकुर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

घुमारवीं कॉलेज में मेहंदी प्रतियोगिता, अंकिता ने प्रथम व आरती ने हासिल किया द्वितीय स्थान

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं की रोवर एवं रेंजर इकाई द्वारा करवा चौथ के अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने आकर्षक और पारंपरिक डिजाइनों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को दर्शाया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका प्रो. राकेश कुमार और प्रो. पूजा देवी ने निभाई। उन्होंने कलात्मकता, रचनात्मकता, सुंदरता और प्रस्तुति के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की अंकिता ने प्रथम, आरती बंसल ने द्वितीय और बीकॉम द्वितीय वर्ष की कुमकुम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की रोवर एवं रेंजर इकाई के नेतृत्वकर्ता डॉ. प्रवीण कुमार और प्रो. अनु शर्मा ने आयोजन की सराहना की। रेंजर इकाई प्रमुख रजनी के योगदान की भी प्रशंसा की गई।



मंडी में 30 और 31 को बंद रहेगी बिजली

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। विद्युत उपमंडल मंडी नंबर-3 के सहायक अभियंता अरुण ठाकुर ने बताया कि 30 अक्टूबर को 11 केवी सौलीखड्ड फीडर की मरम्मत एवं रखरखाव के चलते सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली बंद रहेगी। इससे छिपणु, ढांगसीधार पुलिस कॉलोनी, बिजणी, सम्बल, भलाना, तांदी, अपर छिपणु, न्यांडी, नसलोह, बुरारीधार, हुमग्राम, रोपड़ू, अरड़ा और स्कोर सहित आसपास के क्षेत्र प्रभावित होंगे। वहीं, 31 अक्टूबर को 11 केवी बाड़ी फीडर की मरम्मत के कारण शाम 3 बजे से 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान बाड़ी, बनाणु, लोअर बिजणी, अरठी, मट्ट और गांधी कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी। सहायक अभियंता ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है। उन्होंने बताया कि मौसम खराब होने की स्थिति में मरम्मत कार्य स्थगित कर अगले दिन किया जा सकता है।

दिवाली पर जोगिंद्रनगर शहर में पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध, पुराने मेला मैदान में होगी

जितेंद्र कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। दिवाली के मद्देनजर जोगिंदर नगर में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू की गई है। इसके तहत शहर के भीतर पटाखों और आतिशबाजी की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बिक्री के लिए पुराने मेला मैदान को निर्धारित किया गया है। एसडीएम जोगिंदर नगर मनीश चौधरी ने बताया कि पुराने मेला मैदान में पटाखे बेचने के इच्छुक दुकानदारों को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। इसके लिए एसडीएम कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। लाइसेंस प्राप्त करने की अंतिम तिथि 6 नवंबर, 2026 को दोपहर 12 बजे तक निर्धारित की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि शहर के भीतर पटाखे बेचने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दुकानदारों से नियमों का पालन करने और त्योहार को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण बनाने में सहयोग देने की अपील की।

शोरशन पंचायत में जांचा 105 लोगों का स्वास्थ्य

भारतेन्दु संवाददाता, करसोग। राज्य सरकार के 'घर-द्वार स्वास्थ्य सेवा' कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत शोरशन में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किया गया। इसमें 105 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई और ग्रामीणों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई गईं। शिविर में 96 लोगों के एक्स-रे किए गए, जबकि 94 लोगों की बीपी व शुगर जांच हुई। इसके अलावा 48 लोगों के एचआईवी तथा 48 लोगों के हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी और सिफलिस के परीक्षण किए गए। खंड चिकित्सा अधिकारी करसोग डॉ. गोपाल चौहान ने सहयोग के लिए पंचायत प्रधान जगदीश शर्मा और ग्रामीणों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को घर-द्वार के समीप स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, ताकि बीमारियों की समय रहते पहचान और उपचार हो सके। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम और आशा कार्यकर्ताओं ने सेवाएं दीं।

सहायिका पद के लिए 13 तक करें आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। बाल विकास परियोजना अधिकारी चौंतड़ा बाल राम वर्मा ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र भ्रां में सहायिका पद के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 13 नवंबर, 2026 कर दी गई है। यहां तीन से कम आवेदन प्राप्त होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। इस पद के लिए साक्षात्कार 17 नवंबर को होंगे। वहीं, अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए साक्षात्कार पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 अक्तूबर को ही आयोजित किए जाएंगे।

करवा चौथ पर कांगड़ा के मंदिर बाजार में छाई मायूसी, दुकानदारों की बिक्री घटी

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। करवा चौथ से पहले कांगड़ा के मंदिर बाजार में इस बार दुकानदारों को अपेक्षित ग्राहक नहीं मिलने से मायूसी छाई हुई है। व्रत के लिए फेनियां, मठरी और ड्राई फ्रूट सहित अन्य सामान खरीदने के लिए बाजार में महिलाओं की आवाजाही तो दिखी, लेकिन खरीदारी कम रही। दुकानदार हर साल करवा चौथ के लिए बड़ी मात्रा में सामान जुटाते हैं और अच्छी बिक्री की उम्मीद रखते हैं। दुकानदार अभय कुमार, पिंकी कुमार, कप्लू कुमार और सुभाष चंद ने बताया कि पहले इस त्योहार पर बाजार में काफी रौनक रहती थी। इस बार दुकानें सामान से भरी हैं, लेकिन ग्राहक कम पहुंच रहे हैं। उनके अनुसार, ऑनलाइन खरीदारी और बड़े मेगा मार्ट में मिलने वाले डिस्काउंट के कारण स्थानीय दुकानों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। कम बिक्री के चलते दुकानदारों को अब सामान के भुगतान और व्यापारिक देनदारियों की चिंता सताने लगी है।

हमीरपुर के किसान परविंद्र का अनूठा प्रयोग अश्वगंधा पर उगाई शिमला मिर्च और टमाटर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला के लाहलड़ी गांव के प्रगतिशील किसान परविन्द्र डढवाल ने ग्राफिटंग तकनीक से औषधीय पौधों पर सब्जियां उगाने का प्रयोग किया है। उन्होंने अश्वगंधा के पौधों पर शिमला मिर्च, बैंगन, टमाटर और रसभरी तैयार की है। परविंद्र लंबे समय से जैविक खेती कर रहे हैं। कृषि विभाग द्वारा उन्हें कई बार सम्मानित किया गया है। उनके उत्पादों को प्रदर्शनियों में भी पुरस्कार मिल चुके हैं। वह फल, फूल, सब्जियां और बीज बेचकर आत्मनिर्भर बने हैं तथा अन्य किसानों को भी प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने सरकार और संबंधित विभागों से सहयोग की उम्मीद जताई है, ताकि इस तकनीक में नए प्रयोग किए जा सकें।



वंदे मातरम कार्यक्रम में हिमाचल का प्रतिनिधित्व करेंगे हितेश

रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मेरा युवा भारत की ओर से चंडीगढ़ में 28 अक्तूबर से 3 नवंबर तक आयोजित 'वंदे मातरम' कार्यक्रम में मंडी के हितेश कुमार हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के युवा भाग ले रहे हैं। हितेश कुमार ने चयन के लिए मेरा युवा भारत की जिला युवा अधिकारी भारती मौंगरा का आभार जताया। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विचार साझा करने का अवसर मिलेगा। हितेश लंबे समय से युवा गतिविधियों और सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि वह कार्यक्रम में हिमाचल की संस्कृति, परंपराओं और युवा शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र निर्माण का संदेश आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। उनकी सहभागिता से क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी सामाजिक कार्यों और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरणा मिलेगी।



स्वयंसेवियों को समाजसेवा के लिए किया प्रेरित

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हराबाग में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर बुधवार को संपन्न हुआ। समारोह प्रधानाचार्या नीना अवस्थी और कार्यक्रम अधिकारी भागमल राणा की देखरेख में आयोजित किया गया। चौंतड़ा खंड विकास समिति अध्यक्ष प्रशांत ठाकुर मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने स्वयंसेवियों को समाज सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवियों को सम्मानित भी किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य गोपाल शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

घुमारवीं में 36 साल बाद सीडीपीओ कार्यालय को मिला सरकारी भवन

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने किया बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय का शुभारंभ



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, आवास तथा नगर एवं ग्राम नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी ने बुधवार को घुमारवीं में बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) कार्यालय का शुभारंभ किया। करीब 36 वर्षों से निजी भवन में चल रहे इस कार्यालय को अब सरकारी भवन उपलब्ध हुआ है। इसी भवन में तहसील कल्याण अधिकारी का कार्यालय भी संचालित हो रहा है, जिससे लोगों को एक ही छत के नीचे विभिन्न विभागों की सुविधाएं मिलेंगी।

इस अवसर पर राजेश धर्माणी ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं तक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों में स्कूल पूर्व शिक्षा, कुपोषण की पहचान, टीकाकरण जागरूकता और स्वच्छता संबंधी जानकारी भी दी जाती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय में 1,000 रुपये की बढ़ोतरी की है। मंत्री ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से महिलाओं के नाम पर जमीन खरीदने पर स्टांप ड्यूटी 6 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत की गई है।

इस दौरान झंडूता विधानसभा क्षेत्र के नाहरल गांव की काजल ठाकुर को मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत विवाह के लिए 2 लाख रुपये की सहायता मिलने पर सम्मानित किया गया। मंत्री ने कहा कि योजना निराश्रित बच्चों और युवाओं को आर्थिक संबल देकर आत्मनिर्भर बनाने में सहायक है। कार्यक्रम में एपीएमसी अध्यक्ष सतपाल वर्धन, जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र कुमार, सीडीपीओ रंजना शर्मा सहित अनेक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

शिवाजी महाराज के आदर्शों से दें भारत में 'रिजीम चेंज' के पैरोकारों को मात : अनुराग



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने गाजियाबाद में दिव्य प्रेम सेवा मिशन द्वारा आयोजित छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक महानाट्य 'जाणता राजा' के मंचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने शिवाजी महाराज के साहस, संघर्ष और राष्ट्रनिर्माण में योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि शिवाजी महाराज ने हिंदवी स्वराज की स्थापना का संकल्प साकार किया। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना उनके आदर्शों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक आयोजन युवाओं को भारतीय संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से जोड़ते हैं।

उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का उल्लेख करते हुए राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और महाकाल लोक जैसे विकास कार्यों का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ शक्तियां भारत में अस्थिरता पैदा कर सत्ता परिवर्तन की कोशिश कर रही हैं।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि विदेशी प्रभावों से प्रेरित विचारधाराओं को भारतीय लोकतंत्र, संविधान और राष्ट्रवाद पर टिप्पणी करने से पहले देश की सांस्कृतिक विरासत समझनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रवाद विशाल बरगद की तरह मजबूत है और देश की संप्रभुता, एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए नागरिकों को शिवाजी महाराज के आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर समय बर्बाद करने से बचें विद्यार्थी: डॉ. विवेक



भारतेन्दु संवाददाता, राजपुर। जीजीडीएसडी कॉलेज राजपुर के इक्वल ऑपर्च्युनिटी सेल द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं कौशल संवर्धन के उद्देश्य से 'व्यक्तित्व विकास एवं सॉफ्ट स्किल्स' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें सेल से जुड़े विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक पूजा वासुदेवा और मोनिका चौधरी ने संसाधन विशेषज्ञ के रूप में विद्यार्थियों को प्रभावी संवाद, आत्मविश्वास, उचित व्यवहार, सकारात्मक सोच और समय प्रबंधन के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया पर अनावश्यक समय बिताने से बचने तथा पढ़ाई और व्यक्तिगत विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया।

◆ जीजीडीएसडी कॉलेज राजपुर में व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान आयोजित

महाविद्यालय के निदेशक एवं प्रधानाचार्य डॉ. विवेक शर्मा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक ज्ञान के साथ सॉफ्ट स्किल्स भी जरूरी हैं। कार्यक्रम का संचालन इक्वल ऑपर्च्युनिटी सेल की समन्वयक आईना ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

घुमारवीं की 15.37 करोड़ की उठाऊ सिंचाई योजना तैयार

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। औहर-रहिया-पलटी उठाऊ सिंचाई योजना का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और इसकी टेस्टिंग भी सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। अब किसानों को जल्द ही सिंचाई सुविधा का लाभ मिलने की उम्मीद है।

जल शक्ति विभाग के अधीक्षण अभियंता बिलासपुर राहुल दुबे ने बताया कि करीब 15 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से तैयार इस योजना के तहत कंदरौर के पास सतलुज नदी से पानी लिफ्ट किया जा रहा है। योजना से क्षेत्र की लगभग 400 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य है। इससे कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह योजना वर्ष 2020-21 में पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में मंजूर हुई थी। बजट के अभाव में इसका काम पांच महीने तक बंद रहा था। योजना से अंबारी, बकारोवा, पैरवी, नल्टी, दुगली, घूमणी, भीघड़, बागथेदु, मझवाण, दरियाणा, रहियां और भिजवानी सहित आसपास के गांवों के किसानों को लाभ मिलेगा।

दिल्ली में हिमाचल कल्याण सभा के 55वें वार्षिक उत्सव में दिखी हिमाचली संस्कृति की झलक



भारतेन्दु संवाददाता, दिल्ली। हिमाचल कल्याण सभा द्वारा राजघाट स्थित सत्याग्रह मंडपम में 55वां वार्षिकोत्सव एवं हिमाचली सांस्कृतिक मेला आयोजित किया गया। इसके साथ अखिल भारतीय हिमाचल सामाजिक संस्था संघ के 107वें अर्धवार्षिक सम्मेलन का समापन समारोह भी हुआ। कार्यक्रम में हिमाचल की लोक संस्कृति, संगीत और परंपराओं की शानदार झलक देखने को मिली।

दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिमाचली नाटी, विभिन्न जिलों के लोकनृत्य और लोकगीत प्रस्तुत कर माहौल हिमाचलमय बना दिया। मास्टर शोभित शर्मा ने गिटार पर देशभक्ति गीत और राष्ट्रगान बजाकर सबका मन मोह लिया। मुख्य अतिथि अनुराग ठाकुर ने उन्हें हिमाचली टोपी और शाल पहनाकर सम्मानित किया।

◆ अनुराग बोले– विकसित भारत के लिए विकसित हिमाचल का निर्माण जरूरी

◆ हिमाचली नाटी, लोकगीतों ने मोहा मन, प्रतिभाओं को किया सम्मानित

अपने संबोधन में अनुराग ठाकुर ने कहा कि हिमाचल हमारी जन्मभूमि, संस्कार, परंपरा और पहचान है। उन्होंने विकसित भारत के साथ विकसित हिमाचल के निर्माण पर जोर देते हुए गांवों, युवाओं, किसानों-बागवानों और पर्यटन के विकास को आवश्यक बताया। समारोह में विभिन्न राज्यों की हिमाचली एवं दिल्ली की सामाजिक संस्थाओं के समाजसेवियों को उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

एचपीयू इंटर-कॉलेज ताइक्वांडो में एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा का शानदार प्रदर्शन



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की इंटर-कॉलेज ताइक्वांडो प्रतियोगिता में एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और तीन रजत सहित कुल छह पदक जीते। राजकीय महाविद्यालय बैजनाथ में 22 से 24 अक्टूबर 2026 तक आयोजित प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का परिचय दिया।

पुरुष वर्ग में शुभम मनहास ने अंडर-63 किलोग्राम, वंश धौटा ने अंडर-74 किलोग्राम और आकाश कुमार ने अंडर-68 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं, आदित्य शर्मा ने अंडर-54 किलोग्राम, सुजल ने अंडर-58 किलोग्राम और प्रशांत चौधरी ने ओवर-87 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पाटियाल ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी मेहनत और लगन के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से महाविद्यालय में खुशी का माहौल है।

◆ तीन स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर खिलाड़ियों ने बढ़ाया महाविद्यालय का मान

बिलासपुर पुलिस पेंशनर्स ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा लंबित डीए पर जताया रोष

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की त्रैमासिक बैठक जिला प्रधान एवं सेवानिवृत्त डीएसपी रविंदर कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारियों की विभागीय और निजी समस्याओं पर चर्चा के साथ प्रदेश सरकार की नीतियों के प्रति रोष जताया गया।

एसोसिएशन के सदस्यों ने लंबित 15 प्रतिशत महंगाई भत्ते (डीए) में से केवल 4 प्रतिशत की किस्त जारी करने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इसे 'ऊंट के मुंह में जीरा' बताते हुए सरकार से सभी लंबित वित्तीय देनदारियों का एकमुश्त भुगतान करने और डीए का बकाया एरियर जल्द जारी करने की मांग की। प्रधान रविंदर कुमार ठाकुर ने कहा कि बैठक का उद्देश्य पेंशनर्स को एक मंच पर लाकर उनकी समस्याओं का समाधान करना और आपसी भाईचारा बढ़ाना है। इस दौरान उनकी सत्य घटनाओं पर आधारित पुस्तक 'एक सिपाही की डायरी' भी चर्चा का केंद्र रही।

◆ 4 प्रतिशत डीए किस्त को बताया 'ऊंट के मुंह में जीरा', एरियर भुगतान की उठाई मांग

आईसीएआर प्रवेश परीक्षा में थुनाग के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन



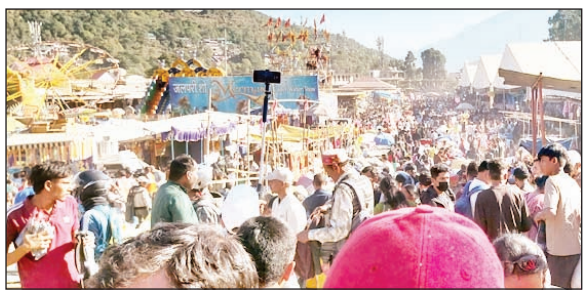
भारतेन्दु संवाददाता, गोहर। डॉ. वाईएस परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के औद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, थुनाग स्थित गुडाहरी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा आईसीएआर एआईईईए (पीजी)-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बीएससी ऑनर्स औद्यानिकी के तीन और वानिकी के एक विद्यार्थी ने परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

हमीरपुर की वर्षा ठाकुर ने सातवां स्थान हासिल किया। वह भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु से फल विज्ञान में एमएससी करेंगी। सिरमौर की अलीशा नेगी ने नौवां स्थान प्राप्त किया और वह भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में पुष्प विज्ञान की पढ़ाई करेंगी।

करसोग के पांगणा की सिमरन ने 304वां स्थान प्राप्त कर आईएआरआई, झारखंड में फल विज्ञान में एमएससी के लिए सफलता हासिल की। चंबा के आदित्य सिंह बिजलवान ने 47वां स्थान प्राप्त किया। वह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में सिल्वीकल्चर एवं एग्रोफोरेस्ट्री में एमएससी करेंगे।

इसके अलावा बिलासपुर के उदय ठाकुर ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून की स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है और वह वानिकी में एमएससी करेंगे। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. प्रेम लाल शर्मा ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से संस्थान को गौरव मिला है। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

देव महाकुंभ संपन्न, एक माह तक जारी रहेगा दशहरा व्यापार मेला



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के तहत आयोजित देव महाकुंभ संपन्न हो गया है, लेकिन ढालपुर में सजा दशहरा व्यापार मेला करीब एक माह तक जारी रहेगा। मेले में कुल्लू के अलावा लाहुल-स्पीति, द्रंग, सराज, आनी और निरमंड सहित आसपास के क्षेत्रों से लोग खरीदारी करने पहुंच रहे हैं।

सर्दियों का मौसम नजदीक आने के कारण गर्म कपड़ों की दुकानों पर विशेष रौनक है। लोग जैकेट, कोट, स्वेटर, शॉल, कंबल, रजाई और गद्दे खरीद रहे हैं। मेले में हर वर्ग के बजट के अनुसार सामान उपलब्ध है। इसके अलावा घरेलू उपयोग की वस्तुओं, रसोई के सामान और खेतीबाड़ी के औजारों की भी मांग बनी हुई है।

मेले में हिमाचल की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प से जुड़े उत्पाद भी आकर्षण का केंद्र हैं। कुल्लू शॉल, टोपी, जैकेट और हथकरघा उत्पाद खरीदने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। इससे स्थानीय कारोबारियों और बुनकरों को व्यापार का अवसर मिल रहा है। देवताओं के अपने देवालयों में लौटने के बाद भी ढालपुर में व्यापारिक गतिविधियां जारी रहेंगी। यह मेला लोगों को एक ही स्थान पर जरूरत का सामान खरीदने की सुविधा प्रदान करता है।

कुल्लू दशहरा 'किंग ऑफ नाटी' ठाकुरदास सहित हिमाचली कलाकारों ने बांधा समां

अंतिम सांस्कृतिक संध्या में पहाड़ी गीतों पर झूमे दर्शक



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या हिमाचली लोकगीतों, पारंपरिक नाटी और लोकप्रिय फिल्मी गीतों के नाम रही। ढालपुर में आयोजित इस संध्या में हिमाचल के लोक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। 'किंग ऑफ नाटी' ठाकुरदास राठी ने अपने लोकप्रिय पहाड़ी गीतों से खूब धमाल मचाया, वहीं अन्य कलाकारों ने भी अपनी गायकी से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

लोक गायक ठाकुरदास राठी ने 'आसे आये तेरे पाहुणे हो', 'ओ बांकी चंद्रा याद रखी गल्लां मेरी' और 'चैटिंग-चैटिंग लगी ऋतुए' सहित कई लोकप्रिय पहाड़ी गीत प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुतियों पर दर्शक झूमते और नाचते नजर आए। राठी की गायकी ने सांस्कृतिक संध्या में विशेष रंग जमाया। हिमाचली गायक कुशल वर्मा ने 'नेऊ दिल्दू चोरी हो', 'इंद्रा लड़िये तेरी' और 'ए आये ते कोटके, ए आये सराजी' जैसे गीतों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। उनकी प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं और नाटी का आनंद लिया।

गायिका खुशबू भारद्वाज ने 'कजरा मोहब्बत वाला' और 'रोहड़ू जाना मेरी आमिये, रोहड़ू हो' सहित कई गीत पेश किए। वहीं, गीता भारद्वाज ने 'गोली मारो दुनिया को', 'आगे ता आगे चली डोलमा सेवता', 'लछी-लछी लोग', 'झुरी रा केरना की' और 'आया नी प्यार निभाना' जैसे गीतों से दर्शकों का मनोरंजन किया।

◆ लोकगीतों और फिल्मी गीतों की धुनों पर देर तक थिरकते रहे दर्शक

लोक गायक सेस राम आजाद ने 'तू ठगी मेरी कंगना', 'शाबा शे रेरू नेगिया', 'तारा लाडी' और 'नौई पार ली शोहरिए' सहित कई पहाड़ी गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को नाचने पर मजबूर कर दिया। उनकी प्रस्तुतियों पर भी खूब तालियां गूंजीं। इसके अलावा हेमराज भारद्वाज ने 'सांसों की जरूरत है जैसे', 'खई के पान बनारस वाला' और 'आई एम डिस्को डांसर' जैसे लोकप्रिय फिल्मी गीतों से संध्या में अलग ही रंग भर दिया। लोक गायक धर्मेंद्र शर्मा ने 'झुरी रा केरना की पीपली खाई लगी शी-शी' सहित कई पहाड़ी गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मनोरंजन किया।

अंतिम सांस्कृतिक संध्या में मिल्कफेड के अध्यक्ष बुद्धि सिंह ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि एपीएमसी अध्यक्ष राम सिंह मियां ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। उत्सव समिति के उपाध्यक्ष एवं उपायुक्त कुल्लू डॉ. अमित शर्मा ने दोनों अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में हिमाचली लोक संस्कृति, पारंपरिक नाटी और फिल्मी गीतों का शानदार संगम देखने को मिला। स्थानीय लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को अपनी संस्कृति और संगीत से जोड़े रखा। इसी के साथ सांस्कृतिक संध्या ने उत्सव की अंतिम शाम को यादगार बना दिया।

हल्द्वानी में 40 प्रतिशत ईवीएम की जांच पूरी

भारतेन्दु संवाददाता,हल्द्वानी। आगामी चुनावों की तैयारियों के तहत हल्द्वानी स्थित निर्वाचन कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) का कार्य तेजी से चल रहा है। 23 अक्टूबर से शुरू हुई इस प्रक्रिया में अब तक करीब 40 प्रतिशत मशीनों की जांच पूरी हो चुकी है। उप निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी नैनीताल विवेक राय ने बताया कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के इंजीनियरों की मौजूदगी में मशीनों की जांच की जा रही है। पूरी प्रक्रिया राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के सामने पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि जांच में सही पाई जाने वाली मशीनों पर एफएलसी ओके का निशान लगाकर उन्हें आगामी चुनावों के लिए सुरक्षित रखा जा रहा है। वहीं, खराब मशीनों पर नॉन-फंक्शनिंग का प्रमाणपत्र लगाकर अलग किया जा रहा है। ऐसी मशीनों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार संबंधित निर्माता कंपनियों को वापस भेजा जाएगा। एफएलसी के दौरान प्रतिदिन लगभग 175 मशीनों के सेट की जांच की जा रही है। इनमें बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट मशीनें शामिल हैं। विवेक राय ने बताया कि जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी समय-समय पर जांच प्रक्रिया का निरीक्षण कर रहे हैं। नगर आयुक्त भी कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत एसडीएम और तहसीलदार प्रतिदिन सुबह वेयरहाउस की सील खुलवाते हैं और शाम को कार्य पूरा होने के बाद दोबारा सील लगवाते हैं। वेयरहाउस की चाबियां ट्रेजरी में सुरक्षित रखी जाती हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों का पालन करते हुए शेष मशीनों की जांच भी जल्द पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

अनुपूरक बजट में हर वर्ग के कल्याण पर जोर : सतपाल महाराज

किसान, युवा, महिला और कर्मचारियों के कल्याण पर सरकार का विशेष ध्यान

अनिल थपलियाल

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि भराड़ीसैंण विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 7,844.18 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पारित होना उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इस बजट में सरकार ने किसान, युवा, महिला, कर्मचारी, श्रद्धालु और उद्यमियों सहित हर वर्ग के कल्याण पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने दूरदर्शी और जनकल्याणकारी बजट के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई दी।

महाराज ने कहा कि अनुपूरक बजट पारित होने के बाद राज्य का कुल वार्षिक बजट 1,11,703.21 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,19,547.39 करोड़ रुपये हो गया है। यह प्रदेश सरकार की विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बजट में 4,164.32 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय और 3,679.86 करोड़ रुपये राजस्व व्यय के लिए रखे गए हैं। पूंजीगत व्यय का प्रावधान दर्शाता है कि सरकार वर्तमान जरूरतों के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मजबूत आधार तैयार करने पर ध्यान दे रही है। वहीं, राजस्व व्यय से प्रशासनिक व्यवस्था और जनसेवाओं को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।



◆ अटल आयुष्मान और गोल्डन कार्ड योजनाओं के लिए 225 करोड़ रुपए

उन्होंने कहा कि किसानों की उपज की खरीद और संबंधित योजनाओं के लिए 1,244 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो किसान हितैषी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। शिक्षा और खेल गतिविधियों के लिए 278 करोड़ रुपये तथा महिलाओं के पोषण और कल्याण के लिए 117 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। इन प्रावधानों से युवाओं को आगे बढ़ने और महिलाओं के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

महाराज ने बताया कि अटल आयुष्मान योजना के लिए 100 करोड़ रुपये और राज्य कर्मचारियों की गोल्डन कार्ड योजना के लिए 125 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इस प्रकार स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए कुल 225 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त कुंभ की व्यवस्थाओं के लिए 290 करोड़ रुपये, हरिद्वार गंगा कॉरिडोर के लिए 30 करोड़ रुपये और मां नंदा राजजात यात्रा के संचालन के लिए 20 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर

उन्होंने कहा कि अनुपूरक बजट विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करता है। इसमें जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ धार्मिक आयोजनों और सांस्कृतिक परंपराओं को भी महत्व दिया गया है। महाराज ने विश्वास जताया कि बजट में किए गए प्रावधान उत्तराखंड को आत्मनिर्भर, विकसित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

बूथ सशक्तीकरण से मजबूत होगा संगठन : बांसुरी स्वराज

अनिल थपलियाल



रुद्रप्रयाग। आगामी विधानसभा चुनाव-2027 को देखते हुए भाजपा ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और जनसंपर्क अभियान में तेजी लाने पर जोर दिया है। जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक में नई दिल्ली की लोकसभा सांसद एवं उत्तराखंड प्रदेश सह-प्रभारी बांसुरी स्वराज ने कार्यकर्ताओं से समर्पण और सक्रियता के साथ संगठन के लिए काम करने का आह्वान किया। बैठक में प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत भारद्वाज भी मौजूद रहीं। बांसुरी स्वराज ने कहा कि संगठन की असली ताकत समर्पित कार्यकर्ता और बूथ स्तर पर उनकी सक्रिय भागीदारी है।

तालमेल बनाने की अपील

दीप्ति रावत भारद्वाज ने संगठनात्मक गतिविधियों में निरंतरता बनाए रखने और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और चुनावी तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट ने की।

बांसुरी स्वराज के स्वागत में उमड़े कार्यकर्ता

बैठक से पहले रुद्रप्रयाग पहुंचने पर बांसुरी स्वराज का भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, विजय कप्रवान, चंडी प्रसाद भट्ट, ऐश्वर्या रावत, वाचस्पति सेमवाल, महावीर पंवार सहित पार्टी पदाधिकारी और विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देहरादून एयरपोर्ट पर विंटर शेड्यूल लागू, 12 शहरों के लिए 26 उड़ानें

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। देहरादून एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं का शीतकालीन शेड्यूल 25 अक्टूबर से लागू हो गया है। नए शेड्यूल के तहत देश के 12 शहरों के लिए करीब 26 उड़ानों का संचालन किया जा रहा है। यह व्यवस्था 27 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगी। सर्दियों के मौसम को देखते हुए विभिन्न शहरों के लिए उड़ानों के समय में भी बदलाव किया गया है।

देहरादून एयरपोर्ट के निदेशक भूपेश सीएच नेगी ने बताया कि नए शेड्यूल में दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, जयपुर, मुंबई, बेंगलुरु, लखनऊ, पुणे, कोलकाता, नवी मुंबई, पिथौरागढ़ और नोएडा के लिए हवाई सेवाएं शामिल हैं। इनमें इंडिगो एयरलाइंस की सर्वाधिक 19 उड़ानें संचालित होंगी। इसके अलावा एयर इंडिया की पांच, एलायंस एयर की एक और एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान शामिल है।

नए कार्यक्रम के अनुसार, सुबह से लेकर शाम तक विभिन्न शहरों के लिए विमान सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। पुणे से आने वाली इंडिगो की उड़ान सुबह 8:15 बजे देहरादून पहुंचेगी, जबकि नवी मुंबई से विमान सुबह 9:05 बजे पहुंचेगा।

एलायंस एयर की सेवा



पिथौरागढ़ के लिए एलायंस एयर की उड़ान दोपहर 12:40 बजे देहरादून पहुंचेगी और दोपहर 1:05 बजे वापस रवाना होगी। शाम को बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई के लिए भी उड़ानें संचालित होंगी। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों को सलाह दी है कि यात्रा से पहले अपनी संबंधित उड़ान का समय एयरलाइन से अवश्य जांच लें, ताकि समय में बदलाव के कारण किसी प्रकार की परेशानी न हो।

नृत्य और कला का संगम

देहरादून में कल से सजेगा श्रौत महोत्सव



देहरादून। तारा जोशी फाउंडेशन की ओर से आयोजित 'श्रौत महोत्सव 2026' को लेकर बुधवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता की गई। फाउंडेशन की सचिव किरन जोशी, तान्या जोशी, निमिका ककरान और मधुमिता मिश्रा ने बताया कि पांच दिवसीय महोत्सव 30 अक्टूबर से 3 नवंबर तक परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। इसकी थीम 'सेलिब्रेटिंग पीपल, प्रिजर्विंग ट्रेडिशंस' रखी गई है। महोत्सव में हथकरघा, हस्तशिल्प, लोक संगीत, नृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके अलावा ऐपन कला कार्यशाला, टैलेंट शो, डांडिया नाइट और संगीत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 30 अक्टूबर को पहाड़ी संगीत और मैजिक शो से कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। 31 अक्टूबर को जौनसारी नाइट और शास्त्रीय संगीत, जबकि 1 नवंबर को महिला स्वास्थ्य एवं सशक्तीकरण पर चर्चा और डांडिया नाइट होगी।

उत्तराखंड में नशे के कारोबारियों का 'रक्तबीज' जैसा जाल!

पुलिस का प्रहार जारी, फिर भी अपराधियों की नई पौध तैयार–आखिर कब टूटेगी यह चेन?

विकास बलूनी

देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देशों पर दून पुलिस ने नशा तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 5.55 ग्राम अवैध स्मैक, 863 ग्राम चरस और 52 टेट्रा पैक यानी एक पेटी देशी शराब बरामद की है। तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को भी सीज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर को कोतवाली रायवाला पुलिस ने गश्त के दौरान रिजेन्टा होटल के पास से राम दुबे निवासी हरिपुरकला, रायवाला को 5.55 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। तस्करी में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी को सीज कर अभियुक्त के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। राम दुबे के विरुद्ध हरिद्वार जनपद में चोरी, लूट, डकैती और अन्य आपराधिक घटनाओं से संबंधित आठ अभियोग पंजीकृत हैं।

आखिर कब तक नशे की गिरफ्त में रहेगा उत्तराखंड?



इनमें गैंगस्टर एक्ट का मामला भी शामिल है। वह पूर्व में कई आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है। वहीं, कोतवाली विकासनगर पुलिस ने 27 अक्टूबर को चेकिंग के दौरान तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गुरद्वीप निवासी चंदना, शिमला और राजेन्द्र निवासी चंदना, शिमला के कब्जे से कुल 306 ग्राम अवैध चरस बरामद की गई। इस दौरान तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद हुई। इसके अलावा ढालीपुर क्षेत्र से इन्तजार निवासी विकासनगर को 557 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया।

एसएसपी दून के नेतृत्व में नशा तस्करों के विरुद्ध एक्शन मोड में दून पुलिस

इसी क्रम में 28 अक्टूबर को थाना क्लेमेंटाउन पुलिस ने चेकिंग के दौरान दूधली रोड स्थित परी एनक्लेव के पास से वहीद खान निवासी दूधली, देहरादून को 52 टेट्रा पैक अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। उसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और व्यापार में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में नशा तस्करों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है।



बाबा रामदेव बोले भारत में नहीं हो सकता तख्तापलट

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। योग गुरु स्वामी रामदेव ने सनातन धर्म और वैदिक परंपराओं पर सवाल उठाने वालों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वेदों में भेदभाव नहीं, बल्कि समस्त मानवता के कल्याण का संदेश निहित है। उन्होंने कहा कि सनातन को संकीर्ण दृष्टि से देखने के बजाय उसकी मूल भावना को समझने की आवश्यकता है। सनातन केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने, प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने और विश्व कल्याण का मार्ग है। कनखल में पत्रकारों से बातचीत के दौरान स्वामी रामदेव ने कहा कि भारत की पहचान उसकी ऋषि परंपरा, वेदों, उपनिषदों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से है। अपनी परंपराओं पर गर्व करना प्रत्येक भारतीय का स्वाभाविक अधिकार है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को पूर्वाग्रह के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए।

करवा चौथ से पहले उजड़ा परिवार सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत

भारतेन्दु संवाददाता,ऊधम सिंह नगर। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले के बाजपुर में नेशनल हाईवे-74 पर दोराहा के पास बुधवार को दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी की मौत हो गई। करवा चौथ से एक दिन पहले हुए इस हादसे से परिवार में मातम छा गया। दंपती की मौत से उनके चार बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया है।



◆ करवा चौथ से पहले खुशियां मातम में बदलीं

जानकारी के अनुसार, ग्राम कनौरा निवासी 48 वर्षीय मुन्नालाल अपनी पत्नी जोसमीन के साथ बाइक से केलाखेड़ा में रिश्तेदारों के यहां जा रहे थे। इसी दौरान दोराहा के पास ओवरब्रिज के नजदीक पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

चार बच्चों के सिर से उठा माता-पिता का साया

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में पति-पत्नी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्वजन में कोहराम मच गया। करवा चौथ से ठीक पहले हुई इस घटना ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। हादसे की सूचना मिलने पर कोतवाल नरेश चौहान और दोराहा चौकी प्रभारी देवेंद्र सिंह मेहता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त बाइक को भी कब्जे में लिया गया है।

श्रीनगर में चाय पीकर सीएम धामी ने दिया लोकल फॉर वोकल का संदेश

सड़क मार्ग से देहरादून जाते समय स्थानीय लोगों से मिले सीएम



अनिल थपलियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को श्रीनगर में स्थानीय लोगों से आत्मीय मुलाकात कर सादगी का परिचय दिया। जीवीके के हेलीपैड से सड़क मार्ग के जरिए देहरादून जाते समय मुख्यमंत्री श्रीनगर चुंगी के पास मंगल सिंह की चाय की दुकान पर रुके। यहां उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ चाय पी और दुकानदारों से बातचीत की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों में खासा उत्साह देखने को मिला।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने दुकान पर मौजूद बच्चियों और स्थानीय नागरिकों से भी आत्मीय संवाद किया। उन्होंने स्वयं लोगों और अधिकारियों को चाय परोसी। मुख्यमंत्री का इस तरह आम लोगों के बीच रुकना और उनसे सहजता से बातचीत करना चर्चा का विषय बना रहा। उनकी इस पहल को स्थानीय कारोबार को प्रोत्साहित करने और छोटे व्यापारियों का उत्साह बढ़ाने के संदेश के रूप में देखा गया।

◆ स्थानीय कारोबार को बढ़ावा देने का संदेश दिया

मुख्यमंत्री का स्थानीय दुकान पर रुककर चाय पीना केंद्र सरकार की 'लोकल फॉर वोकल' भावना के अनुरूप नजर आया। इसके माध्यम से उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को प्रोत्साहन देने तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का संदेश दिया।

न्यूज ब्रीफ

धामी ने किया करवा चौथ पर अवकाश का ऐलान

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में उत्तराखंड सरकार ने करवा चौथ पर्व के अवसर पर 29 अक्टूबर 2026 (गुरुवार) को प्रदेश की महिला कार्मिकों के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस संबंध में शासन की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि करवा चौथ महिलाओं की आस्था, प्रेम और पारिवारिक विश्वास से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। राज्य सरकार महिलाओं की भावनाओं, धार्मिक आस्था और पारंपरिक मान्यताओं का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि सरकार विकास के साथ प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए भी प्रतिबद्ध है। करवा चौथ जैसे पर्व परिवारों में प्रेम, विश्वास और आपसी समर्पण की भावना को मजबूत करते हैं।

सुरक्षा दीवारों के बकाया भुगतान पर विधानसभा सख्त



भारतेन्दु संवाददाता, भराड़ीसैंण (गैरसैंण)। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने कोटद्वार और लैंसडाउन वन प्रभागों में मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए वर्ष 2019 से 2021 के बीच निर्मित सुरक्षा दीवारों का लंबित भुगतान एक माह के भीतर करने के निर्देश दिए हैं। विधानसभा सत्र के दूसरे दिन बुधवार को नियम 58 के तहत लक्सर के विधायक मोहम्मद शहजाद ने सदन में यह मामला उठाया। वन मंत्री का पक्ष सुनने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने संबंधित कार्यों का भुगतान निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम और आमजन की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल होनी चाहिए। सुरक्षा के लिए किए गए कार्यों का भुगतान समय पर होना जरूरी है, ताकि संबंधित कार्यों से जुड़े लोगों को राहत मिल सके और भविष्य में ऐसे कार्यों को गति मिल सके।

25 मौसम वेधशालाओं के प्रेक्षकों को प्रशिक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) की ओर से मौसम विज्ञान केंद्र में सतही क्षेत्रीय वेधशालाओं के प्रेक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश के सभी 13 जनपदों में स्थापित 25 वेधशालाओं के प्रेक्षकों को मौसम संबंधी आंकड़ों के सही संकलन, अभिलेखीकरण और समयबद्ध प्रेषण का प्रशिक्षण दिया गया। यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश चंद्र ने कहा कि आपदा संवेदनशील उत्तराखंड में सटीक मौसम आंकड़े आपदा पूर्व तैयारी, प्रारंभिक चेतावनी और राहत-बचाव कार्यों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने प्रेक्षकों को निर्धारित समय पर सही आंकड़े दर्ज करने तथा उपकरणों में खराबी या तकनीकी समस्या आने पर तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. सीएस तोमर ने वर्षा मापन और मौसम संबंधी आंकड़ों की शुद्धता को प्रभावी आकलन का आधार बताया। प्रशिक्षण में अधिकतम-न्यूनतम तापमान की रीडिंग, ऑनलाइन आंकड़े दर्ज करने और उपकरणों के रखरखाव की जानकारी दी गई।

टनकपुर में 265 विद्यार्थियों को सुरक्षित बचपन के प्रति किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, चंपावत। बच्चों को यौन शोषण, साइबर अपराध और अन्य प्रकार के उत्पीड़न से बचाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से टनकपुर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, पॉक्सो कानून और डिजिटल सुरक्षा की जानकारी दी गई। अभियान के तहत एमडीएम एजुकेशनल सोसायटी, ककराली गेट में आयोजित शिविर में करीब 265 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पीएलवी अजय गुरुरानी, दिग्विजय सिंह, कुंवर सिंह भंडारी और राधिका अधिकारी ने बच्चों को गुड टच-बैड टच, यौन उत्पीड़न से बचाव और साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने के तरीके बताए। विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम और इसके तहत अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जानकारी भी दी गई। दूसरी पाली में राजकीय प्राथमिक विद्यालय और राजकीय माध्यमिक विद्यालय आमबाग में संयुक्त जागरूकता शिविर लगाया गया। इसमें पुलिस उपनिरीक्षक सुखपाल सिंह, हेड कांस्टेबल सीमा यादव और चाइल्ड हेल्पलाइन की भावना सहित अन्य सदस्यों ने बच्चों को जागरूक किया।

बीकेटीसी में 23 कर्मचारियों-अधिकारियों को पदोन्नति

भारतेन्दु संवाददाता,बदरीनाथ। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) में वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया बहाल करते हुए 23 कर्मचारियों और अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है। अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुति पर विभिन्न पदों पर पदोन्नतियां की गई हैं। इनमें वरिष्ठ सहायक के 14 रिक्त पदों के अलावा प्रशासनिक अधिकारी और लेखाकार के पद शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 70 अस्थायी कर्मचारियों के वेतन में भी वृद्धि की गई है। उनकी अन्य मांगों के समाधान के लिए उपसमिति गठित की गई है।

तैयारियां कुंभ-2027 के लिए घाटों पर प्रकाश और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

कुंभ से पहले पंतद्वीप के विकास कार्य पूरे करने के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार



घाटों का सौंदर्यीकरण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।

कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर मेला प्रशासन ने विकास कार्यों में तेजी लाने के साथ ही निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को मेलाधिकारी सोनिका ने पंतद्वीप, कांगड़ा घाट और मालवीय द्वीप क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुंभ शुरू होने से पहले सभी महत्वपूर्ण कार्य पूरे कर लिए जाएं। निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने घाटों, पार्किंग स्थलों, वॉक-वे, वेंडिंग जोन, शौचालयों, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी और सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों की स्थिति देखी। उन्होंने कार्यदायी संस्था यूपीडीसीसी के अधिकारियों को निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही टाइलिंग, फिनिशिंग और अन्य निर्माण कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुंभ जैसे बड़े आयोजन की तैयारियों में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयसीमा में काम पूरा करें।

मेलाधिकारी ने कुंभ के दौरान हरिद्वार में श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए आवागमन व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंतद्वीप क्षेत्र के वॉक-वे और आसपास के घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही व्यवस्थित होनी चाहिए, ताकि भीड़ के दबाव में किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। घाटों पर रेलिंग, चेन और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। गंगा तटों पर साफ-सफाई और स्पष्ट दृश्यता बनाए रखने के लिए भी प्रभावी प्रबंध करने को कहा गया। इसके अलावा पंतद्वीप क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त रखने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो। मेलाधिकारी सोनिका ने कांगड़ा घाट और मालवीय द्वीप क्षेत्र में घाटों, पुलों तथा संपर्क मार्गों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पुराने घाटों के रखरखाव और मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

कुंभ परियोजनाओं की नियमित निगरानी

हरिद्वार में कुंभ मेला-2027 के लिए अवस्थापना सुविधाओं के विकास से जुड़े कई कार्य किए जा रहे हैं। उत्तराखंड इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट डेवलपमेंट बोर्ड (यूआईआईडीबी) की ओर से हरकी पैड़ी-रोड़ी बेलवाला क्षेत्र के पुनर्विकास और हरकी पैड़ी के उत्तरवर्ती क्षेत्र के विकास की परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। मेला प्रशासन इन परियोजनाओं की प्रगति और गुणवत्ता की नियमित निगरानी कर रहा है।